Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, शनिवार
12.9.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 318
PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

अमित शाह ने मोहन भागवत को जन्मदिन की बधाई दी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को जन्मदिन की बधाई दी। शाह ने भागवत की संघ प्रचारक से लेकर सरसंघचालक तक की यात्रा को राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति समर्पण की अद्वितीय मिसाल बताया।

शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में मोहन भागवत के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि प्रचारक के रूप में उन्होंने देश के कोने-कोने में जाकर समाज को करीब से समझा। उन्होंने कहा कि सरसंघचालक के रूप में भागवत संघ के माध्यम से सेवा, संस्कार और चरित्र निर्माण के कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं तथा समाज में राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूत करने में योगदान दे रहे हैं।

गृहमंत्री ने भागवत के भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति समर्पण को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भागवत की सार्वजनिक जीवन की यात्रा समाज को समझने और उसके साथ जुड़कर राष्ट्रसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का उदाहरण है।

मोदी-पुतिन बैठक: द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा व वैश्विक राजनीतिक मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यहां रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की जिसमें दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल विकास आदि क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और वैश्विक एवं भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जिसमें यूक्रेन युद्ध, काला सागर क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हमले एवं भारतीय नाविकों की सुरक्षा के मुद्दे भी शामिल थे। पुतिन भारत की अध्यक्षता में कल से शुरू हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज तड़के यहां पहुंचे हैं और वह तीन दिन की यात्रा पर आये हैं। भारत मंडपम में अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे हुई इस मुलाकात के बारे में विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल गतिशीलता और लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी "इनोप्रोम इंडिया" का स्वागत किया, जो पहली बार भारत में 9-11 सितंबर 2026 को आयोजित की गई और व्यापार तथा औद्योगिक संबंधों को और बढ़ाने में इसके महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने इनोप्रोम इंडिया प्रदर्शनी का दौरा भी किया और प्रतिभागियों से बातचीत की। विदेश मंत्रालय के अनुसार नेताओं ने बहुपक्षीय क्षेत्र में भारत-रूस जुड़ाव, विशेष रूप से 2026 में भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स के संदर्भ में, विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दृष्टिकोण साझा किए, जिनमें पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में संघर्ष शामिल हैं, जिनका समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर असर पड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि बातचीत और कूटनीति ही संघर्षों को सुलझाने का सही तरीका है और भारत शांति प्रयासों में सहायता के लिए तैयार है।

ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे

एजेंसी, नई दिल्ली । ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। पेजेश्कियान आज शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा होने की संभावना है। ईरानी राष्ट्रपति का नई दिल्ली हवाई अड्डे पर केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पेजेश्कियान का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और ईरान के बीच सभ्यतागत संबंध हैं, जो जीवंत सांस्कृतिक और लोगों के बीच आपसी रिश्तों से जुड़े हैं।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में देश की बड़ी उपलब्धि, 80 लाख से ज्यादा एचपीवी वैक्सीन डोज लगी

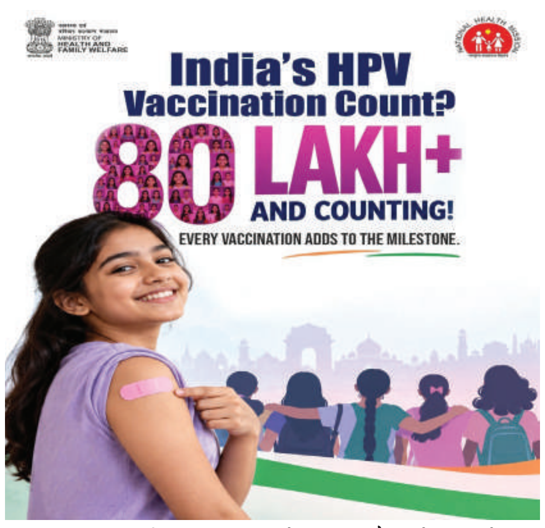

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक 80 लाख से अधिक एचपीवी वैक्सीन की डोज दी जा चुकी हैं। यह अभियान फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। अभियान के तहत 14 वर्ष की किशोरियों को अभिभावकों की सहमति से सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वैच्छिक और मुफ्त सिंगल-डोज एचपीवी वैक्सीन दी जा रही है। भारतीय रजिस्ट्रार जनरल के 2021 के अनुमान के अनुसार, देश में हर साल करीब 1.2 करोड़ लड़कियां 14 वर्ष की आयु में पहुंचती हैं, जिन्हें इस पहल से लाभ मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि चार राज्यों में 100 फीसदी कवरेज दर्ज किया गया है। इनमें गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और मिजोरम शामिल हैं जहां अपने चिन्हित लक्षित समूह का 100 प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया है। वहीं बिहार, आंध्र प्रदेश और असम में 90 प्रतिशत से अधिक कवरेज दर्ज किया गया है। कर्नाटक में 85 प्रतिशत से अधिक, जबकि छत्तीसगढ़, सिक्किम, केरल, तेलंगाना और ओडिशा में 60 प्रतिशत से अधिक कवरेज हुआ है। राज्यों में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है, जहां अभियान के तहत 22 लाख से अधिक किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन दी जा चुकी है। मंत्रालय के मुताबिक अभियान के दौरान अभिभावकों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सा विशेषज्ञों को जोड़कर एचपीवी टीकाकरण से जुड़ी भ्रांतियों और गलत सूचनाओं को दूर करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। एम्स जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ बाल रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, आशा और एएनएम कार्यकर्ता भी जागरूकता अभियान में सहयोग कर रहे हैं। टीकाकरण की निगरानी के लिए यू विन डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके माध्यम से जिला स्तर पर कवरेज, छूटे हुए लाभार्थियों और टीकाकरण की कमियों की पहचान की जा रही है। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर सभी टीकाकरण सत्र प्रशिक्षित मेडिकल अधिकारियों की निगरानी में आयोजित किए जा रहे हैं। दुर्लभ साइड इफेक्ट्स (टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं) के प्रबंधन के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को 24×7 स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा गया है।

मोदी ने 9/11 हमले के पीड़ितों को किया याद, आतंकवाद के खिलाफ भारत के अडिग संकल्प को दोहराया

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका में हुए भयावह 9/11 आतंकवादी हमलों की 25वीं बरसी पर हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के अडिग रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद ने दुनियाभर में अनगिनत लोगों की जान ली है और इसका खतरा लगातार बदल रहा है, लेकिन आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ भारत का संकल्प अडिग है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में उन परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त की, जिनकी जिंदगी 11 सितंबर 2001 के भयावह हमलों से हमेशा के लिए बदल गई। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ जारी सभी प्रयासों के प्रति भारत की एकजुटता भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कई दशकों से सीमापार आतंकवाद का पीड़ित रहा है और इसी कारण वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर रहा है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का खतरा भले ही लगातार नए रूप ले रहा हो, लेकिन भारत सभी प्रकार और स्वरूपों के आतंकवाद का विरोध करता रहेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भयावह 9/11 हमलों के 25 वर्ष बाद भी पीड़ितों को याद किया जा रहा है और उन्हें सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने उन परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की, जिनकी जिंदगी इन हमलों के कारण हमेशा के लिए बदल गई। मोदी ने इस अवसर पर वर्ष 2014 में अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान 9/11 स्मारक एवं संग्रहालय के दौरे की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। उल्लेखनीय है कि 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए सिलसिलेवार आतंकवादी हमलों में हजारों लोगों की जान गई थी। इन हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को नई दिशा मिली।

नौसेना प्रमुख का ऑस्ट्रेलिया दौरा पूरा, रक्षा साझेदारी के बढ़ते सामरिक संबंधों पर हुई चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ऑस्ट्रेलिया का दौरा पूरा करके अब न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ रक्षा और नौसेना नेतृत्व के साथ बातचीत की, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स (सीडीएफ) एडमिरल मार्क हैमंड और रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के चीफ एडमिरल मैथ्यू बकले शामिल थे। बातचीत में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा साझेदारी की बढ़ती सामरिक गहराई पर फोकस किया गया। नौसेना प्रमुख का 09 से 11 सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया दौरा भारतीय नौसेना और रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के बीच द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को और मजबूत करने और बढ़ती इंडिया-ऑस्ट्रेलिया रक्षा और समुद्री साझेदारी को आगे बढ़ाने के मकसद से था। इस दौरे के दौरान नौसेना प्रमुख के साथ द्विपक्षीय समुद्री सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। कैनबरा में नौसेना का रसेल ऑफिस में गर्मजोशी से पारंपरिक स्वागत किया गया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया की स्वदेशी विरासत को दिखाते हुए एक स्मोकिंग सेरेमनी हुई, जिसके बाद एक सेरेमोनियल गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के चीफ मैथ्यू बकले के साथ बातचीत के दौरान दोनों प्रमुखों ने 2027 में कई एक्सरसाइज के जरिए इंटरऑपरेबिलिटी और ऑपरेशनल इंगेजमेंट को और बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

अपर त्रिशूली हाइड्रोपावर परियोजना में 545 लोग अब भी लापता, सुरंग और हेडबॉक्स में तलाश जारी

एजेंसी, काठमांडू

बाढ़ से क्षतिग्रस्त अपर त्रिशूली जलविद्युत परियोजना में लापता लोगों की तलाश आज भी जारी है। परियोजना प्रबंधन के अनुसार, सुरंग और हेडबॉक्स में लापता लोगों की खोज की जा रही है। खोज अभियान में नेपाली सेना, नेपाल ड्रोन एसोसिएशन, कोरियाई टीम और शेरपाओं सहित विभिन्न टीमें शामिल हैं। इसके अलावा प्रशिक्षित सर्च डॉग को भी अभियान में लगाया गया है। परियोजना के अनुसार, बाढ़ आने से पहले आयोजनास्थल पर कुल 1,433 कर्मचारी कार्यरत थे, जिनमें से अब तक 878 लोगों को बचाया जा चुका है। फिलहाल परियोजना में 545 लोग लापता हैं। इनमें 9 दक्षिण कोरियाई, 34 चीनी और 50 भारतीय नागरिक शामिल हैं। बाकी लापता लोग नेपाली नागरिक हैं।

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ से करीब डेढ़ लाख नागरिकों के प्रभावित होने का अनुमान

एजेंसी, काठमांडू । नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से रसुवा, नुवाकोट और धादिंग समेत विभिन्न जिलों में करीब डेढ़ लाख नागरिकों के सीधे तौर पर प्रभावित होने का प्रारंभिक अनुमान लगाया गया है। संसद की शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सूचना प्रौद्योगिकी संसदीय समिति की बैठक में शुक्रवार को स्वास्थ्य सचिव डॉ. विकास देवकोटा ने यह आंकड़ा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बागमती प्रदेश सरकार और मंत्रालय के विभिन्न तंत्रों के माध्यम से जुटाई गई जानकारी के आधार पर प्रभावित आबादी का अनुमान लगाया गया है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना में 10 किमी लंबी सुरंग का ब्रेक थ्रू

एजेंसी, नई टिहरी

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत टिहरी जिले के ढालवाला से नीर गड्डू के बीच 10 किलोमीटर लंबी सुरंग का शुक्रवार को ब्रेक थ्रू किया गया। सुरंग के दोनों छोर आपस में जुड़ने के साथ निर्माण कार्य का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया। परियोजना अधिकारियों के अनुसार, निर्माण का यह अहम चरण निर्धारित तकनीकी मानकों, सुरक्षा प्रोटोकॉल और इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं के अनुरूप पूरा किया गया। प्रोजेक्ट मैनेजर निशीथ शर्मा ने ढालवाला सुरंग के सफल ब्रेक थ्रू को परियोजना की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य तकनीकी मानकों और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं के साथ निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। परियोजना को गति देने के लिए करीब 1 हजार कर्मचारी 24 घंटे और महीने में 28 दिन कार्य कर रहे हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हिमालयी क्षेत्र में इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए कैसे मानव संसाधन और तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है। उप महाप्रबंधक सिविल ओपी मालगुड़ी ने बताया कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना केवल रेल लाइन बिछाने की योजना नहीं, बल्कि पर्वतीय उत्तराखंड के परिवहन ढांचे को नई दिशा देने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना है। 125 किमी लंबी यह परियोजना 28 सुरंगों से बनकर तैयार होगी। अभी तक रेल विकास निगम लि. ने 22 सुरंगों का निर्माण कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को भेंट किया 'तिरुक्कुरल' का रूसी अनुवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें महान तमिल कवि, दार्शनिक एवं संत तिरुवल्लुवर की अमर कृति 'तिरुक्कुरल' का रूसी अनुवाद भेंट किया। मोदी ने कहा कि यह पुस्तक महान तिरुवल्लुवर के शाश्वत ज्ञान परंपरा को भाषा और भौगोलिक सीमाओं के पार पहुंचाती है।

भारत मंडपम में हुई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और विभिन्न द्विपक्षीय एवं साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने बाद में सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक का वीडियो साझा करते हुए तिरुक्कुरल के रूसी अनुवाद को पुतिन को भेंट किए जाने की जानकारी दी। मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति पुतिन को तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद भेंट किया, जो महान तिरुवल्लुवर के शाश्वत ज्ञान को भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे पहुंचाता है।" तिरुक्कुरल तमिल साहित्य की महान कृतियों में शामिल है। इसमें 1,330 दोहे हैं, जिनमें नैतिकता, सदाचार, शासन, सामाजिक जीवन और मानवीय मूल्यों से जुड़े विचारों को संक्षिप्त एवं गहन रूप में प्रस्तुत किया गया है। महान कवि-दार्शनिक तिरुवल्लुवर की यह कृति तमिल साहित्य की महत्वपूर्ण रचनाओं में शामिल है। पुतिन को इसका रूसी अनुवाद भेंट करना भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंधों को भी रेखांकित करता है।

नेपाल में भोटेकोशी बाढ़ की तबाही का दर्द, 16 दिन से लापता इंजीनियर के परिवार का कुश के शव बनाकर किया अंतिम संस्कार

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में भोटेकोशी बाढ़ की तबाही ने एक परिवार को ऐसा गहरा जख्म दिया है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। 16 दिनों तक तलाश के बाद भी जब इंजीनियर दंपति और उनके चार साल के जुड़वां बच्चों का कोई पता नहीं चला, तो परिवार ने चारों को मृत मानकर हिंदू परंपरा के अनुसार कुश के शव बनाकर अंतिम संस्कार कर दिया।

त्रिशूली–3 'बी' जलविद्युत परियोजना में इंजीनियर के रूप में कार्यरत बागलुंग नगरपालिका निवासी 33 वर्षीय राजेश शर्मा पौडेल और उनकी 31 वर्षीय पत्नी प्रमिला पाठक बाढ़ के बाद से लापता थे। उनके साथ उनके चार वर्षीय जुड़वां बच्चे बेटा आदित्य और बेटी अदिति भी लापता हैं। परिवार ने गुरुवार यानी को चारों के कुश के शव बनाकर अंतिम संस्कार किया। राजेश अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। 16 दिनों तक अपने बेटे, बहू और दोनों पोते-पोती के लौटने की उम्मीद लगाए बैठे परिवार को आखिरकार भारी मन से यह कदम उठाना पड़ा। राजेश और प्रमिला दोनों सिविल इंजीनियर थे और त्रिशूली–3 'बी' हाइड्रोपावर परियोजना में काम कर रहे थे। दोनों ने काठमांडू इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई पूरी की थी और वर्ष 2020 में शादी की थी। शादी के करीब दो साल बाद अक्टूबर 2022 में उनके घर जुड़वां बच्चों आदित्य और अदिति का जन्म हुआ था। बाढ़ के बाद पूरा परिवार लापता हो गया, लेकिन 16 दिन की लगातार तलाश के बावजूद चारों का कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार परिवार ने उम्मीदों के टूटने के बाद हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उनका अंतिम संस्कार कर दिया। जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार बागलुङ जिले से अभी भी 16 लोग लापता हैं। इनमें तमानखोला गाउँपालिका के 9, ढोरपाटन नगरपालिका के 2, गलकोट नगरपालिका का 1 और त्रिशूली–3 'बी' परियोजना में कार्यरत बागलुङ नगरपालिका के 4 लोग शामिल हैं।

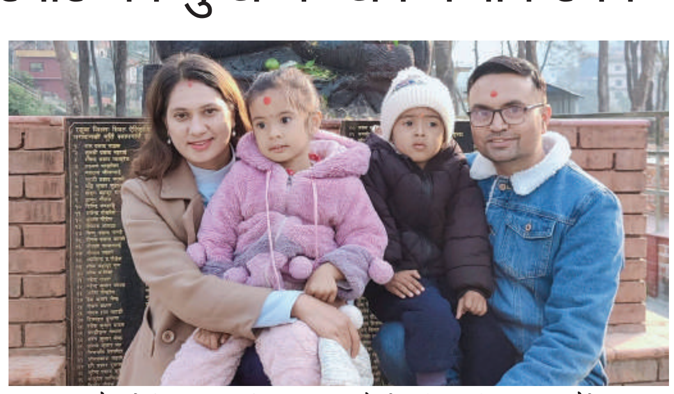

महाराष्ट्र में 12 घंटों में तीन सड़क हादसों में 21 लोगों की मौत

एजेंसी, मुंबई । महाराष्ट्र के अहिल्यानगर, भंडारा और नांदेड़ जिले में पिछले १२ घंटों में तीन सड़क हादसों में 21 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। इनमें महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार पहली घटना अहिल्यानगर जिले के भलवानी शिवरा इलाके में हुई। यहां अहिल्यानगर-कल्याण हाईवे पर होटल संदीप के सामने बीती देर रात करीब 2 बजे आयशर टेम्पो और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कार में सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान शकील शेख, उनकी पत्नी सलमा शेख, इकबाल शेख और सुमैया शेख के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि सभी मुंबई के मालवणी इलाके के रहने वाले थे और रिश्तेदारों से मिलने अहिल्यानगर आ रहे थे। मामले में अल्ताफ शब्बीर शेख (52), निवासी मुकुंदनगर, अहिल्यानगर ने पारनेर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, शकील शेख अपने परिवार के साथ कार से अहिल्यानगर आ रहे थे। भलवानी शिवरा में होटल संदीप के सामने सामने से आ रहे आयशर टेम्पो ने उनकी कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में कार में सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी और घायलों को पारनेर ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया।

Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara

नितेश यादव के दस्ते के खिलाफ बिहार-झारखंड में संयुक्त अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : झारखंड-बिहार में सक्रिय माओवादी नितेश यादव के दस्ते के खिलाफ कार्रवाई के लिए दोनों राज्यों की विशेष सुरक्षा बलों को शामिल कर संयुक्त टास्क फोर्स गठित की गई है। अभियान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, बिहार की विशेष कार्यबल, झारखंड जगुआर, आईआरबी-जैप और जिला बल के जवान शामिल हैं। सुरक्षा बलों को बिहार-झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में तैनात कर सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार नितेश यादव बिहार के गया जिले के तरवाडीह गांव का निवासी है और पिछले करीब डेढ़ दशक से सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बना हुआ है। उस पर झारखंड सरकार ने 15 लाख रुपये और बिहार सरकार ने तीन लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी भी उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक उसका दस्ता पलामू, चतरा, गया और औरंगाबाद के सीमावर्ती जंगलों में सक्रिय है। दस्ते में 10 लाख रुपये के इनामी माओवादी संजय गोदराम उर्फ संजय यादव और ठेगन मियां के शामिल होने की भी जानकारी दी गई है।

सुरक्षा बलों ने अभियान के दौरान ऐसे एक दर्जन से अधिक गांवों को चिन्हित करने का दावा किया है, जहां नितेश यादव के दस्ते को कथित तौर पर पनाह और रसद सहायता मिलने की जानकारी सामने आई है। इनमें पलामू के महूदंड पंचायत क्षेत्र के अलावा गोरीऔटा, अंधारीबाग और केमो प्रतापपुर तथा बिहार के कोठिला कुल्हिया, मनातू, लंगूराही और छकरबंधा से सटे गांव शामिल हैं। पुलिस के अनुसार 25 से अधिक ऐसे लोगों की पहचान की गई है, जिन पर दस्ते को लेवी वसूलने और अन्य तरह की मदद पहुंचाने का आरोप है। सूची में कारोबारी और कुछ सफेदपोश लोगों के नाम भी शामिल होने की बात कही गई है।

पलामू के डीआईजी किशोर कौशल ने बताया कि नितेश यादव और उसके दस्ते के खिलाफ संयुक्त टास्क फोर्स बनाई गई है और बिहार तथा झारखंड दोनों क्षेत्रों में सर्च अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि माओवादियों को मदद पहुंचाने या उनके पैसे का निवेश करने वालों पर भी नजर रखी जा रही है और साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी के अनुसार हाल के दिनों में हुसैनाबाद के कुछ इलाकों में नितेश यादव की गतिविधियों की सूचना मिली है और उसे सुरक्षा बलों ने लक्ष्य पर लिया है।

पुलिस के अनुसार महूदंड और आसपास का इलाका लंबे समय से माओवादी गतिविधियों के लिए संवेदनशील रहा है। सितंबर 2025 में महूदंड से सटे क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में माओवादी एरिया कमांडर तुलसी यादव के मारे जाने की बात सामने आई थी, जबकि नितेश यादव बच निकला था। पुलिस के मुताबिक वर्ष 2012-13 के बाद से इस क्षेत्र में नितेश यादव और सुरक्षा बलों के बीच कई मुठभेड़ हो चुकी हैं। पुलिस का दावा है कि नितेश यादव पर झारखंड और बिहार में कई बड़े नक्सली हमलों में शामिल होने के आरोप हैं। वर्ष 2016 में गया-औरंगाबाद सीमा पर माओवादियों के हमले में कोबरा के 10 जवानों की मौत हुई थी। इसी अवधि में पलामू के कालापहाड़ क्षेत्र में लैंडमाइन विस्फोट में भी सुरक्षा बलों को नुकसान उठाना पड़ा था। पुलिस के अनुसार नितेश यादव के दस्ते पर गया, औरंगाबाद और पलामू क्षेत्र में लेवी वसूलने के आरोप भी रहे हैं। सुरक्षा बल अब उसके दस्ते के नेटवर्क, सहयोगियों और हथियारों की आपूर्ति से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाते हुए कार्रवाई आगे बढ़ा रहे हैं।

पुलिस मुख्यालय के जन सूचना पदाधिकारी बने दीपक कुमार शर्मा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : झारखंड पुलिस मुख्यालय में जन सूचना पदाधिकारी की जिम्मेदारी में बदलाव किया गया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) के तहत पुलिस अधीक्षक (अभियान) दीपक कुमार शर्मा, भापुसे को झारखंड पुलिस मुख्यालय, रांची का जन सूचना पदाधिकारी नामित किया गया है।

आदेश के मुताबिक दीपक कुमार शर्मा को यह जिम्मेदारी तत्काल प्रभाव से सौंपी गई है। महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के आदेशानुसार जारी इस आदेश के बाद पुलिस मुख्यालय से संबंधित सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों के निस्तारण की जिम्मेदारी अब जन सूचना पदाधिकारी के तौर पर दीपक कुमार शर्मा की होगी।

बैंक अफसर बनकर शेयर बाजार में निवेश का झांसा, 9.20 लाख की साइबर ठगी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : कांके थाना क्षेत्र के पतगाई निवासी मंगरा उरांव से बैंक अधिकारी बनकर शेयर बाजार में निवेश कराने के नाम पर 9 लाख 20 हजार 2 रुपये की साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। मंगरा उरांव ने साइबर अपराध थाना, रांची में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(सी) व 66(डी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

शिकायत में मंगरा उरांव ने बताया कि संतोष कुमार मलिक से उसकी पहचान बैंक के माध्यम से हुई थी। आरोप है कि संतोष कुमार मलिक खुद को बैंक अधिकारी बताता था और उसने शेयर बाजार तथा ग्रो म्यूचुअल फंड में निवेश से अधिक कमाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद उसने मंगरा से आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल फोन ले लिया।

मंगरा के अनुसार, 15 मार्च 2026 को संतोष ने उसके मोबाइल में फोन-पे बनाया। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसे फोन-पे चलाना नहीं आता था। इसके बाद आरोपी जब भी उसका मोबाइल लेता, फोन-पे के जरिए शेयर बाजार में निवेश के नाम पर रकम ट्रांसफर करता था। मंगरा का आरोप है कि उसे यह जानकारी नहीं थी कि रकम वास्तव में निवेश खाते में जा रही है या आरोपी के खाते में।

एफआईआर के अनुसार, संतोष कुमार मलिक ने कथित तौर पर मंगरा से कुल 9,20,002 रुपये लिए और रकम अपने खाते में ट्रांसफर करता रहा। इसके अलावा करीब 30 हजार रुपये का मोबाइल भी किस्त पर खरीदा गया, जिसकी राशि मंगरा के बैंक खाते से चुकाई जा रही थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि 27 अप्रैल 2026 के बाद उसने संतोष से लगातार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। 5 जुलाई 2026 को फोन करने पर उसकी बहन ने फोन उठाया और शिकायतकर्ता से डांट-फटकार की। इसके बाद मंगरा को अपने साथ हुई ठगी का पता चला। उसने बैंक से खाता विवरण निकलवाया और साइबर अपराध पोर्टल के हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। प्राथमिकी में शिकायत का एसीके नंबर 33407260008483 दर्ज है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोमिया में ओएनजीसी स्टोर रूम से लाखों के उपकरण चोरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : ओएनजीसी गोमिया क्षेत्र के साइट बीके#11 (खुदगड्डा) स्थित वेल साइट के स्टोर रूम से कीमती उपकरण और केबल चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर ओएनजीसी के कनिष्ठ अभियंता शुभम गुप्ता ने गोमिया थाना में लिखित आवेदन देकर सनहा दर्ज कराया है।

आवेदन के अनुसार, 10 सितंबर 2026 की सुबह करीब 10 बजे टेस्टिंग सुपरवाइजर बीरजू कुमार ने फोन पर शुभम गुप्ता को स्टोर रूम से सामान गायब होने की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद कनिष्ठ अभियंता मौके पर पहुंचे और जांच की, लेकिन चोरी गए सामान का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद 11 सितंबर को गोमिया थाना में लिखित शिकायत दी गई।

शिकायत के अनुसार, स्टोर रूम से करीब 150 मीटर 3.5 फेज 35 वर्ग मिमी कॉपर केबल, एक ग्राइंडर मशीन, एक वेल्डिंग मशीन, दो पुरानी बैटरियां, पुरानी आईईएसपी सेंसर केबल और करीब 350 मीटर 2.5 वर्ग मिमी 3 फेज आईईएसपी केबल चोरी हुई है।

ओएनजीसी प्रबंधन ने पुलिस से मामले की गहन जांच कर चोरी गए सामान का पता लगाने और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

बोकारो में अवैध खनन पर सख्ती, संवेदनशील स्थानों पर चेकनाका लगाने का निर्देश

बोकारो : जिले में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने को लेकर शुक्रवार को जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई। राज्य स्तरीय टास्क फोर्स की वीडियो संवाद के माध्यम से हुई बैठक के बाद उपायुक्त अजय नाथ झा ने पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा और जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार सिंह के साथ जिला स्तर पर कार्रवाई की रणनीति पर चर्चा की।

बैठक में उपायुक्त ने जिले के संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर वहां चेकनाका स्थापित करने और दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया। उन्होंने अवैध खनन से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी और त्वरित कार्रवाई के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स सेल गठित करने को भी कहा। उपायुक्त ने अवैध खनन और परिवहन से संबंधित शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करने तथा प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शिकायतों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट जिला स्तर पर उपलब्ध कराने को भी कहा गया।

उन्होंने जब्ती की कार्रवाई के दौरान जब्त वाहनों का पंजीकरण नंबर स्पष्ट रूप से दर्ज करने का निर्देश दिया, ताकि कार्रवाई में पारदर्शिता बनी रहे और संबंधित अभिलेखों का सही तरीके से संधारण किया जा सके।

बैठक में एनजीटी द्वारा निर्धारित रोक अवधि के दौरान बालू के अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ नियमित निगरानी करते हुए अवैध खनन पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने को कहा।

अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड, एक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : जिले के हंसडीहा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए एक को गिरफ्तार कर जेल भेज दी है। गिरफ्तार आरोपित का नाम अक्षय कुमार है। पुलिस छापेमारी और जब्ती की कार्रवाई रामगढ़ मोड़ स्थित रेलवे ओवरब्रिज के समीप संचालित अवैध मिनी गन फैक्ट्री से की।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने हथियार निर्माण में प्रयुक्त 55 प्रकार मशीनें और अन्य उपकरण बरामद कर फैक्ट्री को सील कर दिया। इसकी जानकारी गुरुवार को प्रेसवार्ता कर थाना प्रभारी अजीत कुमार ने दिया। उन्होंने बताया कि करीब दो माह से अवैध मिनी गन फैक्ट्री चल रहा था। मामले में छापेमारी कर विभिन्न समाग्री जब्त करते हुए पांच नामजद को आरोपित बनाया गया हैं। जिसमे से एक नामजद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया हैं।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व कोलकाता एसटीएफ ने दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में तस्करों ने खुलासा किया कि हंसडीहा में अवैध रूप से पिस्टल और देशी तमंचों का निर्माण किया जा रहा है। इसके बाद कोलकाता एसटीएफ ने झारखंड पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही दुमका पुलिस सक्रिय हुई और संदिग्ध मकान की चारों ओर से घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस जब मकान के अंदर पहुंची तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए।

मकान के भीतर हथियार निर्माण का पूरा सेटअप तैयार था। मौके से लेथ मशीन समेत कई ऐसे उपकरण बरामद किए गए जिनका उपयोग अवैध हथियार बनाने में किया जाता था। मौके पर एसपी पीतांबर सिंह खेरवार देर शाम हंसडीहा पहुंच बरामद मिनी गन फैक्ट्री का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान हंसडीहा सर्किल इंस्पेक्टर प्रियंका आनंद, थाना प्रभारी अजीत यादव, सरैयाहाट थाना प्रभारी अनुज कुमार, रामगढ़ थाना प्रभारी मनीष कुमार, जामा थाना प्रभारी अजीत कुमार तथा कोलकाता एसटीएफ की टीम मौजूद रही।

मामले में एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि पुलिस को हंसडीहा में अवैध हथियार निर्माण की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जहां हथियार बनाने के लिए लगाई गई लेथ मशीन सहित कई उपकरण बरामद हुए हैं। उन्होंने कहा कि कोलकाता एसटीएफ की ओर से पकड़े गए कुछ लोगों से पूछताछ के बाद हंसडीहा में अवैध हथियार फैक्ट्री संचालित होने की जानकारी मिली थी। मामले में आगे की जांच जारी है।

अवैध बालू लदा बिना नंबर का मिनी हाइवा जब्त

धनबाद : जिले में अवैध बालू के कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को बरवाअड्डा पुलिस ने जीटी रोड से अवैध बालू लदे बिना नंबर प्लेट वाले एक मिनी हाइवा को जब्त किया। पुलिस ने वाहन को बरवाअड्डा थाना परिसर में खड़ा करा दिया है। पुलिस टीम जीटी रोड पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मिनी हाइवा को रोककर जांच की गई। वाहन पर बालू लदा था। पुलिस ने चालक से बालू के वैध परमिट, चालान और अन्य संबंधित दस्तावेज मांगे, लेकिन चालक कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। वाहन पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। इसके बाद पुलिस ने मिनी हाइवा को जब्त कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बालू के स्रोत और उसके परिवहन से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जानकारी खनन विभाग को भी दे दी गई है।

नाबालिग आदिवासी युवती के साथ मारपीट, निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने का आरोप, पीड़िता के पिता ने लगाई न्याय की गुहार

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय नाबालिग आदिवासी युवती के साथ मारपीट, जबरन निर्वस्त्र करने और वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता के पिता ने संताल परगना प्रमंडल के पुलिस उप-महानिरीक्षक, दुमका को लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है आवेदक ने आवेदन में बताया है कि 3 जून 2026 को गांव के ही कुछ लोगों द्वारा उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाया गया, उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया गया और विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट की गई। आरोप है कि भीड़ द्वारा लाठी-डंडा और लोहे की रॉड से मारपीट की गई, सार्वजनिक स्थल पर निर्वस्त्र किया गया और कई लोगों द्वारा मोबाइल से वीडियो बनाया गया। आवेदन के अनुसार घटना में शामिल 17 लोगों को वह पहचानता है और शेष को देखने पर पहचान लेगा।आवेदक का आरोप है कि इस संबंध में बोरियो थाना में लिखित आवेदन दिया गया था, लेकिन थाना प्रभारी द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। आवेदन में कहा गया है कि थाना के मुंशी द्वारा बिना किसी अधिकारी के हस्ताक्षर के, केवल थाना की मुहर लगी हुई नोटिस तैयार कर गांव जाकर आरोपियों को दी गई और समझौते के लिए थाने बुलाया गया।आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि थाना स्तर पर ही 30 हजार रुपये लेकर मामला समाप्त करने का दबाव बनाया गया और विधिसम्मत कार्रवाई की मांग करने पर पिता-पुत्री के साथ दुर्व्यवहार कर थाने से भगा दिया गया और लिट्टीपाड़ा थाना भेज दिया गया, जहां भी प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई।

आवेदक ने एक अन्य व्यक्ति पर दलाली करने और थाना जाने से रोकने व केस नहीं करने के लिए दबाव बनाने का भी आरोप लगाया है।पीड़ित पिता ने डीआईजी से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए प्राथमिकी दर्ज करने, दोषी पुलिस कर्मियों एवं दलाल की भूमिका की जांच करने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।।

ऑपरेशन प्रहार के तहत 3.680 किलो गांजा बरामद, महिला समेत दो गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

1299 पुड़ियों में पैक था गांजा, 6,590 रुपये नकद व अन्य कागजात भी बरामद

जमशेदपुर : नशे के खिलाफ जमशेदपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत आजादनगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 3 किलो 680 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई जा रही है।

मामले की जानकारी देते हुए सिटी एसपी ललित मीणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आजादनगर थाना क्षेत्र के वारिस कॉलोनी, बेहड़ा बागान स्थित एक मकान से अवैध रूप से नशीले पदार्थ की बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने उक्त मकान में छापेमारी कर विनीता तिर्की के घर से 3 किलो 680 ग्राम गांजा बरामद किया। गांजा 1299 पुड़ियों में पैक था। पुलिस ने मौके से उसके कथित सहयोगी अब्दुल शकील को भी गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान विभिन्न कागजात के अलावा 6,590 रुपये नकद भी बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान इस अवैध कारोबार में बुंडू निवासी एक व्यक्ति के भी शामिल होने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पिछले करीब छह महीने से नशीले पदार्थ के अवैध कारोबार से जुड़े होने की बात सामने आई है।

पुलिस जब्त गांजा, नकदी और बरामद कागजात के आधार पर मामले की आगे जांच कर रही है। साथ ही इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। आवश्यक पूछताछ पूरी करने के बाद दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कार्बाइन और दो मैगजीन के साथ युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

देवघर : अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान कुंडा थाना पुलिस ने कोरियासा मैदान के पास कार्रवाई करते हुए एक युवक को कथित तौर पर अवैध कार्बाइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से एक कार्बाइन, दो मैगजीन और एक कीपैड मोबाइल फोन बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, कोरियासा मैदान के आसपास अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही एक युवक भागने लगा, जिसे पीछा कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से कार्बाइन, दो मैगजीन और मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान सूरज कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह जसीडीह क्षेत्र के रोहिणी स्थित परमेश्वर चौक का निवासी बताया गया है।

पुलिस के मुताबिक, सूरज कुमार सिंह का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है और वह पूर्व में जेल भी जा चुका है। मामले में कुंडा थाना कांड संख्या 112/2026 दर्ज किया गया है और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस का दावा है कि पूछताछ में सूरज कुमार सिंह ने बिहार के मुंगेर से अवैध हथियार लाकर देवघर में बेचने की जानकारी दी है। इसके आधार पर पुलिस हथियार के स्रोत, संभावित खरीदारों और आरोपी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि मामला किसी बड़े अंतरराज्यीय हथियार तस्करी नेटवर्क से जुड़ा है या नहीं। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

झाड़ियों में मिला नवजात, थाना प्रभारी राजीव कुमार ने खुद निकालकर बचाई जान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गिरिडीह : पचम्बा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को थाना से कुछ दूरी पर एक निजी कार शोरूम के पास घनी और कांटेदार झाड़ियों में नवजात शिशु मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सड़क से करीब पांच फीट नीचे झाड़ियों के बीच फंसे बच्चे को देखकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए, लेकिन दुर्गम और कांटेदार जगह होने के कारण कोई उसे बाहर निकालने का साहस नहीं कर पा रहा था।

सूचना मिलने पर पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार अपने चालक विमलेश और सहायक पुलिस सुनीता के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति का जायजा लेने के बाद राजीव कुमार खुद झाड़ियों में उतर गए। उन्होंने सावधानी से कांटेदार झाड़ियों को हटाते हुए नवजात को बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

थाना प्रभारी की इस तत्परता और मानवीय पहल को देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने उनकी सराहना की। नवजात को झाड़ियों में किस परिस्थिति में छोड़ा गया, इसे लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माथे की लकीर देखकर अनहोनी का डर दिखाया, 10 लाख के जेवर लेकर फरार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : शहर में ठगी का एक मामला सामने आया है, जहां महिला को अनहोनी और बेटे की जान को खतरा होने का डर दिखाकर ठग करीब 10 लाख रुपये के जेवर लेकर फरार हो गए। घटना भागलपुर रोड निवासी ऊषा सिंघानिया के साथ हुई। शुक्रवार दोपहर वह अपनी पोती को होली चाइल्ड स्कूल से लेने पहुंची थीं। इसी दौरान दो बाइक से आए चार युवकों में से दो ने उन्हें बातों में उलझा लिया।

ऊषा सिंघानिया के अनुसार, स्कूल के सामने एक युवक ने उन्हें रोककर माथे की लकीरें देखने की बात कही और दावा किया कि जल्द ही उनके साथ बड़ी अनहोनी होने वाली है तथा उनके बेटे की जान को खतरा है। इसके बाद उसने महिला से पानी मांगा। महिला ने पानी खरीदकर उसे पिलाया। इसी दौरान दूसरा युवक वहां पहुंचा और पहले युवक से अनजान बनकर बातचीत करने लगा। इसके बाद दोनों युवकों ने महिला को भरोसे में लेने के लिए अपने एक साथी की जेब से 2 हजार रुपये निकलवाकर उनके बैग में रखवाए। फिर उसे 'नमो नारायण' का जाप करते हुए 51 कदम चलाया गया। 51 कदम पूरे होने के बाद रुपये वापस कर दिए गए। इस पूरी प्रक्रिया से महिला को आरोपियों की बातों पर विश्वास हो गया।

इसके बाद ठगों ने महिला से दोनों अंगूठियां, भारी चेन और दोनों हाथों की चूड़ियां उतरवा लीं। महिला ने सभी जेवर बैग में रख दिए और बैग ठग के साथी को सौंप दिया। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें भी 51 कदम चलने के लिए कहा। महिला जब 51 कदम चलकर वापस लौटीं तो दोनों युवक जेवर और मोबाइल से भरा बैग लेकर फरार हो चुके थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद महिला ने पुलिस को सूचना दी। नगर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर थाना प्रभारी अशोक राम ने बताया कि घटना स्कूल की छुट्टी के समय हुई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने जिले के अन्य थानों को भी घटना की जानकारी देकर सतर्क किया है।

संक्षिप्त समाचार

हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की...

त्रिलोकीनाथ मंदिर की श्रीकृष्ण प्रतिमा का विसर्जन, जयकारों से गूंजा क्षेत्र

बोकारो : चास के यदुवंश नगर स्थित त्रिलोकीनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में स्थापित भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा का मंदिर कमेटी की ओर से गरगा नदी में पूरे विधि-विधान और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विसर्जन किया गया। विसर्जन शोभायात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कृष्ण भक्त उपस्थित रहे। इस दौरान पूरा क्षेत्र 'जय श्री कृष्णा' और हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के भक्तिमय जयकारों से गुंजायमान रहा।

विसर्जन यात्रा शुरू होने से पूर्व मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी के वरीय सदस्य संजय सोनी ने पुरोहितीय सानिध्य में मुख्य यजमान के रूप में विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई तथा हवन में आहुतियां दीं। इस अवसर पर उन्होंने पूरे नगरवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की ईश्वर से प्रार्थना की। हवन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप और भक्ति गीतों के बीच भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा को रथ पर विराजमान कर भव्य विसर्जन यात्रा निकाली। यात्रा यदुवंश नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गरगा नदी तट पहुंची, जहां पूरे सम्मान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक राजेश कुमार यादव, अध्यक्ष शिबू यादव, मनोज मुंडा, राकेश कुमार यादव, बनवारी भदानी, मंतोष यादव, विवेकानंद चौरसिया, अध्याशंकर, विजय यादव, राजू झारखंडी ठाकुर, अशोक शर्मा सहित मंदिर कमेटी के अन्य सदस्यों और स्थानीय नागरिकों की सराहनीय भूमिका रही।

बीएसएल में डिजाइन एवं इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

साथ सीखने, साझा करने और सहयोग का मंत्र ले सेल की सभी इकाइयों के दिग्गजों का हुआ जुटान

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के टेक्निकल सेल विभाग द्वारा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की विभिन्न इकाइयों के बीच तकनीकी ज्ञान, अनुभव एवं उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को दोदिवसीय एलइओ (लर्निंग फ्रॉम इच-अदर) कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। बोकारो में आयोजित इस विशेष कार्यशाला में भिलाई स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, आईआईएससीओ बर्नपुर तथा बोकारो स्टील प्लांट के डिजाइन व इंजीनियरिंग क्षेत्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ और प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

सामूहिक तकनीकी क्षमता का हो अधिकतम उपयोगः ईडी अनूप- कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यशाला के आयोजन को अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा कि सेल की सभी इकाइयों में उपलब्ध सामूहिक तकनीकी विशेषज्ञता का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। विभिन्न संयंत्रों के विशेषज्ञों के बीच नियमित संवाद और व्यावहारिक अनुभवों के आदान-प्रदान से जटिल इंजीनियरिंग चुनौतियों के नए, प्रभावी और नवोन्मेषी समाधान विकसित करने में बड़ी मदद मिलेगी।

सत्र के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल सेल) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डिजाइन व इंजीनियरिंग में आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा सेल की इकाइयों के बीच ज्ञान-साझाकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण), मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं), मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) एवं मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तकनीकी सत्रों और केस स्टडी से निखरेगी प्लांट की कार्यक्षमता- दो दिनों तक चलने वाले इस मंथन शिविर में प्रतिभागी सेल के अलग-अलग संयंत्रों में अपनाई जा रही डिजाइन तकनीकों, सामने आ रही चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तृत प्रस्तुतियां देंगे। टेक्निकल सेल की यह पहल लर्न, शेयर एंड कोलैबोरेट (सीखें, साझा करें और सहयोग करें) के सिद्धांत को मजबूत करती है। कार्यशाला से निकलने वाले निष्कर्षों और तकनीकी समाधानों का उपयोग संयंत्रों की परिचालन दक्षता बढ़ाने और उत्पादन प्रक्रियाओं को सुगम बनाने में किया जाएगा।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार भाई-बहन को रौंदा, दोनों की हालत गंभीर

बोकारो : जिले के गोमिया थाना क्षेत्र अंतर्गत स्वांग वन-सी स्थित पुराने सीआरपीएफ कैंप के समीप गुरुवार की रात एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार भाई-बहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में दोनों भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में भाई के सिर में गंभीर चोट आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए बोकारो रेफर कर दिया है, जबकि बहन का इलाज स्थानीय निजी अस्पताल में चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, करमटिया निवासी विशाल कुमार अपनी बहन रोशनी कुमारी के साथ गुरुवार की रात स्कूटी पर सवार होकर दवा दुकान से वापस अपने घर लौट रहा था। इसी क्रम में पुराने सीआरपीएफ कैंप के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने उनकी स्कूटी में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों काफी दूर जा गिरे और लहूलुहान हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को आनन-फानन में स्वांग स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया और परिजनों को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही रोते-बिलखते परिजन अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने विशाल कुमार के सिर में आई गंभीर चोट को देखते हुए उसकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर (बोकारो) ले जाने की सलाह दी। वहीं रोशनी कुमारी का इलाज स्वांग के ही अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के बाद गोमिया थाना पुलिस मामले की जानकारी लेकर आगे की छानबीन और ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुट गई है।

बोकारो के सिटी सेंटर में चला बीएसएल प्रबंधन का हथौड़ा, भड़के व्यापारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : इस्पातनगरी बोकारो की हृदयास्थली कहे जाने वाले सिटी सेंटर में शुक्रवार को उस वक्त भारी प्रशासनिक हलचल मच गई, जब बोकारो इस्पात संयंत्र बीएसएल का दल अतिक्रमण हटाने सड़कों पर उतरा। दंडाधिकारी और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कॉमन एरिया व बरामदों से अवैध कब्जे हटाए गए। इस कार्रवाई के बाद से ही स्थानीय व्यवसायियों में बीएसएल प्रबंधन और जिला प्रशासन के प्रति जबरदस्त आक्रोश व्याप्त हो गया है। एक तरफ जहां व्यापारी प्रबंधन पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए आंदोलन की हुंकार भर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बीएसएल प्रबंधन ने स्पष्ट कर दिया है कि आम जनता की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए यह विधि-सम्मत अभियान आगे भी रुकने वाला नहीं है।

बीएसएल की इस कार्रवाई के विरोध में बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और बोकारो

▪ दोहरी नीति का आरोप लगा बोकारो बंद की दी चेतावनी
▪ प्रबंधन बोला- जनहित और सुरक्षा के लिए जारी रहेगा अभियान

व्यवसायिक प्लॉट होल्डर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने मोर्चा खोल दिया है। चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने प्रबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सिटी सेंटर में एक तरफ तो बरामदों में थोड़ा-बहुत सामान रखने वाले छोटे व्यापारियों पर हथौड़ा चलाया जा रहा है, जबकि दूसरी ओर पार्किंग, मुख्य सड़कों और सीवरेज लाइनों पर शटर वाली पक्की दुकानें बनाकर स्थायी कब्जे कर लिए गए हैं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने दोटूक चेतावनी दी कि यदि स्थायी कब्जों पर समान कार्रवाई नहीं हुई और कोई ठोस समाधान न निकला, तो व्यापारी उग्र आंदोलन के साथ बोकारो बंद जैसा कठोर कदम उठाने को बाध्य होंगे।

सीवेज टंकियों पर पक्के कब्जे, पार्किंग खत्म होने से जलजमावः चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने आक्रोश जताते हुए कहा कि सिटी सेंटर की पार्किंग और सीवेज टंकियों के ऊपर तक अवैध दुकानें बना दी गई हैं। जब सीवेज लाइन जाम होती है, तो पूरा गंदा पानी बाजार में भर जाता है। पार्किंग पर कब्जों के कारण ग्राहकों को वाहन खड़ा करने की जगह नहीं मिलती, जिससे कारोबार पूरी तरह चौपट हो रहा है। वहीं, बोकारो व्यवसायिक प्लॉट होल्डर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि आज खीरा से लेकर हीरा तक सब कुछ सड़क पर बिक रहा है। उन्होंने उपायुक्त से मांग की कि सड़क तक आ चुकी शटर वाली अवैध दुकानों और शहर भर के बड़े अवैध कब्जों पर भी समान रूप से त्वरित कार्रवाई की जाए।

इधर, बीएसएल प्रबंधन का रुख साफ- सुरक्षा, जनहित और सिटी सेंटर के कायाकल्प के लिए बेहद जरूरी है अभियानः व्यापारियों के विरोध के बीच बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने अपना पक्ष मजबूती से सामने रखा है। बीएसएल के आधिकारिक सूत्रों द्वारा प्रेस को जारी वक्तव्य के अनुसार, यह विशेष अभियान सिटी सेंटर क्षेत्र में आम लोगों की सुविधा, सुरक्षा एवं व्यापक जनहित को ध्यान में रखकर चलाया गया है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई से पूर्व समाचार पत्रों के माध्यम से दो बार सार्वजनिक सूचना जारी कर प्लॉटधारियों से स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील की गई थी। हाल ही में प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान भी कॉमन एरिया के अतिक्रमण से आवागमन में हो रही भारी असुविधा और सुरक्षा खतरों की बात सामने आई थी। बीएसएल प्रबंधन ने दोहराया कि यह अभियान पूरी तरह से विधि-सम्मत है और सिटी सेंटर के सभी कॉमन एरिया को हर हाल में अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। प्रबंधन ने दुकानदारों को भरोसा दिलाया कि इस अभियान के साथ-साथ सिटी सेंटर के समग्र विकास और कायाकल्प के लिए सड़क मरम्मत, ड्रेनेज सिस्टम में सुधार और पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के बड़े काम भी किए जाएंगे। बीएसएल ने एक बार फिर सभी प्लॉटधारियों व व्यवसायियों से अपील की है कि वे शहर के सुगम आवागमन और बेहतर नागरिक सुविधाओं के निर्माण में प्रशासन का सहयोग करें।

प्रिवेंटिव विजिलेंस अभियान के तहत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता को ले कार्यक्रम आयोजित

अधिशासी निदेशक ने दिलाई सत्यनिष्ठा शपथ, सीएंडआईटी के विशेषज्ञों ने दिए डेटा सुरक्षा के टिप्स

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह- 2026 के तहत चलाए जा रहे तीन माह के प्रिवेंटिव विजिलेंस अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट्स सम्मेलन कक्ष में आयोजित इस सत्र का मुख्य विषय साइबर सुरक्षा एवं साइबर स्वच्छता रहा। सतर्कता विभाग द्वारा कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दैनिक संयंत्र परिचालन में डेटा सुरक्षा को मजबूत बनाना और अधिकारियों को नए जमाने के डिजिटल खतरों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों और प्रतिभागियों को सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ, प्रोजेक्ट्स प्रभाग के मुख्य महाप्रबंधक सहित सतर्कता तथा परियोजना विभाग के कुल 47 अधिकारी उपस्थित रहे।

तकनीकी सत्र के दौरान सीएंडआईटी विभाग के विशेषज्ञों - वरिष्ठ प्रबंधक एवं उप प्रबंधक- ने संयंत्र के वर्तमान साइबर सुरक्षा ढांचे पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने एंटरप्राइज डेटा की सुरक्षा, आवश्यक साइबर स्वच्छता प्रोटोकॉल और दैनिक कार्यालयी कामकाज के दौरान मैलवेयर व साइबर हमलों से बचाव के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी। सत्र का कुशल संचालन उप महाप्रबंधक (सतर्कता) द्वारा निष्पादित किया गया।

जरूरतमंद जनता को अनावश्यक दफ्तरों के चक्कर न कटवाएं अधिकारी : उपायुक्त

हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम में सुनीं 41 जनसमस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का आदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : आम जनता की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के उद्देश्य से समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को हम आपको सुनते हैं... (लोक संवाद) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न सुदूर क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों से सीधे संवाद किया और उनकी व्यक्तिगत व सार्वजनिक शिकायतों को अत्यंत गंभीरतापूर्वक सुना। आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम के दौरान कुल 41 अलग-अलग मामलों पर जन-सुनवाई की गई। उपायुक्त ने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनसे संबंधित आवश्यक जानकारियां हासिल कीं। इसके बाद उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों को त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित विभागों के विभागीय अधिकारियों को अग्रसारित कर दिया। कई मामलों पर संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

उपायुक्त श्री झा ने उपस्थित अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि आमजनों से जुड़े मामलों का निष्पादन पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और प्राथमिकता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि लोग बड़ी उम्मीद के साथ जिला प्रशासन के पास आते हैं, इसलिए अधिकारियों की यह नैतिक व प्रशासनिक जिम्मेदारी है कि शिकायतों का नियमानुसार समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट ताकीद की कि आवेदकों को बेवजह कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, अधिकारी इसका विशेष ध्यान रखें। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, उप निदेशक पीआरडी रवि कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार और जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित जिला प्रशासन के कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एक दिन की बैंक हड़ताल से बोकारो में 200 करोड़ का कारोबार ठप, दिनभर लटके रहे ताले

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को बोकारो जिले में बैंकिंग व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल के कारण जिले भर की तमाम बैंक शाखाओं और प्रशासनिक कार्यालयों में शत्-प्रतिशत तालाबंदी रही। इस हड़ताल के चलते अकेले बोकारो जिले में लगभग 200 करोड़ रुपये का वित्तीय कारोबार प्रभावित हुआ, जिससे सामान्य लेन-देन, चेक क्लीयरेंस और व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह ठप पड़ गईं। मौसम के तल्ख तेवरों और मूसलाधार बारिश के बावजूद बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों का आक्रोश कम नहीं हुआ। चास, बोकारो स्टील सिटी और आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों बैंककर्मी सेक्टर-4 स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा के समीप एकत्रित हुए। वहां से कर्मचारियों ने एक विशाल हुंकार रैली निकाली, जो सिटी सेंटर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए भारतीय स्टेट बैंक (सेक्टर-4) के

▪ मूसलाधार बारिश में भी डटे रहे बैंककर्मी, अब अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

मुख्य द्वार पर एक महासभा में तब्दील हो गई। इस प्रदर्शन में महिला कर्मियों और स्केल-3 तक के अधिकारियों की अभूतपूर्व भागीदारी देखी गई, जो भींगते हुए सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।

बैंककर्मियों के साथ किया गया छलावा बर्दाश्त नहीं : सिद्धेशः एसबीआई प्रांगण में आयोजित सभा में यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास व विभिन्न यूनियनों के नेताओं ने केंद्र सरकार के वित्तीय सेवा निदेशालय पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। वक्ताओं ने कहा कि इंडियन बैंक एसोसिएशन के साथ हुए समझौते को दरकिनार कर कर्मचारियों के साथ छल किया गया है। जहां 93 प्रतिशत कर्मचारियों व स्केल-3 तक के अधिकारियों को मात्र 15 दिन की परफॉर्मेंस लिंक्ड इन्सेंटिव दी जा रही है, वहीं स्केल-4 से ऊपर के अधिकारियों को 365 दिन का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। 8 और 9 सितंबर को केंद्रीय श्रमायुक्त के समक्ष हुई वार्ता में भी इस भेदभाव पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया।

पांच दिन का बैंकिंग कार्य दिवस लागू करने की मांगः नेताओं में राघव कुमार सिंह, सिद्धेश नारायण दास, राजीव कुमार सिंह आदि ने कहा कि वर्ष 2024 में ही 5 दिवसीय कार्यदिवस(पर समझौता हो चुका है, जिसके लिए बैंककर्मी प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त काम देने को तैयार हैं। आरबीआई और अन्य वित्तीय संस्थानों की तर्ज पर इसे तुरंत लागू किया जाना चाहिए। नेताओं ने दोटूक चेतावनी दी कि यदि सरकार ने भेदभावपूर्ण रवैया छोड़कर 5-डे बैंकिंग और नई बहालियों पर सार्थक फैसला नहीं लिया, तो 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी मांगें पूरी न होने पर 26 अक्टूबर 2026 से देशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होगी। इस विरोध प्रदर्शन में कृष्ण मुरारी, मिथलेश कुमार, सुधीर कुमार, सुबोध रजक, राजेश ओझा, विभाष झा, पंकज कुमार, प्रदीप झा, राकेश मिश्रा, अवधेश प्रसाद, नीरज तिवारी, राजेश श्रीवास्तव, अरूण कुमार, उर्मिला कुमारी सहित सैकड़ों की संख्या में बैंक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कूलिंग पौंड से कॉलेज के छात्र का शव बरामद, परिजनों में कोहराम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शहर के सेक्टर-4 थाना क्षेत्र अंतर्गत बीजीएच (बोकारो जनरल अस्पताल) के सामने स्थित कूलिंग पौंड से शुक्रवार सुबह एक 20 वर्षीय युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सेक्टर-9 (स्ट्रीट-11, आवास संख्या 134) निवासी बिशू कुमार के पुत्र रोहन कालिंदी के रूप में की गई है। पुलिस प्रथम दृष्टया इस घटना को आत्महत्या मानकर जांच कर रही है, हालांकि युवक ने यह खौफनाक कदम किस वजह से उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह टाइगर मोबाइल के जवान क्षेत्र में नियमित गश्त पर निकले थे। इसी दौरान स्थानीय नागरिकों ने कूलिंग पौंड के पानी में एक शव को तैरते हुए देखा और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही सेक्टर-4 पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से शव को बाहर निकाला। मृतक के मामा अशोक कालिंदी ने बताया कि रोहन सिटी कॉलेज में स्नातक का छात्र था और पिछले कुछ दिनों से गुमसुम रह रहा था। वह गुरुवार शाम से घर से लापता था और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, तभी कूलिंग पौंड के समीप उसकी टोपी और चप्पल बरामद हुई थीं।

मामले की जानकारी देते हुए सेक्टर-4 थाना के उप-निरीक्षक एमए हक ने बताया कि प्राथमिक जांच के आधार पर मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है। घटना के असली कारणों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और उसे शोकाकुल परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस हर पहलू से मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

चंदनकियारी के छऊ केंद्र में दोदिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा बैठक शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कला और संस्कृति की समृद्ध परंपरा को संजोने के उद्देश्य से चंदनकियारी स्थित छऊ केंद्र में शुक्रवार को दो दिवसीय समीक्षा बैठक का भव्य शुभारंभ हुआ। 11 एवं 12 सितंबर 2026 तक चलने वाले इस दो दिवसीय आयोजन का मुख्य ध्येय छऊ नृत्य एवं छऊ मुखौटा निर्माण प्रशिक्षण केंद्रों के प्रशिक्षुओं के कला-कौशल का सटीक आकलन और समीक्षा करना है। इस राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में कुल 14 अग्रणी प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े दिग्गज गुरुजन एवं होनहार प्रशिक्षु भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के पहले दिन 7 गुरुजनों ने अपने-अपने दल के साथ सहभागिता की, जिनमें ओडिशा के मयूरभंज से 5 तथा सरायकेला से 2 दल शामिल रहे। शुभारंभ अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर पारंपरिक माहौल में किया गया।

इस आयोजन का मूल उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से नई पीढ़ी को छऊ कला की समृद्ध विरासत से जोड़ना, उनका उत्साहवर्धन करना और मुखौटा निर्माण की कला को प्रोत्साहन देना है। कार्यक्रम के दौरान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात छऊ विशेषज्ञ सदाशिव प्रधान, नृपेन सहिस, संगीत नाटक अकादमी के अधिकारी दीपक जोशी, छऊ एडवाइजरी कमेटी के सदस्य सह समन्वयक डॉ. संजय कुमार चौधरी, तपन पटनायक एवं हराधन महतो जैसे मूर्धन्य कलाविदों की उपस्थिति रही। सभी विशेषज्ञों ने प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत जीवंत छऊ नृत्य और हस्तनिर्मित छऊ मुखौटों के प्रदर्शन का सूक्ष्म अवलोकन व मूल्यांकन किया और युवाओं के इस हुनर की खुलकर सराहना की।

अनुशासन और मौलिकता के साथ निरंतर अभ्यास की दी सीख- प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन करते हुए उपस्थित विशेषज्ञों ने कहा कि छऊ कला केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान

» संगीत नाटक अकादमी के दिग्गजों ने परखी छऊ नृत्य व मुखौटा निर्माण की बारीकियां

का गौरवशाली हिस्सा है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को परंपरा, अनुशासन और मौलिकता को बनाए रखते हुए निरंतर अभ्यास व सृजनात्मकता के साथ आगे बढ़ने की सीख दी। डॉ. संजय कुमार चौधरी के कुशल निर्देशन में पहले दिन का सत्र अत्यंत प्रेरणादायी रहा। इस आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने में दिलीप कुमार जेना, विजय कुमार, आशुतोष कुमार सहित क्षेत्र के गणमान्य कला-प्रेमियों व सहयोगियों ने अपनी अग्रणी भूमिका निभाई। समीक्षा बैठक का दूसरा और अंतिम चरण 12 सितंबर को संपन्न होगा।

'आपकी वाणी ही आपके व्यक्तिव की पहचान, बनाए रखें संयम'

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा की ओर से मनाए जा रहे पर्युषण पर्व के चौथे दिन शुक्रवार को वाणी संयम दिवस मनाया गया। इस अवसर पर चास के माणिक चंद छल्लानी आवास पर आयोजित प्रवचन सत्र में पधारीं उपासिका श्रीमती शांति गुजरानी एवं सहयोगिनी सुश्री निहारिका सिंघी ने वाणी की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आपकी वाणी ही आपके व्यक्तित्व की पहचान है। वाणी पर अगर संयम नहीं तो आपका सारा धर्म कर्म बेकार है। अतः हर हाल में हमें अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। कठोर वाणी नहीं बोलनी चाहिए। व्यक्ति को वाणी में मधुरता रखनी चाहिए।

सुश्री निहारिका ने कहा कि हमें अच्छे शब्दों का चुनाव करना चाहिए। व्यक्ति को बोलने का और खाने का दोनों में ही संयम रखना चाहिए। हमारे इस जीभ में अमृत भी है और जहर भी, लेकिन हमें हमेशा वाकपटुता रखनी चाहिए। उपासिका ने आचार्य महाश्रमण के बारे में बताते हुए कहा कि गुरुदेव सबकी सुनते हैं, लेकिन उनकी वाणी पर उनका इतना संयम है कि वह बहुत कम शब्दों में मुस्कुराकर उत्तर देते हैं। इसी प्रकार हम भी अगर वाणी संयम रखें तो हमारे आपसी रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा मधुरता बनी रहेगी। जहां वाणी संयम न हो वहां संबंधों में बिखराव आ जाता है।

▪ चास में पर्युषण पर्व में बह रही आत्मज्ञान की रसधार, चौथे दिन वाणी संयम दिवस मनाया गया

इस अवसर पर सरोज छल्लानी, अरिहंत जैन, विनोद चोपड़ा, मदन चौरड़िया, सुशील बैद, बजरंग लाल चौरड़िया, शांतिलाल लोढा, श्रेयांश चौरड़िया, आदित्य चौरड़िया, सिद्धार्थ चौरड़िया, कनक जैन, अलका चौरड़िया, सुमन, विनीता बैद, सुनीता कोठारी सहित तेरापंथ समाज के दर्जनों लोग उपस्थित थे। नौदिवसीय पर्युषण पर्व के क्रम में अब शनिवार को अणुव्रत चेतना दिवस मनाया जाएगा। इस आशय की जानकारी जैन समाज की ओर से तेरापंथ समाज के मीडिया प्रभारी सुरेश बोथरा ने दी।

Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, शनिवार, 12 सितंबर, 2026

जुगसलाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्था पर गंभीर सवाल

- एंबुलेंस, दवा और एक्स-रे सुविधा को लेकर मरीजों ने जताई नाराजगी, मुख्य द्वार की जर्जर लोहे की जाली भी बनी परेशानी का कारण

राष्ट्रीय मुख्यधारा बृजराज सिंह की रिपोर्ट।

जमशेदपुर। जुगसलाई स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर मरीजों और उनके परिजनों की शिकायतों के बाद कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मरीजों की ओर से एंबुलेंस, जरूरी दवाओं और जांच सुविधाओं को लेकर परेशानी की शिकायत सामने आई है। वहीं, अस्पताल की एक्स-रे मशीन करीब 20 दिनों से खराब होने का दावा किया गया है। पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जमशेदपुर के सत्येंद्र सिंह ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जरूरतमंद मरीजों को समय पर एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिल पा रही है। उनका दावा है कि

प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं सहित गंभीर मरीजों को कई बार ऑटो या निजी साधनों से अस्पताल आने-जाने की मजबूरी होती है।

दवाओं की उपलब्धता पर भी सवाल- मरीजों और उनके परिजनों की ओर से यह शिकायत की गई है कि अस्पताल में कई जरूरी दवाएं उपलब्ध नहीं होने पर उन्हें बाहर से दवा खरीदने की सलाह दी जाती है। यदि शिकायत सही है, तो इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों

पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वास्थ्य विभाग की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

करीब 20 दिनों से एक्स-रे मशीन खराब होने का दावा- अस्पताल की महिला कर्मचारी स्वीटी कुमारी ने दावा किया कि अस्पताल की एक्स-रे मशीन करीब 20 दिनों से खराब है। उनके अनुसार, मशीन की खराबी को लेकर अस्पताल प्रबंधन को लिखित

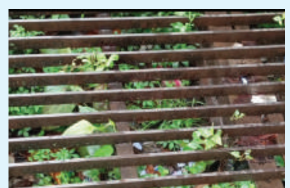

रूप से जानकारी दी गई है, लेकिन अब तक मरम्मत नहीं कराई गई है। एक्स-रे जैसी जरूरी जांच सुविधा लंबे समय तक प्रभावित रहने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि मशीन की मरम्मत के लिए संबंधित विभाग और अस्पताल प्रबंधन की ओर से अब तक क्या कार्रवाई की गई है। कर्मचारी की ओर से अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर आवाज उठाने पर तबादले जैसी कार्रवाई किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

दो एंबुलेंस उपलब्ध होने के दावे के बावजूद सवाल- अस्पताल से जुड़ी जानकारी के अनुसार वहां करीब दो एंबुलेंस उपलब्ध होने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि एंबुलेंस उपलब्ध हैं तो जरूरत के समय मरीजों को इसकी सुविधा क्यों नहीं मिल पा रही है। क्या सभी एंबुलेंस चालू हालत में हैं? उनका संचालन किस व्यवस्था के तहत किया जा रहा है? कितनी एंबुलेंस नियमित रूप से मरीजों की सेवा में हैं और कितनी खराब हैं? इन सवालों पर स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन से स्पष्ट जानकारी अपेक्षित है।

पंचायत समिति सदस्य ने भी उठाए सवाल- मामले की जानकारी मिलने के बाद बागबेड़ा गांधी नगर के पंचायत समिति सदस्य किशोर कुमार सिंह ने भी अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि उन्होंने पूर्व में भी अस्पताल प्रबंधन से व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की थी, लेकिन उन्हें आश्वासन के बावजूद अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दिया। किशोर कुमार सिंह ने कहा कि वह इस मामले को लेकर सिविल सर्जन, जिला प्रशासन और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मुलाकात कर अस्पताल की समस्याओं से अवगत कराएंगे।

मुख्य द्वार की लोहे की जाली बनी खतरा
अस्पताल के मुख्य द्वार के पास लगी लोहे की जाली भी मरीजों और आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि जाली की स्थिति ऐसी है कि अस्पताल में प्रवेश और बाहर निकलते समय विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। बरसात के दौरान फिसलन के बीच यह समस्या और बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जाली में पैर फंसने से चोट लगने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में सवाल है कि अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस समस्या का समाधान अब तक क्यों नहीं किया गया। मरीजों की सुरक्षा के लिहाज से मुख्य द्वार की जाली को दुरुस्त करना या सुरक्षित तरीके से व्यवस्थित करना जरूरी है।

निष्पक्ष जांच की मांग- अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। मरीजों और स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता, एंबुलेंस संचालन, एक्स-रे मशीन की स्थिति और अन्य मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। सरकारी स्वास्थ्य केंद्र गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए महत्वपूर्ण सहारा होते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सामने आ रही शिकायतों की जांच कर आवश्यक सुधार किया जाना जरूरी है। अब देखना होगा कि जुगसलाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर सामने आई शिकायतों पर अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन क्या कदम उठाता है।

संक्षिप्त समाचार

साहिबगंज कॉलेज में कॉन्फ्रेंस हॉल का उद्घाटन

साहिबगंज। संवाददाता। साहिबगंज महाविद्यालय परिसर में नवनिर्मित कॉन्फ्रेंस हॉल का शुक्रवार को उद्घाटन हुआ। प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह, जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा, रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो अनिल कुमार, कॉलेज खेल पदाधिकारी प्रदीप कुजूर ने फीता काट कर हॉल का उद्घाटन किया। प्राचार्य डॉ रणजीत सिंह ने बताया कि हॉल के बन जाने से कॉलेज प्रशासन व छात्र-छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा। मौके पर कई शिक्षक व छात्र मौजूद थे।

ट्रैफिक पुलिस के द्वारा वाहन जांच अभियान, काटा गया चालान

पेटरवार। रांची बोकारो मुख्य मार्ग में पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत लेपो चेक नाका के समीप ट्रैफिक पुलिस बोकारो के द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। आने जाने वाले वाहनों में हेलमेट, लाइसेंस प्रदूषण इंश्योरेंस सहित अन्य कागजातों की जांच की गई। जांच अभियान के दौरान ट्रैफिक नियम का पालन नहीं करने वाले वाहनों का चालान काटा गया। इस दौरान एस आई सुशील कुमार सिंह ने कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें। हेलमेट सड़क दुर्घटनाओं में आपकी जीवन की रक्षा करता है। मौके पर हवालदार नवीन प्रसाद, कन्हाई चौधरी शामिल थे।

बैंक हड़ताल के समर्थन में रामगढ़ में जोरदार प्रदर्शन एवं रैली

रामगढ़ः यूएफबीयू के आह्वान पर 11 सितंबर 2026 को आयोजित बैंक हड़ताल के समर्थन में रामगढ़ जिले में बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा धरना प्रदर्शन एवं शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों के लगभग 100 बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हुए।

रैली बिजुलिया पुल से शुरू होकर सुभाष चौक होते हुए थाना चौक तक निकाली गई। इस दौरान बैंक कर्मचारियों ने 5-Day Banking लागू करने एवं Fair PLI की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की तथा अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया।रैली के दौरान खुले हुए कुछ निजी बैंक शाखाओं में जाकर कर्मचारियों से हड़ताल के समर्थन में शाखाएं बंद करने का आग्रह किया गया, जिसके बाद संबंधित शाखाओं को भी बंद कराया गया। प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से किया गया।बैंक कर्मचारियों ने कहा कि 5-Day Banking लंबे समय से लंबित जायज मांग है, जबकि कर्मचारियों के योगदान एवं कार्य के अनुरूप Fair PLI की मांग भी उचित है। कर्मचारियों ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों को स्वीकार नहीं करती है, तो वे इसी महीने की 28, 29 और 30 तारीख को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होंगे। कर्मचारियों ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर एकजुटता के साथ संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

रैली में एकलव्य, प्रेम चौधरी, रौशन कुमार, हितेश चौधरी, विपुल परिहार, सुनील नायक, सौरभ रंजन, अमित कुमार, विक्रम मोदी, ललिता कुमारी, अनिल कुमार, प्रियंका सिंह, संदीप कुमार, सुभद्रा, सुषमा कुमारी, राजा रत्नेश, शम्मी आनंद, खुशबू, विशाल, झाबूलाल सहित बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हुए।

मिर्जाचौकी और कहलगांव स्टेशनों पर जलजमाव की भ्रामक खबरों पर रेलवे ने दी सफाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : मालदा मंडल, पूर्व रेलवे ने मिर्जाचौकी और कहलगांव रेलवे स्टेशनों पर जलजमाव से संबंधित सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो और दावों को भ्रामक बताया है। रेलवे के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री सत्यापित तथ्यों पर आधारित नहीं है। पूर्व रेलवे ने बताया कि दोनों स्टेशनों की स्थिति पर रेलवे अधिकारी और कर्मचारी लगातार नजर रख रहे हैं तथा आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। रेलवे ने यात्रियों और आम लोगों से अपील की है

कि वे असत्यापित सूचनाओं पर विश्वास न करें और ऐसी सामग्री को आगे प्रसारित करने से बचें। रेलवे ने कहा कि मिर्जाचौकी और कहलगांव स्टेशनों से संबंधित आधिकारिक और सत्यापित जानकारी

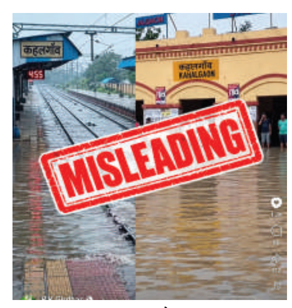

के लिए पूर्व रेलवे और मालदा मंडल के अधिकृत संचार माध्यमों पर ही भरोसा किया जाए। रेलवे ने अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं के प्रसार को रोकने में यात्रियों और आम लोगों से सहयोग की अपील की है।

खेलो झारखण्डः डुमरी में उत्कृष्ट विद्यालय का दबदबा, खो-खो में दोहरी जीत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः जैन उच्च विद्यालय के मैदान में चल रही तीन दिवसीय प्रखंड स्तरीय 'खेलो झारखण्ड' प्रतियोगिता के दूसरे दिन शुक्रवार को बालक एवं बालिका वर्ग के खो-खो, कबड्डी और वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खो-खो प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, डुमरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरा खिताब जीता। बालिका वर्ग में उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी की टीम विजेता और पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की टीम उपविजेता रही। वहीं बालक वर्ग में भी उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी विजेता बना, जबकि उत्क्रमित

उच्च विद्यालय नगरी उपविजेता रहा। वॉलीबॉल में बालक वर्ग का खिताब उत्क्रमित उच्च विद्यालय रोशनाटुंडा ने जीता। बालिका वर्ग में पीएम श्री कस्तूरबा गांधी विद्यालय, डुमरी विजेता और उत्क्रमित उच्च विद्यालय डुमरी की टीम उपविजेता रही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी के कोच एवं खेल शिक्षक बृजदीश कुमार ने विजेता टीमों को बधाई दी। कार्यक्रम में बीपीओ गणेश मुखर्जी, नोडल शिक्षक अनुप कुमार, खेल शिक्षक शिवशंकर यादव, बृजदीश कुमार, बीआरपी सुनीता मंडल, देवेश कुमार देव, बसंती कुमारी, दयानंद कुमार, गणेश महतो, विजय कुमार, नरेश कुमार, रौशन कुमार पांडेय, दशरथ महतो, हीरामन महतो, उमेश कुमार, महेंद्र महतो, लीलमुनी देवी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

कानपुर में टीम इंस्पेक्टर के के पटेल, विपिन की दूरदर्शिता से तीन किशोरियों का अपहरणकर्ता 40 साल बाद गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां तीन किशोरियों का अपहरण करने वाले अपराधी को 40 साल बाद गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया गया। कठोर परिश्रम पूर्ण और पूर्ण निष्ठा के साथ की गई पुलिस यह कार्रवाई बताती है कि अपराध की जांच में केवल वर्दी ही नहीं, बल्कि सूझबूझ, धैर्य और जमीनी स्तर पर सुराग जुटाने की क्षमता भी अहम भूमिका निभाती है।जिसके फल स्वरुप अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, पुलिस अगर सुराग तलाशने में पूरी मेहनत और सूझबूझ के साथ जुट जाए तो कानून की पकड़ से उसका बचना मुश्किल हो जाता है।

चर्चा का विषय बनी इस घटना का संबंध जुही थाना क्षेत्र से है ,जहां 1984 में प्रदीप कुमार नामक युवक के खिलाफ तीन किशोरियों को ले जाने के आरोप में अपहरण और विवाह के लिए विवश करने में मुकदमा हुआ था। लोअर कोर्ट ने प्रदीप को दोषी मानते हुए सजा सुनाई थी। जिसके बाद उसने वर्ष 1987

हाई कोर्ट में की गई अपील से राहत का फायदा उठाकर फरार हो गया था। हाई कोर्ट ने संज्ञान में लेकर पुलिस आयुक्त से सात अगस्त को जवाब दाखिल करने को कहा था। जिसके बाद ही जूही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर केके पटेल की अगुवाई में टीम गठित कर फरार आरोपी प्रदीप की तलाश

शुरू हुई। इसके लिए उसके सारे रिश्तेदारों, जमानत दारों, दोस्त, यारों उसके जन्म स्थान से लेकर उन सभी स्थानों तक भी जहां-जहां वह किराएदार आदि के रूप में रहता रहा। इसके लिए जेल जाकर लगभग 40 साल पुराना रिकॉर्ड भी देखा गया। लेकिन सफलता तब भी नहीं मिली। इस बीच गहन छानबीन से यह जरूर पता चल गया कि अपहरण करके ले जाई गई लगभग 39 साल पहले कमसिन भी रही लड़कियों में और जमानत लेने वालों में किसकी किसकी मौत हो चुकी है।

इसके बाद भी योगी सरकार की मंशा के अनुरूप पीड़ितों की सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली वाली कठोर परिश्रमी, तेज तर्रार और जुझारू मिलिट्री कैंप चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर विपिन कुमार, भूपेश राठी, नितिन दुबे और कांस्टेबल अंकित कुमार की इंस्पेक्टर के के पटेल के नेतृत्व वाली टीम ने हार नहीं मानी और चौकी प्रभारी विपिन कुमार ने बड़े धैय के साथ दूरदर्शिता का परिचय देते हुए अपने कठोर परिश्रम की दिशा चुनाव आयोग मतलब मतदाता पहचान पत्र के माध्यम से भी आरोपी का पता लगाने की तरफ मोड़ दी। इसी दौरान कठोर परिश्रम के साथ लगातार जुटे चौकी प्रभारी विपिन यादव की टीम को किसी तरह से आरोपी प्रदीप का वोटर आईडी हासिल हो गया। बस यही से सफलता मिलने का अंतिम चरण आ गया। मतलब जब चुनाव आयोग की वेबसाइट खंगाली गई तो महत्वपूर्ण सफलता के रूप में आरोपी प्रदीप कुमार का एपिक नंबर मिल गया। और जब एपिक नंबर मिल गया तो फिर परिवार का ब्यौरा खंगाला गया। इसी क्रम बीएलओ से संपर्क किया तो एक रिश्तेदार के बारे में जानकारी मिली और जब उस रिश्तेदार से पूछताछ की गई तो लगभग 2 माह से चल रही खोजबीन का समापन करते हुए कर्तव्य के प्रति निष्ठा की परीक्षा का प्रथम श्रेणी का परिणाम लगभग 40 साल से फरार आरोपी प्रदीप कुमार की गिरफ्तारी के रूप में सामने आ गया।

ससारखो में भाजपा मंडल की मासिक बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः भाजपा ससारखो मंडल की मासिक बैठक शुक्रवार को पार्टी कार्यालय, ससारखो में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश वर्मा ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री मुकेश मंडल ने किया। बैठक में मंडल प्रभारी अरविंद चंद्र राय और प्रवासी विभाकर पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा संगठनात्मक मजबूती पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही 12 सितंबर को होने वाले डीसी-एसपी कार्यालय घेराव कार्यक्रम में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रमोद मंडल, पिंटू राय, राजेश मंडल, संतोष मंडल, जागेश्वर महतो, गणेश यादव, विनोद राय, विद्यापति राय, बालेश्वर विश्वकर्मा, सुनील दास, गौरव सिंह, सुरेश राय, अशोक ठाकुर, बिनोद राय, विनोद ठाकुर, दिलीप ठाकुर, सुनील विश्वकर्मा, मुकेश यादव, सुरेंद्र दास सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पेटरवार में केदारनाथ धाम के स्वरूप में बनेगा भव्य दुर्गा पूजा पंडाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। बोकारो जिले के पेटरवार स्थित मेला टांड़ परिसर में आगामी दुर्गा पूजा के अवसर पर वीणा परिषद ट्रस्ट की ओर से भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराया जाएगा। ट्रस्ट के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष पंडाल को केदारनाथ धाम के स्वरूप में तैयार किया जाएगा। पंडाल को आकर्षक रूप देने के लिए पश्चिम बंगाल के कारीगरों को बुलाया गया है, जो अपनी कला से इसे भव्य स्वरूप प्रदान करेंगे। ट्रस्ट के अधिकारियों के अनुसार, इस बार पंडाल को विशेष रूप से आकर्षक बनाने की तैयारी की जा रही है। दुर्गा पूजा के दौरान पंडाल पेटरवार सहित आसपास के क्षेत्र में आकर्षण का मुख्य केंद्र रहने की उम्मीद है। दुर्गा पूजा के दौरान डांस डांस प्रतियोगिता एवं धूप डांस का भी आयोजन किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी ट्रस्ट के संरक्षक दिनेश कुमार, अध्यक्ष दीपक कुमार तांती, सचिव देवरंजन कुमार, कोषाध्यक्ष विकास जायसवाल, शंकर प्रसाद, भोला प्रसाद ने दी।

कुकड़ू में हाथियों ने रौंदी फसल, राकेश महतो ने आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के कुकड़ू प्रखंड में हाथियों के गांवों में घुसने और फसलों को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। इसे लेकर विस्थापित अधिकार मंच के नेता राकेश रंजन महतो ने वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि गांवों से हाथियों को नहीं भगाया गया तो वन विभाग कार्यालय के समक्ष जन आंदोलन किया जाएगा। कुकड़ू में संवाद यात्रा के दौरान राकेश रंजन महतो ने कहा कि चांडिल डैम से प्रभावित क्षेत्र के लोग लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके अनुसार, शाम होते ही हाथियों के झुंड जंगल से निकलकर गांवों में पहुंच जाते हैं और लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद वन विभाग के रेंजर, फॉरेस्टर,

गार्ड और अधिकारियों की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि जानूम, पलाशडीह, झापागोड़ा, दयापुर, दुलमी, कुमारी और उदाटांड समेत कई गांवों में किसानों की फसल हाथियों ने बर्बाद कर दी है। राकेश रंजन महतो के अनुसार, किसानों ने खेती में अपनी पूंजी लगाई थी, लेकिन फसल नष्ट होने के बाद भी उन्हें मुआवजा नहीं मिल पाया है। राकेश रंजन महतो ने डीएफओ सबा आलम अंसारी से हाथियों के उत्पात पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि विस्थापित गांवों में हाथियों की समस्या का समाधान नहीं हुआ और प्रभावित किसानों को राहत नहीं मिली तो वन विभाग कार्यालय के सामने आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने दलमा क्षेत्र में हाथियों के संरक्षण के नाम पर खर्च और पर्यटन गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि दलमा हाथियों का प्राकृतिक क्षेत्र है, लेकिन वहां कॉटेज, रिसॉर्ट और होटल जैसी गतिविधियां बढ़ने से हाथियों के विचरण क्षेत्र पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में वन विभाग की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित करने की जरूरत है, ताकि ग्रामीणों और हाथियों के बीच टकराव की स्थिति को कम किया जा सके।

Rashtria Mukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

एचईसी निदेशक कार्मिक और मजदूर संघ के बीच बैठक में मजदूरों की समस्याओं पर चर्चा

रांची। भारी इंजीनियरिंग निगम (एचईसी) मुख्यालय में निदेशक (कार्मिक) के घोष और एचईसी मजदूर संघ के महामंत्री रमाशंकर प्रसाद के बीच शुक्रवार को बैठक हुई। बैठक में मजदूर संघ की ओर से पूर्व में प्रबंधन को सौंपी गई विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। मौके पर रमाशंकर प्रसाद ने कहा कि बैठक का उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल करना था। सुनील कुमार ने बताया कि बैठक में सबसे प्रमुख रूप से कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाओं पर चर्चा हुई। संघ की ओर से उठाई गई चिकित्सा संबंधी मांगों के संदर्भ में प्रबंधन ने पारस अस्पताल प्रबंधन के साथ हुई हाल में हुई वार्ता की प्रगति से अवगत कराया। प्रबंधन ने कहा कि एचईसी कर्मियों को बेहतर और निर्बाध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संघ ने कर्मचारियों को प्रत्येक माह समय पर वेतन भुगतान की मांग भी रखी, ताकि कर्मचारी अपने परिवार और बच्चों के साथ त्योहार में खुशियां मना सकें। इसके अलावा एचईसी परिसर स्थित विद्यालयों में कर्मचारियों के बच्चों के लिए 11 वीं और 12 वीं की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था पर गंभीर चर्चा हुई। प्रबंधन ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक में एचईसी मजदूर संघ के पदाधिकारी सिहत अन्य मौजूद थे।

रांची में एनडीए-सीडीएस परीक्षा को लेकर निषेधाज्ञा

रांची। रांची में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (II) और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (II), 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त कराने के लिए परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की गई है। रांची सदर के अनुमंडल दंडाधिकारी कुमार रजत ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। निषेधाज्ञा 13 सितंबर 2026 की सुबह 07 बजे से शाम 09 बजे तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में 05 या उससे अधिक लोगों के एक जगह जमा होने, लाउडस्पीकर या ध्वनि विस्तारक यंत्र के इस्तेमाल, हथियार लेकर चलने, लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला जैसे हरवे हथियार रखने और किसी तरह की बैठक या आमसभा करने पर रोक रहेगी। सरकारी काम में लगे अधिकारी-कर्मचारी और शवयात्रा को इससे छूट दी गई है। जिला प्रशासन के अनुसार, परीक्षा केंद्रों पर पहले से ही दंडाधिकारी, पुलिस अधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके बावजूद असामाजिक तत्वों की ओर से भीड़ जुटाकर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। रांची में परीक्षा के 21 केंद्र हैं, जिनमें सेंट्रल एकेडमी बरियातू, संत अलोइस हाईस्कूल, संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय, उर्सुलाइन इंटर कॉलेज, गोस्सनर हाईस्कूल, फिरायालाल पब्लिक स्कूल, संत पॉल कॉलेज, डोरण्डा कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज, डीएवी पब्लिक स्कूल कांके, निर्मला कॉलेज, जेएमजे हाई स्कूल, अनिता गर्ल्स हाई स्कूल, विवेकानंद विद्या मंदिर धुर्वा सहित अन्य केंद्र शामिल हैं। प्रशासन ने परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की है।

ट्रेलर और कंटेनर की आमने-सामने टक्कर, दो चालक घायल

गोला : रामगढ़-बोकारो मार्ग पर चौपादारू घाटी के समीप शुक्रवार को ट्रेलर और कंटेनर के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। ट्रेलर चालक का पैर टूट गया, जबकि उसके चेहरे पर भी गंभीर चोट आई है। घायल चालक की पहचान 25 वर्षीय रंजीत कुमार सिंह, पिता शत्रुघ्न सिंह, निवासी छपरा के रूप में हुई है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रंजीत कुमार सिंह वाहन के स्टीयरिंग के बीच फंस गए। मौके पर मौजूद लोगों ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला ले जाया गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और राहत-बचाव कार्य में सहयोग किया। जेएलकेएम के वरिष्ठ नेता सहदेव कुमार महतो समेत कई स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक मार्ग पर आवागमन भी प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार चौपादारू घाटी का यह हिस्सा पहले भी सड़क दुर्घटनाओं के कारण संवेदनशील रहा है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता पुलिस की जांच के बाद ही चल सकेगा।

मंत्री दीपिका पांडेय ने पलाश दीदी कैफे का किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शुक्रवार को रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय परिसर में पलाश दीदी कैफ़े का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कैफे सिर्फ झारखंड के पारंपरिक और पौष्टिक व्यंजनों का केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के हुनर, श्रम, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नया मंच देने की महत्वपूर्ण पहल है। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को उनके हुनर के अनुसार प्रशिक्षण देने के बाद ऋण और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अब उनके उत्पादों और सेवाओं को बाजार से जोड़कर स्थायी स्वरोजगार के अवसर तैयार किए जा रहे हैं। पलाश के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की ओर से तैयार स्थानीय और पारंपरिक उत्पादों को व्यापक बाजार, बेहतर पहचान और उचित मूल्य दिलाने का प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि सरकारी आयोजनों और विभिन्न संस्थानों में पलाश से जुड़ी दीदियों के उत्पादों एवं खाद्य सामग्री को प्राथमिकता दिलाने के लिए जेएसएलपीएस लगातार काम कर रहा है। सरकार पूरे राज्य में पलाश दीदी कैफ़े का विस्तार करेगी। अगले छह महीनों में रांची में राज्य के पहले पलाश मार्ट के उद्घाटन का लक्ष्य है। भगवान बिरसा जैविक उद्यान में भी जल्द पलाश दीदी कैफ़े शुरू किया जाएगा। मौके पर जेएसएलपीएस के सीईओ अनन्य मित्तल, आईएएस अधिकारी अंजलि यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जेपीएससी की पूर्व उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता की जमानत पर फैसला सुरक्षित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में कथित अनियमितता के मामले में जेल में बंद आयोग की पूर्व उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता की जमानत याचिका पर शुक्रवार को अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। श्वेता गुप्ता के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और देवर्षि मंडल ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। वहीं, अभियोजन पक्ष ने उनकी जमानत का विरोध किया। गौरतलब है कि, जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितता को लेकर सीआईडी ने कांड संख्या 16/2026 दर्ज किया है। मामले की जांच के दौरान सीआईडी ने बीते 22 जुलाई को जेपीएससी की पूर्व उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ भी की गई। पूछताछ पूरी होने के बाद से वह न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। इस मामले में अब तक 20 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच एजेंसी परीक्षा में कथित गड़बड़ी और उससे जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। जांच के दौरान यह बात भी सामने आई है कि दूसरे विभाग में तबादला होने के बावजूद श्वेता गुप्ता जेपीएससी में ही कार्यरत रहीं।

गुमला की लापता बच्ची मामले में सरकार ने हाई कोर्ट में कहा- मुख्य आरोपित की मनोवैज्ञानिक परीक्षण रिपोर्ट नहीं आई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में वर्ष 2018 से लापता गुमला की छह वर्षीय बच्ची से जुड़े मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई।इस दौरान राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि मामले की मुख्य आरोपित भूखली लकड़ा का रिनपास (कांके) में मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन परीक्षण कराया जा चुका है। हालांकि, इसकी रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। सरकार की ओर से रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा गया। इस पर अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 28 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शशांक शेखर ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। पिछली सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया था कि स्वास्थ्य संबंधी कारणों से मुख्य आरोपित का गुजरात के गांधीनगर में नार्को टेस्ट नहीं हो सका था। इसके बाद वहां आरोपित का सस्पेक्ट डिटेक्शन टेस्ट समेत दो पूरक परीक्षण कराए गए थे। इन परीक्षणों की रिपोर्ट भी अभी लंबित है। अब रिनपास में हुए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन परीक्षण की रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है। अदालत ने सरकार को रिपोर्ट पेश करने के लिए समय दिया है। गुमला की छह वर्षीय बच्ची सितंबर, 2018 से लापता है। बच्ची की बरामदगी की मांग को लेकर उसकी मां चंद्रमुनि उराइन की ओर से झारखंड उच्च न्यायालय में हेवियस कॉर्पस याचिका दायर की गई है। इसी याचिका पर उच्च न्यायालय लगातार सुनवाई कर रहा है।

झारखंड में अब तक 859 मिमी बारिश रिकॉर्ड, सबसे अधिक पश्चिमी सिंहभूम में हुई बरसात

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। राज्य भर में 01 जून से 11 सितंबर तक 890.6 मिलिमीटर के मुकाबले 859.8 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। यह सामान्य से तीन प्रतिशत कम है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शुक्रवार को दी। विभाग के अनुसार राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम में 1298.6 मिमी रिकॉर्ड की गई जो सामान्य से 45 प्रतिशत अधिक है। वहीं राज्य में सबसे कम बारिश पाकुड़ जिले में 520.9 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई जो सामान्य से 48 प्रतिशत कम है। साथ ही साहिबगंज, कोडरमा, गुमला, चतरा, देवघर और गिरिडीह में भी सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश दुमका जिले के गोपीकांदर में 93.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान दुमका में 33.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और रुक-रुक कर हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश होने से वातावरण में ठंड का एहसास हुआ। वहीं, शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री और न्यूनतम 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 32.8 डिग्री और न्यूनतम 25.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.3 और न्यूनतम 25.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.5 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज की लेखा शाखा में कार्य आवंटन पर विवाद

- **वरीयता और कार्य अनुभव की अनदेखी का आरोप, लिपिक जयराम महतो ने अधीक्षक से नियमों के तहत जिम्मेदारी देने की मांग की**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की लेखा शाखा में कार्य आवंटन को लेकर विवाद सामने आया है। अस्पताल के लिपिक जयराम महतो ने अधीक्षक को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों की वरीयता और कार्य अनुभव की अनदेखी करते हुए गैर-लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों से भी वित्तीय कार्य कराए जा रहे हैं। जयराम महतो ने अपने आवेदन में स्वास्थ्य विभाग के 6 मई 2026 के पत्र का हवाला देते हुए वित्तीय कार्यों से जुड़े कर्मचारियों के पदस्थापन एवं कार्य आवंटन में निर्धारित नियमों और संवर्गीय प्रावधानों का पालन करने की मांग की है। आवेदन के अनुसार, जयराम महतो ने 26 जून 1997 को लिपिक पद पर योगदान दिया था। धनबाद के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय से स्थानांतरण के बाद 11 अगस्त 2018 से वे एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कार्यरत हैं। उन्होंने खुद को कार्यालय का द्वितीय वरीय लिपिक बताते हुए अपनी वरीयता और अनुभव के आधार पर विपत्र लिपिक का कार्य सौंपने की मांग की है। जयराम महतो का दावा है कि वर्ष 2021 से वे जन्म-मृत्यु शाखा के काउंटर के अलावा मेडिकल बोर्ड, लावारिस शव, कैदी, मानवाधिकार, सर्वर मरीज, मृत मरीजों के चिकित्सा प्रमाण पत्र समेत कई महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले करीब पांच वर्षों से एमआरडीओ, जन्म-मृत्यु, कैदी, मानवाधिकार, सिलिकोसिस और मरीजों से संबंधित विभिन्न कार्यों का भी प्रभार उनके पास रहा है।

गैर-लिपिक कर्मचारियों से वित्तीय कार्य कराने पर सवाल- जयराम महतो ने आरोप लगाया है कि लेखा शाखा में विपत्र लिपिक समेत कई महत्वपूर्ण वित्तीय कार्य गैर-लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों से भी कराए जा रहे हैं। आवेदन में उन्होंने मनीष कुमार, विष्णु मुखी और सचिन मुखी का उल्लेख करते हुए कहा है कि इन्हें क्रमशः विपत्र लिपिक, वित्तीय कार्यों के कंप्यूटर संचालन तथा कोषागार दूत एवं वित्तीय पंजी संधारण जैसे कार्य सौंपे गए हैं। उन्होंने वर्ष 2020 में जारी लिपिकीय संवर्ग की औपबंधिक वरीयता सूची का भी हवाला दिया है। उनका कहना है कि अंतिम वरीयता सूची अब तक प्रकाशित नहीं की गई है, बावजूद इसके कार्य आवंटन में वरीयता एवं अनुभव का समुचित ध्यान नहीं रखा जा रहा है। पारदर्शी तरीके से कार्य पुनर्वितरण की मांग जयराम महतो ने कहा है कि लेखा शाखा जैसे महत्वपूर्ण विभाग में वित्तीय कार्यों को लंबे समय तक कुछ कर्मचारियों तक सीमित रखने के बजाय कर्मचारियों की योग्यता, वरीयता और अनुभव के आधार पर समय-समय पर कार्यों का पुनर्वितरण किया जाना चाहिए। इससे कार्यों के बेहतर संचालन के साथ-साथ पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने अधीक्षक से पूरे मामले की समीक्षा करते हुए उनकी वरीयता एवं कार्य अनुभव के आधार पर विपत्र लिपिक का कार्य आवंटित करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग पर उचित विचार नहीं किया गया तो वे न्यायालय की शरण लेने के लिए बाध्य होंगे। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन की ओर से फिलहाल कोई स्पष्ट आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रबंधन का पक्ष सामने आने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

सोसायटी ने की जरूरतमंद विद्यार्थियों की आर्थिक मदद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी, रांची ने आर्थिक कठिनाइयों के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इस बात पर शुक्रवार को जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता दी। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष तनवीर अहमद ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त मामलों का मूल्यांकन कर फीस, किताब और उच्च शिक्षा की जरूरतों के लिए सहयोग दिया गया। डोरंडा की अलिशा हुसैन को मैट्रिक में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करने और आगे की पढ़ाई के लिए 10 हजार रुपये, नीट की तैयारी कर रहे अबू ताहा को 10 हजार रुपये और सरला बिरला स्कूल में दाखिले के लिए मोहम्मद अमीन को 08 हजार रुपये की सहायता दी गई। अलीमा फातिमा को फीस के लिए 6,500 रुपये, सना खान एवं अलीजा खान को किताबों के लिए 06 हजार रुपये, अतीफा फातिमा को 4,500 रुपये तथा हबीबा रहमान और सुजा सरफराज को 3-3 हजार रुपये की सहायता दी गई। तनवीर अहमद ने कहा कि आर्थिक मजबूरी के कारण किसी बच्चे की पढ़ाई न रुके, यही संस्था का प्रयास है।

सरायकेला :दलमा रेंजर के रिटायरमेंट के बाद भगवान भरोसे 193.22 वर्ग किमी में फैला दलमा सेंचुरी, वन्यजीव गायब होने से पर्यटकों में नाराजगी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के दलमा वन्यजीव अभयारण्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। दलमा रेंज 192.22 वर्ग किलोमीटर में फैले इस सेंचुरी अब 188.02 स्क्वायर कम गया। ड्यू टू D forestion बदल गया । दलमा पूर्वी और पश्चिमी दोनों रेंज के रेंजर सेवानिवृत्त हो चुके हैं। रेंजरों के रिटायरमेंट के बाद एक्सटेंशन पर दोनों रेंज की जिम्मेदारी चल रही है। वर्तमान में पूरा सेंचुरी डीएफओ के अधीन है, जहां महज 20 वनरक्षी और करीब 55 दैनिक भोगी मजदूरों के भरोसे जंगल की सुरक्षा व्यवस्था टिकी है।

पर्यटकों में नाराजगी, होर्डिंग में ही दिख रहे वन्यजीव- विभिन्न राज्यों से आने वाले पर्यटक और जंगल प्रेमी दलमा भ्रमण के दौरान वन्यजीव नहीं दिखने से नाराजगी जता रहे हैं। उनका कहना है कि सड़कों पर केवल वन्यजीवों की होर्डिंग लगी है, जबकि जंगल में सुरक्षा और संरक्षण के नाम पर कुछ नहीं है। दलमा को गज परियोजना के नाम से जाना जाता है, लेकिन स्थिति यह है कि अधिकांश वन्यजीव पलायन कर चुके हैं। अब रेस्क्यू किए गए कुछ हिरण, सांभर और दो हाथी रजनी और बादल ही देखने को मिलते हैं। टूरिज्म को बढ़ावा देने के नाम पर सफारी गाड़ियों से पर्यटकों को केवल दलमा हिलटॉप और मंदिर घुमाकर वापस लाया जा रहा है, सेंचुरी के अंदर नहीं ले जाया जा रहा।

सुप्रीम कोर्ट कमेटी ने अवैध निर्माण तोड़ने का दिया निर्देश- इधर सुप्रीम कोर्ट की सेंट्रल इम्पावर्ड कमिटी (CEC) ने झारखंड सरकार को सख्त निर्देश दिया है कि दलमा वन्यजीव आश्रयणी के भीतर बने अवैध निर्माण को तोड़ा जाए। साथ ही दलमा इको-सेंसिटिव जोन में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से बिना NOC लिए बनाए गए टूरिज्म कॉटेज को भी ध्वस्त किया जाए और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

सीबीआई जांच की मांग- स्थानीय ग्रामीण सत्यनारायण मुर्मू ने केंद्र सरकार से अपील की है कि दलमा में अब तक हुए फंडिंग और अवैध गतिविधियों की सीबीआई जांच कराई जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि पर्यटन विभाग इको-सेंसिटिव जोन घोषित करने के बाद पर्यटकों को बढ़ावा तो दे रहा है, लेकिन वन्यजीवों के संरक्षण पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के साथ प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ना संस्थान की प्राथमिकता : प्राचार्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साक्षात्कार के दौरान मौजूद प्रशिक्षु व अन्य

- **रोजगार की राह दिखाने के लिए प्रशिक्षणार्थियों का हुआ साक्षात्कार, साक्षात्कार के बाद चयनित प्रशिक्षुओं को प्रदर्शन कक्षा के लिए बुलाया गया**

चितरपुर : सुकरीगढ़ा लारी स्थित डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज में गुणवत्ता सुधार एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ के तहत संचालित मार्गदर्शन, परामर्श एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शुक्रवार को प्रशिक्षणार्थियों के लिए विशेष रोजगार एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ विद्यालयों में शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक कौशल, साक्षात्कार प्रक्रिया और चयन के विभिन्न चरणों से परिचित कराना था। कार्यक्रम में माउंट एवरेस्ट पब्लिक स्कूल चितरपुर के सचिव मो. युसूफ एवं प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार तथा सिद्धार्थ इंटरनेशनल एकेडमी गोला की निदेशक दीपा एवं उप प्रधानाध्यापक आशीष श्रीवास्तव ने प्रशिक्षणार्थियों का साक्षात्कार लिया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षणिक योग्यता, विषयगत ज्ञान, संवाद कौशल, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व एवं शिक्षण क्षमता का आकलन किया गया। साक्षात्कार के बाद चयनित प्रशिक्षणार्थियों को अगले चरण में प्रदर्शन कक्षा के लिए आमंत्रित किया गया। प्रदर्शन कक्षा में उनके प्रदर्शन के आधार पर आगे की चयन प्रक्रिया पूरी की जायेगी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार उपाध्याय ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के साथ प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ना संस्थान की प्राथमिकता है। ऐसे कार्यक्रमों से प्रशिक्षुओं को अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। संगीत शिक्षक नयन कुमार मिश्रा ने भी रोजगार एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समन्वय में रोजगार प्रकोष्ठ के प्रभारी बाबूचंद प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इन प्रशिक्षणार्थियों ने लिया हिस्सा- कार्यक्रम में सोनू शर्मा, प्रिया सिंह, पल्लवी कुमारी, विक्की करमाली, संगीता कुमारी, इंदु भारती, रानी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, आरती कुमारी, साजन कुमारी, शोभा कुमारी, सपना वर्मा, सत्येंद्र महतो, दरक्षा अयुबी, निदा फिरदौस, सौरभ खन्ना, रमेश कुमार महतो एवं उमाशंकर कुमार सहित अन्य प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara

ब्रिक्स में भारत की धमक, अब निर्यात बढ़ाने की अग्निपरीक्षा

भारत के लिए ब्रिक्स की मेज अब सिर्फ कूटनीति की मेज नहीं रह गई है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की परीक्षा की मेज भी है। बारह साल पहले जिस भारत को ब्रिक्स की कमजोर कड़ी कहने वाले लोग मिल जाते थे, आज वही भारत इस समूह की दिशा तय करने की स्थिति में पहुंच रहा है। लेकिन इस बदलाव पर सिर्फ गर्व करना काफी नहीं है। इसके साथ एक बड़ा सवाल भी खड़ा है—क्या भारत ब्रिक्स को अपने आर्थिक हितों के लिए उतनी मजबूती से इस्तेमाल कर पा रहा है, जितनी उसकी क्षमता है?

भारत की स्थिति में बदलाव को समझने के लिए एक आंकड़ा काफी है। वित्त वर्ष 2025-26 में ब्रिक्स देशों को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 49.27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यानी भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने इन बाजारों में अपनी मौजूदगी तेजी से बढ़ाई है। यह अच्छी खबर है। लेकिन इसी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। ब्रिक्स देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 226.1 अरब डॉलर हो गया है। इसका सीधा मतलब है कि भारत जितना बेच रहा है, उससे कहीं ज्यादा खरीद रहा है।

यहीं से असली बहस शुरू होती है। ब्रिक्स का विस्तार भारत के लिए बड़ा अवसर है, लेकिन अगर यह अवसर सिर्फ आयात बढ़ाने तक सीमित रह गया तो इसका फायदा अधूरा रहेगा। भारत को इस मंच का इस्तेमाल अपने उत्पादों और अपनी कंपनियों के लिए नए बाजार खोलने में करना होगा।

ब्रिक्स अब छोटा समूह नहीं है। दुनिया की करीब आधी आबादी और वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा इससे जुड़ा है। भारत के लिए इतने बड़े बाजार को नजरअंदाज करना संभव भी नहीं है और समझदारी भी नहीं। लेकिन बाजार में पहुंच केवल राजनीतिक संबंधों से नहीं बनती। उसके लिए उत्पाद की गुणवत्ता, कीमत, प्रमाणन, भुगतान व्यवस्था, परिवहन और व्यापार के नियम आसान होने जरूरी हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इसका अच्छा उदाहरण है। चीन के साथ भारत के रणनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन आर्थिक संबंधों की जरूरत अपनी जगह है। ब्रिक्स के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में चीन और संयुक्त अरब अमीरात की बड़ी हिस्सेदारी बताती है कि वैश्विक व्यापार में रिश्ते इतने सीधे नहीं होते कि दोस्त और प्रतिद्वंद्वी के आधार पर सब कुछ तय हो जाए। भारत को अपने हित के हिसाब से हर बाजार में अवसर तलाशना होगा।

सबसे बड़ा अवसर छोटे उद्योगों के लिए है। बड़ी कंपनियां विदेशों में कारोबार का रास्ता किसी तरह निकाल लेती हैं, लेकिन एमएसएमई के लिए विदेशी बाजार आज भी आसान नहीं है। वित्त की समस्या, प्रमाणन, भुगतान में देरी, परिवहन की लागत और बाजार की जानकारी जैसी कई बाधाएं सामने आती हैं। यदि ब्रिक्स देशों के बीच छोटे उद्योगों के लिए आसान ऋण, डिजिटल भुगतान, व्यापार दस्तावेज और तेज सीमा शुल्क जैसी व्यवस्थाएं बनती हैं तो इसका सीधा फायदा भारतीय उद्यमियों को मिल सकता है।

भारत की डिजिटल क्षमता भी यहां बड़ा हथियार बन सकती है। डिजिटल भुगतान और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे में भारत ने जो काम किया है, उसे ब्रिक्स के दूसरे देशों के साथ जोड़कर सीमा-पार व्यापार को आसान बनाया जा सकता है। इससे व्यापार की लागत घटेगी और छोटे कारोबारियों के लिए विदेश में कारोबार करना भी कुछ आसान होगा।

लेकिन केवल समझौते और घोषणाएं काफी नहीं होंगी। पिछले पांच वर्षों में ब्रिक्स के साथ भारत का व्यापार दोगुने से अधिक हुआ, लेकिन व्यापार घाटा भी काफी बढ़ गया। इसलिए अब लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाना नहीं, बल्कि संतुलित व्यापार बढ़ाना होना चाहिए। भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, इंजीनियरिंग सामान, डिजिटल सेवाएं, कृषि तकनीक और दूसरे विनिर्मित उत्पादों के लिए ज्यादा बाजार हासिल करना होगा।

ब्रिक्स की राजनीति भी आसान नहीं है। चीन-भारत के बीच अविश्वास है, रूस-यूक्रेन युद्ध का असर है और अलग-अलग देशों के अपने रणनीतिक हित हैं। ऐसे माहौल में भारत की अध्यक्षता की सफलता इसी में होगी कि वह इन मतभेदों के बीच आर्थिक सहयोग के ऐसे मुद्दे आगे बढ़ाए जिन पर अधिकतम सहमति बन सके।

आज भारत को यह याद रखना होगा कि बड़ी वैश्विक भूमिका केवल भाषणों से नहीं मिलती। उसके पीछे मजबूत उद्योग, प्रतिस्पर्धी उत्पाद और दुनिया के बाजारों में बढ़ती हिस्सेदारी चाहिए। ब्रिक्स में भारत की आवाज जरूर मजबूत हुई है, लेकिन अब उस आवाज के साथ आर्थिक ताकत भी दिखनी चाहिए।

इसलिए दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए तालियां बटोरने का मौका नहीं, आत्मपरीक्षण का अवसर है। हमें देखना होगा कि वहां से भारतीय उद्योग को क्या मिला, एमएसएमई के लिए कौन से दरवाजे खुले और व्यापार घाटे को कम करने के लिए क्या ठोस रास्ता बना।

ब्रिक्स की मेज पर भारत की वापसी हो चुकी है। अब अगली चुनौती यह है कि भारत केवल महत्वपूर्ण सदस्य बनकर न रहे, बल्कि ऐसा देश बने जिसके साथ व्यापार करना दूसरे देशों की जरूरत भी हो। यही आर्थिक कूटनीति की असली सफलता होगी।

हमारी आंगनवाड़ी-हमारी जिम्मेदारी है, तो जवाबदेही किसकी?

सुनील कुमार गुप्ता

आज बुधवार 9 सितंबर से देश में नौवां राष्ट्रीय पोषण माह शुरू हो गया है। इस साल यानी 2026 की थीम है "हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी"। थीम बहुत आकर्षक है। इस बार भी पूरे महीने पोषण को लेकर हंसते खिल-खिलाते बच्चों-महिलाओं के पोस्टर लगेंगे। पोषण मेले लगेंगे, आंगनबाड़ी सजेंगी, रैलियां होंगी, पोषण के सहज उपलब्ध स्थानीय खाद्य पदार्थों और प्रोटीन पर चर्चा होगी, लेकिन इसके साथ एक असुविधाजनक सवाल भी पूछा जाना चाहिए, पहला- हमारी आंगनवाड़ी-हमारी जिम्मेदारी है, तो जवाबदेही किसकी है? दूसरा- क्या पोषण का काम केवल 'अभियान' है या रोज का सार्वजनिक काम? आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी है तो उन महिलाओं यानी आंगनवाड़ी या आशा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी किसकी है, जो गांव-गांव जाकर इस पूरी व्यवस्था को चलाती हैं और जिन्हें कई बार महीनों मानदेय नहीं मिलता और मजबूरन काम छोड़ आंदोलन के लिए सड़क पर उतरना पड़ता है? इस साल सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्रों में साप्ताहिक मेन्यू में विविधता, स्थानीय खाद्य पदार्थों, दालों, अनाज, मिलेट, मौसमी सब्जियों आदि पर जोर दिया है। सामुदायिक स्वाद-परीक्षण और भोजन की गुणवत्ता पर निगरानी की भी बात है। यह महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है, लेकिन इसके साथ ही सवाल है—क्या एक महीने की गतिविधियों से पोषण सुधरेगा, या इसके लिए पूरे साल काम करने वाली मजबूत स्थानीय व्यवस्था चाहिए?

मेरी नजर में कुपोषण किसी कैलेंडर का कार्यक्रम नहीं हो सकता। बच्चे को इस पोषण माह में यानी सितंबर में ही प्रोटीन की जरूरत नहीं होती। गर्भवती महिला को केवल पोषण माह में ही आयरन और उचित आहार की जरूरत नहीं होती। छह महीने के बच्चे को केवल अभियान के दौरान ही पूरक आहार की जानकारी नहीं चाहिए। समझने की बात है कि यह हर रोज, हर महीने की ज़रूरत है। इस साल यानी 2026 की थीम तो बहुत ही बढ़िया है, लेकिन यह सवाल तो बनता है कि 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी', लेकिन जवाबदेही किसकी? वास्तव में अगर आप देखें तो इस वर्ष की थीम का सबसे महत्वपूर्ण शब्द शायद "हमारी" है। सरकार चाहती है कि समुदाय आंगनवाड़ी को अपना माने। नए दिशानिर्देशों के तहत आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों को मजबूत करने, मेन्यू बोर्ड प्रदर्शित करने और समुदाय को भोजन एवं सेवाओं की निगरानी से जोड़ने पर जोर दिया गया है।

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

ललित गर्ग

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए। ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा।

इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है।

लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी। ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा।

पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियां नहीं, बल्कि सामग्री निर्माता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी। गूगल और डेलॉइट के 2026 के अध्ययन के अनुसार 2030 तक नई पीढ़ी ऑनलाइन खर्च का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित कर सकती है और सामग्री निर्माता कुल खुदरा खर्च के लगभग 30 प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि विज्ञापन और खरीदारी के बीच की पुरानी दूरी तेजी से मिटेगी। विश्वास, अनुभव और सामाजिक प्रभाव वस्तु की कीमत जितने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

इसलिए 2030 का ई-बाजार आज के ई-बाजार से बिल्कुल अलग होगा। वह केवल इंटरनेट पर बनी दुकान नहीं होगा, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थानीय भाषाओं, डिजिटल भुगतान, त्वरित वितरण, सामाजिक प्रभाव और व्यक्तिगत सुझावों से निर्मित एक विशाल आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र होगा। अनुमान है कि दशक के अंत तक ई-बाजार भारत के कुल खुदरा खर्च का 10 से 12 प्रतिशत और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 2.5 प्रतिशत योगदान कर सकता है तथा 42 से 44 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों तक पहुंच सकता है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बाजार का आकार जितना बड़ा होगा, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी। ई-बाजार की असली परीक्षा यह नहीं है कि वह कितनी तेजी से बढ़ता है, बल्कि यह है कि वह कितने लोगों को साथ लेकर बढ़ता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मनुष्य केवल वही नहीं बनता जो वह सोचता है, बल्कि वही बनता है जो वह बार-बार करता है। -अरस्तू

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। -स्वामी विवेकानंद

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः भाद्रपद मास महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि (सुबह 07:46 बजे तक), उसके बाद द्वितीया तिथि प्रारंभ, नक्षत्रः उत्तराफाल्गुनी (दोपहर 12:54 बजे तक), तत्पश्चात हस्त नक्षत्र योगः शुभ योग (दोपहर 03:08 बजे तक), उसके बाद शुक्ल योग।

आज जन्म लिए बालक का फल...

सूर्य के आधार पर, क्योंकि 23 अगस्त से 22 सितंबर के बीच जन्म लेने वालों की सूर्य राशि कन्या होती है) 12 सितंबर 2026 को चंद्रमा कन्या राशि और हस्त/उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में संचार करेगा बुध और गुरु के प्रभाव के कारण बच्चा पढ़ाई-लिखाई में बहुत तेज, तीक्ष्ण बुद्धि वाला और विश्लेषणात्मक सोच रखने वाला होगा।

मेष राशिः व्यापार में अच्छा धन लाभ कमायेंगे, घर में भौतिक सम्पन्नता बनी रहेगी।

वृष राशिः प्रेम भाव से अपना काम बनाने का है ऐसे में किसी से भी व्यर्थ बात करने से बचें।

मिथुन राशिः आप दूसरों के कल्याण की भावना से किसी काम की शुरुआत करेंगे।

कर्क राशिः जीवन में एक नया दृष्टिकोण लेकर आएंगे और मधुरता बनी रहेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है।

कन्या राशिः आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्तों को मजबूती मिलेगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है।

मकर राशिः अधिकतर कार्य पूरे होंगे और आप नए कार्यों की योजना बनायेंगे।

कुम्भ राशिः आज आप वो पाने में सफल रहेंगे, जिसके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी।

मीन राशिः आज आप व्यापार में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जिनका आपको भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा।

समाज में शुद्धीकरण की राजनीति कब तक?

सौरभ वार्ष्णेय

समाज में बदलाव एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। समय के साथ विचार बदलते हैं, मान्यताएं बदलती हैं और सामाजिक संबंध भी नए रूप लेते हैं। कोई समाज तभी जीवंत माना जाता है, जब वह अपने भीतर सुधार की गुंजाइश रखता हो। लेकिन जब सुधार और बदलाव की प्रक्रिया को शुद्ध और अशुद्ध की कसौटी पर परखा जाने लगे, तब मामला केवल सामाजिक सोच का नहीं रह जाता। तब यह सवाल लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक सद्भाव से जुड़ जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक कार्यक्रम के बाद कथित रूप से शुद्धीकरण किए जाने की घटना इसी गंभीर प्रवृत्ति की ओर संकेत करती है। किसी राजनीतिक नेता की उपस्थिति के बाद किसी स्थान का शुद्धीकरण किया जाना केवल एक धार्मिक या व्यक्तिगत आस्था का विषय मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब ऐसा कदम सार्वजनिक और राजनीतिक संदर्भ में उठाया गया हो। लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन राजनीतिक असहमति को सामाजिक या धार्मिक शुद्ध-अशुद्ध की भाषा में बदल देना निश्चित रूप से चिंता का विषय है। सवाल यह नहीं है कि किसी व्यक्ति को किसी धार्मिक परंपरा में विश्वास करने का अधिकार है या नहीं। उसे पूरा अधिकार है। सवाल यह है कि क्या किसी राजनीतिक विरोधी की मौजूदगी को ही किसी स्थान या समाज को अशुद्ध कर देने वाला मानना लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप है? यदि राजनीति में असहमति का जवाब तर्क के बजाय शुद्धीकरण से दिया जाने लगे तो यह स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा के लिए शुभ संकेत नहीं है।

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में इस प्रकार की मानसिकता विशेष रूप से खतरनाक हो सकती है। भारत की पहचान किसी एक धर्म, भाषा, जाति, संस्कृति या विचारधारा से नहीं बनी है। इसकी शक्ति इसकी विविधता में है। अलग-अलग आस्थाओं, परंपराओं, भाषाओं और जीवन-पद्धतियों के लोग सदियों से एक साथ रहते आए हैं। यही भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता है। इसीलिए शुद्धीकरण जैसे शब्दों का राजनीतिक इस्तेमाल हमें सावधान करता है। जब किसी व्यक्ति, समुदाय या विचारधारा को श्रेष्ठ और दूसरे को निम्न मानने की प्रवृत्ति मजबूत होती है, तब समाज में दूरी बढ़ती है। शुरुआत प्रतीकों और शब्दों से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह सामाजिक व्यवहार में उतर सकती है। एक वर्ग दूसरे वर्ग को संदेह की नजर से देखने लगता है और नागरिकों की साझा पहचान पीछे छूटने लगती है।यहां सामाजिक सुधार और सामाजिक शुद्धीकरण के बीच अंतर समझना जरूरी है। कुरीतियों, भेदभाव और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना सामाजिक सुधार है। शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और समानता को बढ़ावा देना सुधार है। लेकिन किसी व्यक्ति या समुदाय को उसकी पहचान के आधार पर शुद्ध अथवा अशुद्ध मानना सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक विभाजन की शुरुआत हो सकता है।राजनीति में पहचान का इस्तेमाल नया नहीं है। चुनावों के दौरान जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े मुद्दे अक्सर भावनात्मक रूप ले लेते हैं। राजनीतिक दलों के लिए ऐसे मुद्दे तत्काल समर्थन जुटाने का आसान माध्यम हो सकते हैं। मगर सवाल यह है कि चुनावी लाभ के लिए समाज में पैदा की गई दूरी का मूल्य कौन चुकाता है? जवाब है—पूरा समाज।रोजगार की तलाश कर रहा युवा, महंगाई से परेशान परिवार, बेहतर शिक्षा की उम्मीद कर रहे विद्यार्थी, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे नागरिक और अपनी उपज के उचित मूल्य की प्रतीक्षा कर रहा किसान—इन सभी की समस्याओं का धर्म या जाति नहीं होती। बेरोजगारी किसी एक समुदाय की समस्या नहीं है। महंगाई किसी एक वर्ग को ही प्रभावित नहीं करती। खराब स्वास्थ्य व्यवस्था का दर्द हर नागरिक महसूस करता है। फिर राजनीति का केंद्र नागरिकों की वास्तविक समस्याओं के बजाय पहचान की शुद्धता क्यों बनने लगे?

लोकतंत्र की असली कसौटी यही है कि वह असहमति को कितनी जगह देता है। किसी नेता से असहमति हो सकती है, किसी पार्टी की नीतियों का विरोध किया जा सकता है, किसी विचारधारा को गलत माना जा सकता है। लेकिन विरोध का जवाब लोकतांत्रिक भाषा में होना चाहिए। तर्क का जवाब तर्क से और विचार का जवाब विचार से दिया जाना चाहिए। किसी व्यक्ति को सामाजिक या धार्मिक रूप से अशुद्ध ठहराने की कोशिश लोकतांत्रिक बहस को कमजोर करती है। इस प्रवृत्ति का एक और खतरनाक पहलू यह है कि शुद्धीकरण की सीमा तय करना कठिन होता है। आज निशाने पर कोई राजनीतिक नेता है, कल कोई दूसरा समुदाय हो सकता है। आज किसी के धर्म या खान-पान पर सवाल उठाया जा रहा है, कल किसी की भाषा, वेशभूषा या विचारधारा को कसौटी पर कसा जा सकता है। यदि समाज ने ऐसी प्रवृत्तियों को सामान्य मान लिया तो धीरे-धीरे असहिष्णुता सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बन सकती है। राजनीतिक दलों और नेताओं की जिम्मेदारी इसलिए सबसे अधिक है। सत्ता हासिल करना लोकतांत्रिक राजनीति का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य हो सकता है, लेकिन लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखना उससे कहीं बड़ी जिम्मेदारी है। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय नेताओं के शब्द और व्यवहार का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। इसलिए किसी भी दल को ऐसे प्रतीकों और बयानों से बचना चाहिए जो नागरिकों के बीच भय, घृणा या अविश्वास पैदा करें। मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है। पत्रकारिता का दायित्व केवल घटना को सनसनी में बदल देना नहीं है। पत्रकारिता को यह सवाल भी पूछना चाहिए कि ऐसी घटनाओं के पीछे की मानसिकता क्या है? शुद्धीकरण की आवश्यकता किस आधार पर महसूस की गई? क्या राजनीतिक विरोध अब सामाजिक दूरी का कारण बनने लगा है? और क्या इस प्रकार की राजनीति से जनता की वास्तविक समस्याएं पीछे नहीं छूट रही हैं? सोशल मीडिया के दौर में यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। एक उत्तेजक बयान कुछ ही मिनटों में हजारों-लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। अफवाह और तथ्य के बीच अंतर करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वे किसी भी भड़काऊ सामग्री को बिना सत्यापन आगे न बढ़ाएं। लोकतंत्र केवल नेताओं और राजनीतिक दलों से नहीं चलता; नागरिकों का विवेक भी उसकी मजबूत नींव है। भारत की आने वाली पीढ़ी को ऐसा समाज चाहिए जहां किसी बच्चे के अवसर उसके धर्म या जाति से तय न हों। जहां किसी युवा को नौकरी उसके नाम या पहचान के आधार पर न मिले या न मिले। जहां किसी नागरिक की देशभक्ति उसके खान-पान, पहनावे या विचारों से नहीं, बल्कि उसके संवैधानिक कर्तव्यों और नागरिक आचरण से आंकी जाए। राजनीतिक असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। यदि हर विरोधी को दुश्मन और हर असहमति को अपवित्र मान लिया जाएगा तो लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित होकर रह जाएगा। लोकतंत्र का अर्थ केवल बहुमत की सरकार नहीं, बल्कि अल्पमत और असहमति के सम्मान की संस्कृति भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल अपने एजेंडे को फिर से जनता की वास्तविक समस्याओं के केंद्र में लाएं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई, किसानों की आय, महिला सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, पर्यावरण और आर्थिक अवसर जैसे मुद्दे राजनीति की प्राथमिकता बनें। समाज को जोडऩा राजनीति का लक्ष्य होना चाहिए, तोडऩा नहीं। शुद्धीकरण की राजनीति का जवाब किसी दूसरी विभाजनकारी राजनीति से नहीं दिया जा सकता। इसका उत्तर संविधान में है, समानता में है, संवाद में है और सामाजिक सद्भाव में है। भारत की आत्मा विविधता को स्वीकार करने में है, न कि किसी एक पहचान को दूसरे पर थोपने में। सवाल इसलिए केवल इतना नहीं है कि समाज में शुद्धीकरण की राजनीति कब तक चलेगी? बड़ा सवाल यह है कि हम कब यह तय करेंगे कि राजनीतिक विरोध को सामाजिक वैमनस्य में बदलने की अनुमति नहीं दी जा सकती।राजनीति आती-जाती रहेगी, सरकारें बदलती रहेंगी और चुनाव होते रहेंगे। लेकिन समाज चुनावों के बाद भी साथ रहना है। इसलिए आज जो भाषा और प्रतीक राजनीति में इस्तेमाल किए जा रहे हैं, उनके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार करना होगा। लोकतंत्र में किसी को शुद्ध करने की जरूरत नहीं होती। जरूरत है विचारों को परिष्कृत करने की, व्यवस्था को बेहतर बनाने की और समाज में न्याय तथा समानता को मजबूत करने की। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

हनीट्रेप के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही है आइएसआइ

मनोज कुमार अग्रवाल

पड़ोसी दुश्मन देशों की खुफिया एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए भारतीय सुरक्षा बलों और रक्षा संस्थानों के अधिकारियों को हनी ट्रैप में फंसाकर संवेदनशील जानकारियां जुटा रही हैं। सीमा पार से जारी छद्म युद्ध अब केवल गोलियों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह डिजिटल स्पेस और मानव मन के सूक्ष्म पहलुओं तक फैल चुका है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए अब एक नए और अत्यंत खतरनाक हथियार प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों द्वारा संचालित डिजिटल हनी-ट्रैप का इस्तेमाल कर रही है। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय रही हैं। समय के साथ उसके तौर-तरीके भी बदल रहे हैं। पहले जासूसी के लिए धन, लालच, दबाव और धमकी जैसे हथकंडों का इस्तेमाल अधिक होता था लेकिन आईएसआई अब संवेदनशील पदों पर बैठे अधिकारियों की पहचान कर उनकी मानसिक और भावनात्मक कमजोरियों का अध्ययन करने के लिए प्रशिक्षित लोगों की सहायता ले रही है। महिलाओं के नाम से फर्जी सोशल मीडिया खाते बनाकर पहले संपर्क स्थापित किया जाता है और धीरे-धीरे भरोसे का रिश्ता तैयार किया जाता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस नए जाल में सीधे पैसे का लालच देना जरूरी नहीं रह गया है। किसी अधिकारी की निजी परेशानी, अकेलापन, वैवाहिक तनाव, कार्यस्थल की नाराजगी या भावनात्मक असंतोष को हथियार बनाया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर अपनी निराशा, तनाव या निजी समस्याओं को लगातार साझा करता है तो वह अनजाने में अपने बारे में ऐसी सूचनाएं सार्वजनिक कर देता है, जिनका इस्तेमाल उसे प्रभावित करने में किया जा सकता है। कभी किसी एप्लिकेशन को मोबाइल या कंप्यूटर में इंस्टॉल करने को कहा जाता है। संदिग्ध ऐप और सॉफ्टवेयर इस जासूसी तंत्र का दूसरा बड़ा हथियार हैं। भारत में पहले भी रक्षा और संवेदनशील संस्थानों से जुड़े व्यक्तियों के हनी ट्रैप में फंसने के आरोप सामने आते रहे हैं। डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक प्रदीप कुरुलकर से जुड़ा मामला विशेष रूप से चर्चा में रहा था। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर को पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव द्वारा रचे गए ऐसे ही एक डिजिटल हनी ट्रैप जाल में गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हनी ट्रैप और जासूसी का नया तरीकाफर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइलः दुश्मन देश के हैंडलर्स महिलाओं या आकर्षक नामों से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर फर्जी आईडी बनाकर अधिकारियों से दोस्ती करते हैं। बातचीत, चैट और वीडियो कॉल के जरिए पहले विश्वास जीता जाता है, फिर निजी पलों या तस्वीरों के बहाने ब्लैकमेल या प्रलोभन का खेल शुरू होता है।जासूसी के मामलों में कई बार अधिकारियों के फोन में रिमोट एक्सेस मैलवेयर या स्पाईवेयर तक इंस्टॉल करवाने की कोशिश की जाती है ताकि गुप्त डेटा स्वतः ट्रांसफर होता रहे। ऐसे मामलों में पकड़े जाने पर आरोपियों के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गंभीर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। दिल्ली पुलिस ने भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित पाकिस्तानी हनी ट्रैप मामले में गिरफ्तार किया है। वायुसेना से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद अधिकारी के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत सोशल मीडिया के जरिए हुई एक कथित दोस्ती से हुई। एक महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विंग कमांडर से संपर्क किया। बातचीत आगे बढ़ने के साथ दोनों के बीच चैट और वीडियो कॉल के जरिए लगातार संपर्क होने लगा। जांच एजेंसियों का आरोप है कि महिला ने धीरे-धीरे अधिकारी का विश्वास हासिल किया और इसके बाद उससे सैन्य गतिविधियों तथा रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी मांगनी शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस को यह मामला भारतीय वायुसेना की खुफिया शाखा से मिली विशिष्ट जानकारी के आधार पर सामने आया। पुलिस ने विंग कमांडर को 30 मई की रात गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, डिजिटल बातचीत और अन्य संभावित साक्ष्यों की पड़ताल की गई।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफः **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारीः **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

तेजप्रताप के करीबी अविनाश यादव की पिटाई का वीडियो वायरल, 4-5 लोग बेरहमी से पीटते दिखे

हाजीपुर। तेजप्रताप यादव के करीबी वैशाली जिला निवासी अविनाश यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चार-पांच लोग अविनाश यादव को बेरहमी से पीटते दिख रहे हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि मारपीट के दौरान तेजप्रताप यादव के तत्कालीन पीए मोतीलाल नेहरू भी वहां मौजूद थे। इससे पहले अविनाश यादव ने खुद सामने आकर अपने साथ मारपीट का आरोप लगाया था। अविनाश ने तब तेजप्रताप यादव पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि तेजप्रताप के कहने पर ही उनके साथ मारपीट की गई थी। बाद में यह मामला तब और बढ़ गया, जब अविनाश यादव और तेजप्रताप यादव का एक दूसरा वीडियो सोशल मीडिया पर आया। इस वीडियो में दोनों एक-दूसरे के काफी करीब और सहज दिख रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद पूरे मामले पर कई सवाल उठने लगे थे। अब मारपीट का यह नया वायरल वीडियो इस विवाद को फिर से चर्चा में ले आया है। हालांकि, यह वीडियो कब का है, इसमें दिख रहे सभी लोगों की पहचान क्या है और मारपीट की असली वजह क्या थी, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर अविनाश यादव के पहले के आरोप सही थे, तो बाद में तेजप्रताप यादव से उनकी इतनी नजदीकी कैसे हो गई? वहीं, अगर आरोप गलत थे, तो वायरल वीडियो में दिख रही मारपीट की वजह क्या थी? फिलहाल सोशल मीडिया पर वीडियो को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। अब इस पूरे मामले पर तेजप्रताप यादव और अविनाश यादव के आधिकारिक बयान का इंतजार है।

बाढ़ प्रभावित इलाके में एसडीआरएफ की नाव खराब हुई, हवा निकलने से तेजस्वी प्राइवेट नाव पर बैठे

हाजीपुर। तेजस्वी यादव गुरुवार को अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर के तेरसिया के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने हाजीपुर पहुंचे। प्रशासन ने उन्हें महात्मा गांधी सेतु के पाया नंबर-1 से SDRF की नाव से बाढ़ प्रभावित इलाके में भेजा। नाव कुछ दूर नदी में आगे बढ़ी ही थी कि अचानक उसकी हवा निकलने लगी। SDRF के जवान नाव में हवा भरने की कोशिश करते रहे, लेकिन हवा तुरंत निकल जा रही थी। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव को एक निजी नाव पर बैठाया। उन्होंने निजी नाव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों के बीच राहत सामग्री बांटी। मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने बताया कि नाव पुरानी थी और उसकी हवा निकल रही थी। उन्होंने इसे सरकार की व्यवस्था की हवा निकलने का संदेश बताया। उन्होंने कहा कि यह साजिश है या नहीं, इस पर वह कुछ नहीं कहेंगे। तेजस्वी ने सवाल उठाया कि नेता प्रतिपक्ष के लिए सरकार की ओर से दी गई नाव की ऐसी स्थिति कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि जब सरकार की नाव बीच नदी में खराब हो रही है, तो आम जनता की स्थिति क्या होगी। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को खाना और नाव तक नहीं मिल रही है, जिससे वे परेशान हैं।

पटना में ट्रक चालक से 45 हजार की लूट, पुलिस ने 4 घंटे में लूटी रकम बरामद की, 4 आरोपियों को पकड़ा

पटना। पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक ट्रक चालक से मारपीट कर 45 हजार रुपये लूट लिए गए। पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए महज चार घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए 45 हजार रुपये और वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो गाड़ी भी बरामद कर ली है। ट्रक चालक कर्मवीर कुमार (30) ने पुलिस को बताया कि वह अपने सहचालक नीतीश कुमार के साथ दरभंगा से नौबतपुर के रास्ते सिंघोरी जा रहा था। नकटी भवानी के पास स्कॉर्पियो सवार चार लोगों ने उनके ट्रक को रोक लिया। आरोपियों ने कर्मवीर के साथ मारपीट की और उनके पास से 45 हजार रुपये लूटकर स्कॉर्पियो से फरार हो गए। लूट के बाद ट्रक चालक ने जानीपुर थाने को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए एक खास टीम बनाई। पुलिस टीम ने तकनीकी मदद से आरोपियों की पहचान की और लगातार छापेमारी कर चारों को गिरफ्तार कर लिया। फुलवारी शरीफ के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 उमेश्वर चौधरी ने बताया कि पुलिस की तेजी से कार्रवाई के कारण घटना के चार घंटे के भीतर ही चारों आरोपियों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान संतोष कुमार, मोहम्मद तंजीम अशरफ, सुधीर कुमार और दिनेश राय के रूप में हुई है। ये सभी पटना के पिपलावां के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए पूरे 45 हजार रुपये बरामद कर लिए हैं। वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त कर ली गई है।

ईशान किशन ने वैभव सूर्यवंशी को बताया 'फ्यूचर कैप्टन'

पटना। दलीप ट्रॉफी 2026 का खिताब जीतने के बाद ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन और उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी की शानदार बॉन्डिंग का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में ईशान ने 15 वर्षीय वैभव को 'फ्यूचर कैप्टन' बताते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। ईशान ने मजाकिया अंदाज में कहा कि पूरे टूर्नामेंट में DRS का सारा क्रेडिट ये लड़का ले गया। सोशल मीडिया पर रिव्यू का पूरा क्रेडिट वैभव को मिलने लगा। ईशान ने कहा, "जब मैं डीआरएस लेने वाला होता था, वैभव हमेशा सही जगह पर मौजूद रहता था। मैं पहले ही रिव्यू लेने का फैसला कर चुका होता था, लेकिन वह कैमरे के सामने आकर कहता था कि रिव्यू लेना चाहिए। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि वैभव ने रिव्यू लिया है।" इस पर वैभव ने तुरंत चुटकी लेते हुए पूछा, "जब आप मैदान से बाहर गए थे, तब रिव्यू कौन ले रहा था? यह भी बता दीजिए।" वैभव के इस सवाल पर ईशान ने हंसते हुए स्वीकार किया कि जब वह मैदान से बाहर थे, तब रिव्यू लेने का फैसला वास्तव में वैभव ही कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने कहा, "हां, वह वैभव ही था, फ्यूचर कैप्टन।"

चलती ट्रेन में महिला स्वास्थ्यकर्मी की सोने की चेन झपटा

पटना। फुलवारी शरीफ स्टेशन से आगे एफसीआई गोदाम के पास पैसेंजर ट्रेन की रफ्तार धीमी होते ही एक युवक महिला स्वास्थ्यकर्मी के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गया। चेन की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी चेन झपटने के बाद ट्रेन से कूदकर भाग गया। पीड़िता की पहचान मीना देवी के रूप में हुई है। वह सदिसोपुर सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मी हैं। रोजाना पटना से पैसेंजर ट्रेन से सदिसोपुर ड्यूटी के लिए जाती हैं। घटना गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे की है। मीना देवी पटना स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन में सवार होकर सदिसोपुर जा रही थीं। ट्रेन फुलवारी शरीफ स्टेशन पार कर दानापुर की ओर बढ़ रही थी। एफसीआई गोदाम के पास पहुंचते ही ट्रेन की रफ्तार काफी धीमी हो गई। इसी दौरान उनके बगल में खड़े युवक ने अचानक उनके गले से सोने की चेन झपट ली। इसके बाद आरोपी ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। अचानक हुई घटना से मीना देवी घबरा गईं। जब तक वह कुछ समझ पातीं, ट्रेन आगे निकल चुकी थी। इस वजह से आरोपी को मौके पर पकड़ा नहीं जा सका।

मीना देवी ने ड्यूटी में व्यस्त रहने के कारण घटना के अगले दिन दानापुर GRP थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि आरोपी युवक उनके पास ही खड़ा था और ट्रेन धीमी होते ही चेन झपटकर कूद गया। दानापुर GRP थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया, 'शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जा सके।'

सरकारी बैंक कर्मचारी देशव्यापी हड़ताल पर

एजेंसी, पटना

अपनी लंबित मांगों को लेकर देशभर के सरकारी बैंक कर्मचारी आज एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के बैनर तले बैंक कर्मचारियों द्वारा बैंक बंद किया गया है। हड़ताल के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सामान्य बैंकिंग कामकाज प्रभावित रहेगा। कर्मचारियों का कहना है कि 5-डे बैंकिंग लागू करने का फैसला करीब दो साल से लंबित है, इसके बावजूद केंद्र सरकार की ओर से अब तक अंतिम अधिसूचना जारी नहीं की गई है। बैंक यूनियनों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया गया तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा। यूनियनों के मुताबिक, 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल प्रस्तावित है। इसके बाद भी मांगें नहीं मानी गईं तो 26 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन बैंक हड़ताल शुरू की जाएगी।

5-डे बैंकिंग सबसे बड़ी मांग, हर शनिवार-रविवार छुट्टी की मांग: बैंक कर्मचारियों की सबसे प्रमुख मांग सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की है। अभी बैंकों में दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है, जबकि पहले और तीसरे शनिवार को बैंक खुले रहते हैं। यूनियनों का कहना है कि बैंकिंग क्षेत्र में भी सप्ताह में पांच दिन काम और शनिवार-रविवार अवकाश की व्यवस्था लागू होनी चाहिए। कर्मचारियों का तर्क है कि जब केंद्र सरकार के कई विभागों और कॉर्पोरेट क्षेत्र में सप्ताह में पांच दिन काम की व्यवस्था लागू है, तो बैंक कर्मचारियों को भी यह सुविधा मिलनी चाहिए। यूनियनों का कहना है कि इससे कर्मचारियों को बेहतर कार्य-जीवन संतुलन मिलेगा और काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी।

आज कामकाज ठप, 5-डे बैंकिंग समेत मांगों को लेकर बंद रहेंगी शाखाएं, अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

मार्च 2024 में बनी थी सहमति, फिर भी नहीं हुआ फैसला: 5-डे बैंकिंग को लेकर विवाद की मुख्य वजह करीब दो साल से लंबित प्रक्रिया है। मार्च 2024 में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA) और बैंक यूनियनों के बीच 12वें द्विपक्षीय वेतन समझौते पर सहमति बनी थी। इसमें सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने के प्रस्ताव को भी शामिल किया गया था। IBA के स्तर पर सहमति बनने के बाद प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के पास भेजा गया। इसके बावजूद अब तक इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। कर्मचारी इसी देरी को लेकर नाराज हैं।

दो साल से अधिसूचना का इंतजार: यूनियनों का कहना है कि जिस मांग पर दो साल पहले सहमति बन गई थी, उसे लागू करने में लगातार देरी की जा रही है। कर्मचारियों के अनुसार, समझौते के बाद उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही सरकार की ओर से अधिसूचना जारी होगी और सभी शनिवार को बैंक बंद रहने की व्यवस्था शुरू हो जाएगी। लेकिन लंबे समय तक कोई फैसला नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई।

PLI योजना का भी विरोध: बैंक कर्मचारी केवल 5-डे बैंकिंग को लेकर ही आंदोलन नहीं कर रहे हैं। यूनियनों ने परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजना को लेकर भी आपत्ति जताई है। कर्मचारियों का आरोप है कि इस व्यवस्था को उनकी पर्याप्त सहमति के बिना लागू किया जा रहा है। यूनियनों का कहना है कि कर्मचारियों के प्रदर्शन और प्रोत्साहन से जुड़ी व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए और ऐसे फैसलों में कर्मचारी संगठनों से उचित चर्चा की जानी चाहिए।

26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी: बैंक यूनियनों ने आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की घोषणा की है। पहले चरण में 11 सितंबर को एक दिन की देशव्यापी हड़ताल की जा रही है। इसके बाद 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय हड़ताल का कार्यक्रम है। यूनियनों ने यह समय भी महत्वपूर्ण चुना है, क्योंकि सितंबर के अंत में बैंकों की छमाही लेखा-बंदी की प्रक्रिया होती है। अगर इसके बाद भी सरकार की ओर से मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता है तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। यानी इस बार बैंक यूनियनों ने आंदोलन को लंबा खींचने की पूरी तैयारी कर ली है।

राजद ने जारी की एमएलसी चुनाव की कैंडिडेट्स लिस्ट

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन 2026 को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी की ओर से जारी सूची में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 6 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। वहीं, दो सीटों पर अभी विचार किया जा रहा है।

RJD की ओर से जारी सूची के अनुसार, पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजीव कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से दिलीप कुमार चुनाव लड़ेंगे। इसी तरह कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से नितेश कुमार और दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अनिल कुमार झा को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया गया है। पार्टी ने सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रो. जयराम यादव और तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. रश्मि विनायक गौतम को उम्मीदवार बनाया है।

दो सीटों पर अभी फैसला बाकी: RJD की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि शेष दो सीटों पर विचार किया जा रहा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल के हस्ताक्षर से जारी पत्र में सभी घोषित प्रत्याशियों को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार बताया गया है।

बिहार में दारोगा आज सोशल मीडिया एक्स पर चलाएंगे आंदोलन, 7वें वेतनमान की मांग, 5 साल में प्रमोशन

एजेंसी, पटना

बिहार के दारोगा अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर आज सोशल मीडिया X पर आंदोलन करने की तैयारी में हैं। सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर आंदोलन से जुड़े मैसेज शेयर किए जा रहे हैं। दारोगाओं की मुख्य मांग है कि पे ग्रेड-6 को बढ़ाकर सचिवालय सहायक के बराबर पे ग्रेड-7 किया जाए। इसके अलावा 5 साल में प्रमोशन देने और प्रतिनियुक्ति 75 से 100 किलोमीटर के दायरे में करने की मांग शामिल है। दारोगा अपनी मांगों को लेकर सोशल मीडिया X पर अभियान चलाकर अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

एक ही परीक्षा से बहाली, फिर पे लेवल में अंतर क्यों?: आंदोलन से जुड़े लोगों का तर्क है कि एक ही BSSC स्नातक स्तरीय संयुक्त परीक्षा के विज्ञापन संख्या 07070114 के जरिए पुलिस अवर निरीक्षक (दारोगा/SI) और सचिवालय सहायक की बहाली हुई थी। इसके बावजूद दोनों के पे लेवल में अंतर रखा गया है। दारोगाओं के अनुसार, सचिवालय सहायक का पे लेवल 7 किया गया है, जबकि पुलिस अवर निरीक्षक का पे लेवल 6 है। उनका कहना है कि दोनों पदों की बहाली एक ही स्नातक स्तरीय संयुक्त परीक्षा के जरिए हुई, इसलिए वेतनमान में अंतर को दूर किया जाना चाहिए।

4600 की जगह 4200 ग्रेड पे: दारोगाओं का वर्तमान वेतनमान 9300-34800 रुपए और 4200 ग्रेड पे है। वहीं, सचिवालय सहायक को 9300-34800 रुपए और 4600 ग्रेड पे मिलता है। दारोगाओं की प्रमुख मांग है कि उनके पे लेवल को 6 से बढ़ाकर 7 किया जाए और वेतनमान सचिवालय सहायक के बराबर किया जाए।

5 साल में प्रमोशन की भी मांग: वेतनमान के अलावा दारोगाओं की मांगों में 5 साल में प्रमोशन देने की मांग भी शामिल है। उनका कहना है कि समय पर पदोन्नति मिलने से पुलिस विभाग में करियर प्रोग्रेशन और जिम्मेदारियों के अनुरूप पद मिल सकेगा। इसके साथ ही प्रतिनियुक्ति को 75 से 100 किलोमीटर के दायरे में सीमित करने की मांग की जा रही है।

प्रतिनियुक्ति की दूरी भी तय करने की मांग

ड्यूटी का समय तय, लेकिन काम का कोई तय समय नहीं: आंदोलन से जुड़े दारोगाओं का कहना है कि पुलिसकर्मियों के लिए ड्यूटी का समय निर्धारित होने के बावजूद वास्तविक रूप से काम का कोई निश्चित समय नहीं है। जरूरत के अनुसार उन्हें लंबे समय तक ड्यूटी करनी पड़ती है। दारोगाओं का यह भी कहना है कि प्रतिनियुक्ति का दायरा कई बार 100 किलोमीटर से अधिक हो जाता है और इसकी कोई स्पष्ट सीमा निर्धारित नहीं है। इसी वजह से प्रतिनियुक्ति के नियमों को स्पष्ट करने और दूरी की सीमा तय करने की मांग की जा रही है।

इनकम टैक्स की असिस्टेंड कमिश्नर दफ्तर में रिश्वत लेती गिरफ्तार, सीबीआई ने घूस लेते अरेस्ट किया

एजेंसी, पटना

पटना में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की असिस्टेंट कमिश्नर सुनंदा कुमार को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए CBI ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एक NGO को 12A और 80G प्रमाणपत्र जारी करने के बदले 75 हजार रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में हुई है। CBI ने विभाग की एक क्लर्क को भी पकड़ा है, जिसने रिश्वत लेने में अधिकारी की मदद की थी। CBI टीम ने कार्रवाई के दौरान रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली है। गिरफ्तारी के बाद जब CBI टीम सुनंदा कुमार को पूछताछ के लिए ले जा रही थी, तब वह अपना चेहरा छिपाती नजर आईं। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए CBI अपने साथ ले गई है। शुक्रवार यानी आज दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

12A और 80G प्रमाणपत्र के बदले मांगे 75 हजार रुपए: NGO प्रतिनिधि के मुताबिक, CBI की यह कार्रवाई श्रवण ज्योति विवेकानंद संस्थान' नाम के NGO की शिकायत पर हुई है। NGO के प्रतिनिधि ने फरवरी में आयकर विभाग में 12A और 80G प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया था। 9 जून को सुनवाई के दौरान असिस्टेंट कमिश्नर सुनंदा ने पहले CA को भेजने को कहा। हमने CA को नहीं भेजा। इसके बाद 1 सितंबर की तारीख दूसरी सुनवाई की तारीख तय की। 1 सितंबर को तो हम आए तो उन्होंने डायरेक्ट हमसे पैसे की डिमांड की। बोलीं कि 75,000 हमको दे दीजिएगा और 10,000 स्टाफ को। उसके बाद हमने ये इसकी जानकारी CBI ऑफिस में दी।

महिला अधिकारी को ऐसे रंगे हाथ पकड़ा: संस्थान के प्रतिनिधि की शिकायत मिलने के बाद CBI की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) टीम ने आरोपों की जांच की। जांच में शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए एक योजना बनाई गई। पटना ACB की टीम ने DSP रुबी चौधरी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। NGO प्रतिनिधि ने बताया, सुबह फोन में उनका बयान लिया। हमने उनसे टाइम मांगा कि अकाउंट से पैसा निकालकर आ रहे हैं। जो रिकॉर्डिंग बयान है, उसमें उन्होंने पैसा लेना एक्सेप्ट किया।

2 घंटे पहले पैसे निकालकर हम सारी टीम के साथ आयकर गोलंबर स्थित आयकर कार्यालय आए। प्लानिंग के अनुसार हमने मैडम को पैसा दिए और पैसा देते हुए ही उन्हें अरेस्ट कर लिया गया है। 15,000 उन्होंने खुद लिए और 2500 स्टाफ के नाम पर लिए। बाकी पैसा उनको कल देना था। आरोप है कि महिला आयकर अधिकारी ने रिश्वत की रकम खुद नहीं ली। उसने विभागीय क्लर्क के माध्यम से यह रकम ली। जैसे ही पैसों का लेन-देन हुआ, वहां पहले से मौजूद CBI की टीम ने दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। NGO प्रतिनिधि का यह भी आरोप है कि सुनंदा सभी जिलों के NGO से घूस मांगती हैं। 12G सर्टिफिकेट के लिए सिर्फ उसने हमसे ही रिश्वत नहीं मांगी, इनसे बिहार की 38 जिलों के NGO परेशान हैं। इनका काम ही है हर NGO को 12-18G तभी देंगी, जब आप पैसे दीजिएगा। बिना पैसे के ये सर्टिफिकेट नहीं देती हैं। बिना मतलब डॉक्यूमेंट्स मांग रही हैं। जब हम पहले ही रजिस्टर्ड हैं।

गांधी मैदान गेट नंबर 10 के पास लगेगा लोक अदालत

एजेंसी, पटना

पटना में 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें 90 दिनों से अधिक समय से लंबित ई-चालान का निपटारा कराया जा सकेगा। वाहन चालकों को इस मौके पर अपने पुराने चालान का भुगतान करने और मामले को निपटाने की सुविधा मिलेगी। पटना यातायात पुलिस के अनुसार, पात्र मामलों में चालान पर 50 प्रतिशत तक की छूट भी मिल सकती है। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन गांधी मैदान के गेट नंबर-10 पर किया जाएगा। यहां सुबह 9 बजे से प्रक्रिया शुरू होगी। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे लंबित ई-चालान का निपटारा कराने के लिए समय पर पहुंचें।

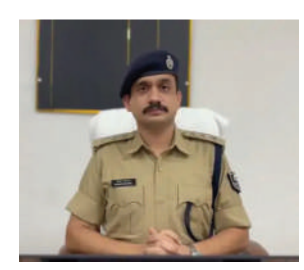

यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की: लोक अदालत में आने वाले वाहन चालकों को कुछ जरूरी दस्तावेज अपने साथ लाने होंगे। इनमें चालान की कॉपी, वाहन के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (RC) की कॉपी और ड्राइविंग लाइसेंस (DL) शामिल हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर चालान से संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने लंबित ई-चालान की जानकारी पहले से जांच लें और लोक अदालत में पहुंचकर इसका निपटारा कराएं। पुराने चालान को लेकर परेशानी से बचने के लिए यह एक उपयोगी अवसर है। अधिकारियों ने लोगों से आवश्यक दस्तावेज लेकर आने की अपील की है।

पटना जू में दिसंबर तक शुरू होंगे दो फूड कियोस्क

एजेंसी, पटना

पटना जू घूमने आने वाले दर्शकों के लिए अच्छी खबर है। इस साल के अंत तक जू परिसर में दो नए फूड कियोस्क शुरू किए जाने की संभावना है। इन कियोस्क पर स्नैक्स और रेडीमेड पैकेज्ड फूड के साथ पका हुआ खाना भी उपलब्ध कराया जाएगा। इससे दर्शकों को जू घूमने के दौरान ब्रेकफास्ट और लंच के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दोनों कियोस्क को अलग-अलग प्रवेश द्वारों के पास स्थापित करने की योजना है। पहला कियोस्क गेट नंबर एक और दूसरा गेट नंबर दो के पास बनाया जाएगा। इससे जू के अंदर घूम रहे दर्शकों को खाने-पीने के लिए झील के पास स्थित रेस्टोरेंट तक जाने की जरूरत नहीं होगी।

कियोस्क में सिर्फ शाकाहारी खाना मिलेगा: जू प्रबंधन के अनुसार, दोनों फूड कियोस्क में केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मांस, मछली, चिकेन और अंडे समेत किसी भी तरह के मांसाहारी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक रहेगी। कियोस्क में खाना तैयार करने के लिए इंडक्शन चूल्हे का ही इस्तेमाल किया जाएगा। कियोस्क के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया अगले महीने तक पूरी होने की संभावना है। इसके बाद चयनित वेंडर को काम आवंटित किया जाएगा। कियोस्क तैयार करने के लिए वेंडर को करीब एक महीने का समय दिया जाएगा। इसके बाद दिसंबर तक दोनों फूड कियोस्क शुरू किए जाने की संभावना है।

17 सितंबर की शाम हर घर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया'

एजेंसी, पटना

बिहार में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर आज मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सभी विभागों के प्रधान सचिव और सचिव मौजूद रहे, जबकि जिलों के डीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। मुख्य सचिव ने अभियान के सभी 13 प्रमुख कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और पिछले वर्षों में किए गए विकास कार्यों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाना है। इसके तहत स्कूलों, पंचायतों, आंगनवाड़ी केंद्रों, नगर निकायों और विधानसभा स्तर पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

17 सितंबर की शाम हर घर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया': अभियान की शुरुआत 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगी। इसके तहत राज्य के हर घर में दीप जलाने की योजना है। इसके अलावा प्रत्येक जिले में कम से कम 10 प्रमुख और प्रतीकात्मक सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक दीप प्रज्वलन कराया जाएगा। लोगों तक दीया पहुंचाने की जिम्मेदारी जीविका, नगर निकायों और जन वितरण प्रणाली के माध्यम से पूरी की जाएगी।

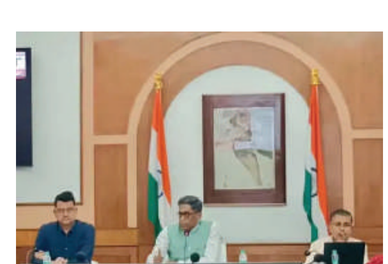

स्कूलों में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता: 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 'सेवा चित्र' कार्यक्रम होगा। इसमें 'विकसित भारत संकल्प' विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। इसी दौरान स्कूलों में अभिभावक-शिक्षक बैठक यानी पीटीएम भी आयोजित की जाएगी।

स्कूलों में चित्रकला-भाषण प्रतियोगिता, पंचायतों में नुक्कड़ नाटक और युवाओं की निकलेगी पदयात्रा

'सेवा स्मरण' कार्यक्रम के तहत पिछले 25 वर्षों में किए गए सेवा कार्यों और सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए 18 से 20 नाट्य टोलियां बनाई जाएंगी। ये टीमें स्कूल, कॉलेज और पंचायतों में नुक्कड़ नाटक करेंगी। 2 अक्टूबर को विशेष मंचन भी कराया जाएगा। इसके जरिए सरकारी योजनाओं और उनके प्रभाव की जानकारी आम लोगों को सरल तरीके से दी जाएगी। 25 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम होगा। प्रत्येक केंद्र पर तीन दिवसीय आयोजन किया जाएगा। इसमें आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा। लाभार्थी माताओं से संवाद होगा और बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियां कराई जाएंगी। साथ ही महिलाओं और परिवारों को पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara

आठ स्टार्टअप बने यूनिकॉर्न, छोटे स्तर से शुरू होकर अरबों डॉलर के मूल्यांकन तक पहुंचीं कंपनियां

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश की पहचान अब केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं है। प्रदेश से निकले आठ स्टार्टअप एक अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन वाले यूनिकॉर्न बन चुके हैं, जबकि एक अन्य कंपनी सूनिकॉर्न की कतार में है। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की सूची में पेटीएम, फिजिक्सवाला, पाइनलैब्स, इंफोएज, मॉजलिक्स, इंडियामार्ट, इनोवेसर और रेटगेन यूनिकॉर्न हैं। रैफे एमफिन सूनिकॉर्न है। इन कंपनियों को यूनिकॉर्न बनने में 10 से 25 साल लगे।

वर्ष 2000 में शुरू हुआ पेटीएम आज बड़े डिजिटल वित्तीय मंचों में शामिल है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसका परिचालन राजस्व 8,437 करोड़ रुपये और सालाना शुद्ध लाभ552 करोड़ रुपये रहा। फिजिक्सवाला ने 2016 में यूट्यूब चैनल से शुरुआत की और 2020 में कंपनी के रूप में स्थापित हुआ। आज यह ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड शिक्षा का प्रमुख मंच है।

पाइनलैब्स की शुरुआत 1998 में हुई थी। यह डिजिटल भुगतान और मर्चेंट कॉमर्स के क्षेत्र में प्रमुख कंपनी है। मार्च 2026 तक इसके करीब 5,357 कर्मचारी थे। वर्ष 1995 में शुरू हुई इंफोएज ने नौकरी डॉट कॉम से सफर शुरू किया और बाद में विवाह, रियल एस्टेट और शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में विस्तार किया। वित्त वर्ष 2025-26 में इसका समेकित शुद्ध राजस्व करीब 3,285 करोड़ रुपये रहा। मॉजलिक्स ने बी2बी ई-कॉमर्स, इंडियामार्ट ने कारोबारियों को ऑनलाइन खरीदारों से जोड़ने और रेटगेन ने यात्रा व होटल उद्योग के लिए सॉफ्टवेयर समाधान विकसित कर पहचान बनाई। रेटगेन में करीब 800-1,000 कर्मचारी हैं और इसका राजस्व करीब 293 करोड़ रुपये रहा। इनोवेसर का मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में है, जबकि नोएडा और बंगलूरू में प्रमुख संचालन है। मार्च 2026 में कंपनी में करीब 2,515 कर्मचारी थे।

प्रदेश में वर्तमान में 24,000 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हैं। वर्ष 2017 से पहले इनकी संख्या केवल 120 थी। यूपी देश का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है और सभी 75 जिलों में कम से कम एक स्टार्टअप सक्रिय है।

एक अरब डालर की कंपनी बनती है यूनिकॉर्न

यूनिकॉर्न वह निजी स्टार्टअप है जिसका मूल्यांकन कम से कम एक अरब डॉलर यानी करीब 8,900 करोड़ रुपये हो। सूनिकॉर्न के जल्द यूनिकॉर्न बनने की संभावना होती है। इन कंपनियों में पेटीएम का राजस्व करीब 7,000 करोड़, फिजिक्सवाला 2,000 करोड़, पाइनलैब्स 1,500 करोड़, इंफोएज 3,900 करोड़, मॉजलिक्स 5,700 करोड़, इंडियामार्ट 1,380 करोड़, इनोवेसर 1,250 करोड़, रेटगेन 1,000 करोड़ और रैफे एमफिन 268 करोड़ रुपये है।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख सचिव आलोक कुमार का कहना है कि प्रदेश में स्टार्टअप नीति के जरिये निवेश और विस्तार के अवसर उपलब्ध कराकर कारोबारी माहौल को बेहतर बनाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य यूपी के स्टार्टअप को राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान दिलाना है, जिसमें एआई, डीप-टेक, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य तकनीक जैसे क्षेत्रों पर विशेष जोर रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

डिग्री के साथ रोजगार का हुनर भी सीखेंगे गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

गोरखपुर, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब डिग्री के साथ नौकरी और स्वरोजगार के लिए जरूरी हुनर भी सीखने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य दो-क्रेडिट स्किल आधारित कोर्स शुरू करने की तैयारी में है। इससे अलग-अलग संकायों के विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के साथ डिजिटल दक्षता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स जैसे रोजगारपरक कौशल सीखने का अवसर मिलेगा।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने अधिकारियों और विभागाध्यक्षों को उद्योगों की मौजूदा जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उनका जोर ऐसे कौशल विकसित करने पर है जिनका इस्तेमाल विद्यार्थी पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी, इंटर्नशिप या अपना काम शुरू करने में कर सकें। नए कोर्स में सिर्फ सैद्धांतिक पढ़ाई के बजाय प्रोजेक्ट और व्यावहारिक प्रशिक्षण कराया जाएगा। विद्यार्थी वास्तविक कार्यस्थल की समस्याओं पर काम कर सकेंगे जिससे उनके आत्मविश्वास और रोजगार क्षमता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद इसे आगामी शैक्षणिक सत्र से लागू करने की तैयारी है।

जहां खेल और खिलाड़ी होते हैं, वहां नफरत की जगह नहीं

गोरखपुर , एजेंसी। जहां खेल और खिलाड़ी होते हैं, वहां नफरत की जगह नहीं होती। खेल मैदान पर टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करती हैं लेकिन खेल लोगों को जोड़ता है। खेल के जरिये मोहब्बत और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। ये बातें जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को धर्मपुर के एक विद्यालय में आयोजित योनेक्स सनराइज द्वितीय राज्य स्तरीय अंडर-19 स्व. प्रकाश नारायण श्रीवास्तव बैडमिंटन प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर कहीं।

प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 250 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। एकल मुकाबलों में बागपत के रोहन नेहवाल ने सोनभद्र के भास्कर शर्मा को 30-1, प्रयागराज के शुभम यादव ने लखनऊ के पारस धानी को 30-29, लखनऊ के प्रशांक भादुरिया ने गोरखपुर के कार्तिक विश्वकर्मा को 30-24, शाहजहांपुर के ओम अरोड़ा ने वाराणसी के विख्यात प्रताप सिंह को 30-12 और लखनऊ के आकाश सिंह ने आजमगढ़ के नीलेश प्रजापति को 30-14 से हराया।

कौशांबी के शौर्य राय ने लखनऊ के अंशीत चौरसिया को 30-14, सोनभद्र के सौरभ तिवारी ने अमेठी के रेवंत सिंह को 30-19, आगरा के सुमित ने अलीगढ़ के सुमित यादव को 30-9, प्रयागराज के प्रखर तिवारी ने लखनऊ के अक्षय पांडे को 30-16 और गोरखपुर के अभिषेक कुशवाहा ने बिजनौर के यश ठाकुर को 30-27 से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया।

अतिथियों का स्वागत एमजी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नीरज कुमार श्रीवास्तव और निदेशक ओपी सिंह ने किया। संचालन खेल शिक्षक विवेकानंद मिश्र ने किया। आभार राजेश श्रीवास्तव ने जताया। इस दौरान जिला बैडमिंटन संघ के सचिव राजित श्रीवास्तव, अंतरराष्ट्रीय रेफरी रवि दीक्षित समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

लिंक भेजकर वृद्ध के खाते से निकाले 31.84 लाख

लखनऊ, एजेंसी। साइबर जालसाजों ने लिंक भेजकर विभूतिखंड निवासी 67 वर्षीय कुमोद चंद्र अग्रवाल के बैंक खाते से 25 बार में 31.84 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने बुधवार को आरोपी के खिलाफ साइबरक्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। कुमोद का कहना है कि सात सितंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे उनके पास अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। फोनकर्ता ने अपना नाम राहुल सिंह बताया और ग्रीन गैस कनेक्शन का बिल बकाया होने की बात कही। भुगतान नहीं करने पर उसने गैस कनेक्शन बंद करने को कहा। उसने भुगतान के लिए व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। उन्होंने लिंक पर क्लिक किया लेकिन कुछ नहीं हुआ। शाम को मोबाइल में खाते से 31.81 लाख रुपये निकलने का मेसेज दिखा। कुमोद ने बताया कि अगले दिन सुबह उन्होंने सबसे पहले अपना खाता फ्रीज कराया और 1930 पर शिकायत की। इसके बाद उन्होंने साइबरक्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इंस्पेक्टर आलोक राय ने बताया कि जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है पुलिस उन बैंकों से संपर्क कर रही है। साथ ही ठग ने जिस नंबर से कुमोद को कॉल किया था उसे भी ट्रेस किया जा रहा है। पीड़ित की रकम होल्ड कराने का प्रयास जारी है।

24 घंटे एआई से मिलेगी प्रवेश से परीक्षा तक की जानकारी

गोरखपुर , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब प्रवेश, शुल्क, परीक्षा, परिणाम और प्रमाणपत्र समेत विश्वविद्यालय की विभिन्न सेवाओं की जानकारी के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। विश्वविद्यालय में 24 घंटे उपलब्ध रहने वाला एआई आधारित स्टूडेंट असिस्टेंट विकसित करने की तैयारी है। इसके जरिये विद्यार्थी को अपने सवालों के त्वरित जवाब मिल सकेंगे।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बृहस्पतिवार को प्रस्तावित एआई मंथन-2.0 की तैयारियों की समीक्षा के दौरान इस कार्ययोजना की जानकारी ली। प्रस्तावित व्यवस्था में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, परीक्षा, छात्रावास, वित्त और अन्य शाखाओं की प्रमाणित व नवीनतम सूचनाओं को एक केंद्रीकृत ज्ञानकोश में जोड़ा जाएगा। इससे विद्यार्थियों को जरूरी जानकारी एक ही मंच पर मिल सकेगी। कुलपति ने कहा कि तकनीक का इस्तेमाल विद्यार्थी सुविधा बढ़ाने और विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए होना चाहिए। एआई आधारित सेवाएं सरल, विश्वसनीय और विद्यार्थी-केंद्रित हों, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में प्रस्तावित अधिष्ठाता, एआई पहल एवं डिजिटल परिवर्तन कार्यालय पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने अधिकारियों को तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करने और एआई के उपयोग को विद्यार्थी हित और प्रशासनिक दक्षता से जोड़ने के निर्देश दिए। एआई मंथन-2.0 का आयोजन 12 और 13 सितंबर को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में होगा। इसमें प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय सहभागिता करेंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षकों व अधिकारियों की टीम भी एआई मंथन में शामिल होगी।

कानपुर में टीम इंस्पेक्टर के के पटेल, विपिन की दूरदर्शिता से तीन किशोरियों का अपहरणकर्ता 40 साल बाद गिरफ्तार

कानपुर। यहां तीन किशोरियों का अपहरण करने वाले अपराधी को 40 साल बाद गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया गया। कठोर परिश्रम पूर्ण और पूर्ण निष्ठा के साथ की गई पुलिस यह कार्रवाई बताती है कि अपराध की जांच में केवल वर्दी ही नहीं, बल्कि सूझबूझ, धैर्य और जमीनी स्तर पर सुराग जुटाने की क्षमता भी अहम भूमिका निभाती है।जिसके फल स्वरुप अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, पुलिस अगर सुराग तलाशने में पूरी मेहनत और सूझबूझ के साथ जुट जाए तो कानून की पकड़ से उसका बचना मुश्किल हो जाता है। चर्चा का विषय बनी इस घटना का संबंध जुही थाना क्षेत्र से है ,जहां 1984 में प्रदीप कुमार नामक युवक के खिलाफ तीन किशोरियों को ले जाने के आरोप में अपहरण और विवाह के लिए विवश करने में मुकदमा हुआ था। लोअर कोर्ट ने प्रदीप को दोषी मानते हुए सजा सुनाई थी। जिसके बाद उसने वर्ष 1987 हाई कोर्ट में की गई अपील

से राहत का फायदा उठाकर फरार हो गया था। हाई कोर्ट ने संज्ञान में लेकर पुलिस आयुक्त से सात अगस्त को जवाब दाखिल करने को कहा था। जिसके बाद ही जूही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर केके पटेल की अगुवाई में टीम गठित कर फरार आरोपी प्रदीप की तलाश शुरू हुई। इसके लिए उसके सारे रिश्तेदारों, जमानत दारों, दोस्त, यारों उसके जन्म स्थान से लेकर उन सभी स्थानों तक भी जहां-जहां वह किराएदार आदि के रूप में रहता रहा। इसके लिए जेल जाकर लगभग 40 साल पुराना रिकॉर्ड भी देखा गया। लेकिन सफलता तब भी नहीं मिली। इस बीच गहन छानबीन से यह जरूर पता चल गया कि अपहरण करके ले जाई गई लगभग 39 साल पहले कमसिन भी रही लड़कियों में और जमानत लेने वालों में किसकी किसकी मौत हो चुकी है। इसके बाद भी योगी सरकार की मंशा के अनुरूप पीड़ितों की सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली वाली कठोर परिश्रमी, तेज तर्रार और जुझारू मिलिट्री कैंप चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर विपिन कुमार, भूपेश राठी, नितिन दुबे और कांस्टेबल अंकित कुमार की इंस्पेक्टर के के पटेल के नेतृत्व वाली टीम ने हार नहीं मानी और चौकी प्रभारी विपिन कुमार ने बड़े धैय के साथ दूरदर्शिता का परिचय देते हुए अपने कठोर परिश्रम की दिशा चुनाव आयोग मतलब मतदाता पहचान पत्र के माध्यम से भी आरोपी का पता लगाने की तरफ मोड़ दी। इसी दौरान कठोर परिश्रम के साथ लगातार जुटे चौकी प्रभारी विपिन यादव की टीम को किसी तरह से आरोपी प्रदीप का वोटर आईडी हासिल हो गया। बस यही से सफलता मिलने का अंतिम चरण आ गया। मतलब जब चुनाव आयोग की वेबसाइट खंगाली गई तो महत्वपूर्ण सफलता के रूप में आरोपी प्रदीप कुमार का एपिक नंबर मिल गया। और जब एपिक नंबर मिल गया तो फिर परिवार का ब्यौरा खंगाला गया। इसी क्रम बीएलओ से संपर्क किया तो एक रिश्तेदार के बारे में जानकारी मिली और जब उस रिश्तेदार से पूछताछ की गई तो लगभग 2 माह से चल रही खोजबीन का समापन करते हुए कर्तव्य के प्रति निष्ठा की परीक्षा का प्रथम श्रेणी का परिणाम लगभग 40 साल से फरार आरोपी प्रदीप कुमार की गिरफ्तारी के रूप में सामने आ गया।

जरार के मंडी यार्ड में बनेंगी 50 दुकानें सड़कों के लिए 10 करोड़ मंजूर

आगरा, एजेंसी। व्यापारियों का पलायन रोकने एवं किसानों को उपज का वाजिब मूल्य दिलाने के लिए जरार के मंडी यार्ड में 50 दुकानें बनाए जाने की आगणन रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख सचिव को दिए हैं। उन्होंने बाह में सड़कों के निर्माण के लिए 10 करोड़ की मंजूरी दी है। इसके अलावा बटेश्वर के चहुंमुखी विकास के लिए 15 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूर्व कैबिनेट मंत्री अरिदमन सिंह के साथ मिली बाह की विधायक पक्षालिका सिंह ने यह जानकारी दी। बताया कि जरार की गल्ला मंडी में भिंड, मुरैना, धौलपुर तक के किसान अपनी उपज लेकर पहुंचते थे। मुख्यमंत्री ने जरार को मंडी यार्ड की सौगात दी थी। अब 50 दुकानों के निर्माण की आगणन रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि बाह में सड़कों के निर्माण के लिए 10 करोड़ मंजूर किए हैं। बटेश्वर को केंद्र और प्रदेश सरकार विश्व स्तरीय धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में 180 करोड़ की लागत से विकसित करा रही है। बटेश्वर कॉरिडोर एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पितृ भूमि के विकास के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया तो उन्होंने तीर्थ स्थल के विकास के लिए 15 करोड़ रुपये और मंजूर करने की बात कही है।

भदावर डिपो के विकास का प्रस्ताव सौंपा

बाह में भदावर डिपो की सौगात कैबिनेट मंत्री रहते अरिदमन सिंह के प्रयासों से मिली थी। आमदनी में अव्वल रहने के बाद भी बसों के टोटे एवं संसाधन की कमी डिपो की तरक्की की राह में बाधा बनी हुई है। विधायक ने डिपो के विस्तार, बसों की संख्या बढ़ाए जाने, संसाधन विकसित करने के साथ ही सुंदरीकरण कराए जाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के सामने रखा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर जल्द ही अमल का भरोसा दिलाया है।

चंबल सेंक्चुअरी का दायरा घटाने के प्रस्ताव के लिए जताया आभार

आगरा दौरे में अपनी मांग पर चंबल सेंक्चुअरी का दायरा घटाए जाने का प्रस्ताव मांगे जाने पर विधायक और पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री को प्रस्ताव दिया था कि मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में चंबल सेंक्चुअरी के दायरे भिन्न हैं। मध्य प्रदेश में 500 मीटर का दायरा है तो उत्तर प्रदेश में डेढ़ किमी का दायरा है, जिसकी वजह से चंबल के बीहड़ के गांव विकास से नहीं जुड़ पा रहे हैं। वन विभाग के अड़ंगे के चलते गुढ़ा, मऊ की मढ़ैया, धांधूपुरा, बरहा, पुरा शिवलाल, पुरा डाल, रेहा, झरनापुरा आदि गांवों में सड़क तक नहीं बन पा रही। उन्होंने मध्य प्रदेश की तर्ज पर विकास का दायरा घटाए जाने की मांग की थी। विधायक ने मुख्यमंत्री का चंबल सेंक्चुअरी का दायरा घटाए जाने का अधिकारियों से प्रस्ताव भेजे जाने के निर्देश पर आभार जताया।

पांच मकान और लग्जरी कारें, वेतन महज 11 हजार; मैनेजर के निजी सहायक के सेठों वाले ठाठ

सहारनपुर। पीएनबी की करेंसी चेस्ट में मिले 17.29 करोड़ रुपये के जाली नोटों की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, नए सवाल सामने आ रहे हैं। अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के रडार पर करेंसी चेस्ट में तैनात आउटसोर्स कर्मचारी भी आ गए हैं। निलंबित प्रबंधक अमित के बेहद करीबी बताए जा रहे एक कर्मचारी की संपत्ति और उसकी भूमिका को लेकर जांच शुरू की गई है।

महज 11 हजार रुपये मासिक वेतन पाने वाले इस कर्मचारी के पास पांच मकान, स्कॉर्पियो और वरना कार समेत दो बाइक होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि इन संपत्तियों और वाहनों का स्वामित्व अभी जांच का विषय है। उक्त कर्मचारी की तैनाती चालक और लोडर के रूप में थी, लेकिन जांच में सामने आया है कि वह निलंबित प्रबंधक अमित का बेहद करीबी था।

वह कथित तौर पर अमित के निजी सहायक की तरह काम करता था और अधिकांश समय करेंसी चेस्ट के भीतर ही रहता था। जांच में यह भी सामने आया है कि कर्मचारी ने खुद चालक की ड्यूटी करने के बजाय करीब 500 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से एक अन्य ड्राइवर रखा हुआ था।

करीब 11 हजार रुपये वेतन वाले कर्मचारी की कथित संपत्ति और वाहन अब जांच एजेंसियों के लिए बड़ा सवाल हैं। एनआईए यह पता लगाने में जुटी है कि संपत्ति और वाहनों की खरीद के लिए धन का स्रोत क्या है। बुधवार को पुलिस ने मानकमऊ स्थित कर्मचारी के आवास पर भी छापा मारा। यहां से मिली जानकारी और दस्तावेजों को जांच से जोड़कर देखा जा रहा है।

पूछताछ के बाद घर लौटा आदर्श

उधर, करेंसी चेस्ट का चालक आदर्श बुधवार रात अपने घर लौट आया। वह पांच सितंबर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता था। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए उठाया था। उससे करेंसी चेस्ट और जाली नोटों के मामले में जानकारी ली गई। प्राथमिक पूछताछ में उसकी भूमिका सामने नहीं आने पर फिलहाल उसे छोड़ दिया गया।

मेरठ का ठेकेदार बताता था कहां डाले जाने हैं बिजली के नए तार, गिरोह जाकर कर लेता था चोरी, तीन गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी। वेस्ट यूपी के साथ ही हरियाणा और दिल्ली में बिजली के तार व नलकूपों से चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी किए गए 22 बंडल बिजली के तार, दो ट्यूबवेल के केबल, चोरी में इस्तेमाल उपकरण, दो टाटा पिकअप वाहन और सामान बेचकर मिले 1,200 रुपये बरामद हुए हैं। पूछताछ में सामने आया कि मेरठ निवासी ऊर्जा निगम के ठेकेदार आबिद की मदद से गिरोह नई विद्युत लाइन बिछने वाले स्थानों को निशाना बनाता था।

एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक, बुधवार रात चेकिंग के दौरान हाथी करौदा से खानपुर जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने दोनों पिकअप में सवार आरोपियों को पकड़ा। तलाशी में चोरी का सामान बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नदीम निवासी मोहल्ला शिवाजी/राजपूत मोहल्ला गोंडा, थाना जाफराबाद, नई दिल्ली, साजिद निवासी खाईखेड़ा, थाना ककरौली, मुजफ्फरनगर और अब्दुल आहद निवासी गली नंबर-24, मोहल्ला धर्मपुरी, थाना उस्मानपुर, नई दिल्ली के रूप में हुई है।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मेरठ निवासी आबिद ऊर्जा निगम में ठेकेदार है। वह उन्हें बताता था कि किस स्थान पर नई विद्युत लाइन बिछाई जानी है। इसके बाद गिरोह के सदस्य रात में वहां पहुंचकर विद्युत तार चोरी कर लेते थे। ठेकेदार की शामली के अलावा अन्य जिलों के ऊर्जा निगम के कर्मचारियों से मिलीभगत थी। पुलिस अब अन्य की भी जांच में जुट गई है। आरोपियों के अनुसार चोरी के सामान में आबिद को भी हिस्सा दिया जाता था। पुलिस के मुताबिक मामले में अब तक नौ लोगों की भूमिका सामने आई है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नलकूपों को भी बनाते थे निशाना– आरोपी ट्यूबवेल से केबल और कटआउट तथा विद्युत खंभों से तार काटकर चोरी करते थे। चोरी का सामान टाटा पिकअप में भरकर ले जाते और बाद में कबाड़ियों को बेच देते थे। दिल्ली के कबाड़ी हैदर को भी कई बार चोरी का तार बेचा था।

इन स्थानों पर की वारदात

पुलिस के अनुसार, गिरोह ने 17 जुलाई को कंजरहेड़ी, 24 जुलाई को हाथी करौदा, 19 अगस्त को बंतीखेड़ा और एक सितंबर को हाथी करौदा के जंगल में विद्युत पोल से तार चोरी किए थे। छह सितंबर को फतेहपुर और बंतीखेड़ा में ट्यूबवेल–नलकूप से सामान चोरी किया गया था। पांच–छह सितंबर की रात कुरमाली और हाथी करौदा के जंगल से विद्युत तार व अन्य सामान चोरी किया गया। इसके अलावा हरियाणा के पानीपत और दिल्ली में भी वारदात करने की बात सामने आई है।

छह मुकदमों में दर्ज है नाम

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों के खिलाफ बाबरी थाने में चोरी और अन्य धाराओं में छह मुकदमे दर्ज हैं। दूसरे जनपदों और राज्यों में भी उनका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

मेट्रो की खुदाई में स्टील गैस पाइप लाइन टूटी, गैस आपूर्ति बंद

आगरा, एजेंसी। कैंट रेलवे स्टेशन से कालिंदी विहार तक मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर निर्माण में खुदाई के दौरान बृहस्पतिवार रात करीब 9 बजे टेढ़ी बगिया से सिकंदरा तक पीएनजी सप्लाई करने वाली गेल की 8 इंच की स्टील पाइपलाइन टूट गई। इससे रात में ही पाइप लाइन से गैस की आपूर्ति बंद हो गई।

शुक्रवार सुबह शहर के औद्योगिक, घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं की गैस आपूर्ति भी बाधित हो सकती है। रात में गेल गैस की टीमों ने क्षतिग्रस्त लाइन पर काम शुरू कर दिया है। ग्रीन गैस के अधिकारियों ने बताया कि उनकी घरेलू और व्यवसायिक आपूर्ति इसी क्षतिग्रस्त लाइन से होती थी। प्रतिदिन 2 लाख एससीएम गैस की खपत है।

70 हजार से अधिक उपभोक्ता हैं।

मरम्मत टीम रात में ही मौके पर पहुंच गई। सुरक्षा कारणों से, आगे की लाइन से गैस पूरी तरह निकलने के बाद ही फॉल्ट की मरम्मत होगी। अधिकारियों के अनुसार, यदि फॉल्ट छोटा हुआ तो रात में ही लाइन ठीक कर ली जाएगी। वहीं, बड़ा होने की स्थिति में शुक्रवार सुबह उपभोक्ताओं को पाइप से गैस नहीं मिल सकेगी। एहतियात के तौर पर रात में ही मौके पर पुलिस और अन्य संबंधित टीमें भी पहुंच गई हैं।

Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

मां के दुश्मनों ने मुझे बलि का बकरा बनाया: साइमा हसीना की बेटी ने डब्ल्यूएचओ छोड़ने के बाद लगाए आरोप

वॉशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद ने संगठन प्रमुख टेड्रोस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साइमा ने दावा किया कि उन्हें सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि वे बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री की बेटी हैं। पूर्व दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय निदेशक साइमा ने कहा कि उनकी मां का पद उनके राजनीतिक विरोधियों के लिए हथियार बन गया, इसी वजह से उन पर दबाव बढ़ा और उन्हें संगठन से बाहर किया गया। साइमा ने अपने इस्तीफे पत्र में लिखा था कि उन्हें काम करने से रोका गया, जिसके बाद उन्होंने संगठन के नेतृत्व पर भरोसा खो दिया था।साइमा ने चीन यात्रा के आरोप को गलत बताया, क्योंकि बीमारी के कारण वे वहां गई ही नहीं थीं। जमीन खरीद मामले में उन्होंने कहा कि चार कानूनी राय दी गई थीं, जिनमें कहा गया था कि आरोप कानूनी रूप से कमजोर हैं। उन्होंने बताया कि जांच पूरी हो चुकी है। वे डेढ़ साल से छुट्टी पर थीं और लगभग एक साल से बिना वेतन के हैं, और जुलाई 2025 से वे बेरोजगार हैं। मानसिक थकान और आर्थिक तंगी को अपने इस्तीफे का मुख्य कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि वे फिर से काम शुरू करना चाहती हैं। साइमा ने आगे कहा कि टेड्रोस पर भी मिलते-जुलते आरोप थे, लेकिन उन्हें छुट्टी पर नहीं भेजा गया और न ही बिना वेतन छोड़ा गया। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के साथ मिलीभगत के सवाल पर साइमा ने कहा कि मिलीभगत एक कड़ा शब्द है। फिर भी, उनके पास सबूत हैं कि टेड्रोस ने मानक राजनयिक प्रक्रिया के बिना अंतरिम सरकार से संपर्क किया था। अंत में, उन्होंने साफ कहा कि वे शेख हसीना की बेटी हैं और उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उनके दुश्मनों ने उन्हें बलि का बकरा बना दिया है।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने जियारत क्रॉस हमले का वीडियो जारी किया

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने तीन सितंबर को पशिन के जियारत क्रॉस में पाकिस्तान की सेना और एक निर्माण कंपनी पर किए गए हमलों का वीडियो अपने ऑफिशियल चैनल हुकल पर जारी किया है। वीडियो के शुरुआती दृश्य में बीएलए की महत्वपूर्ण शाखा 'फतह स्क्वायड' के कमांडरों को सैन्य अनुसासन के साथ दिखाया गया है। सभी कमांडरों को अत्याधुनिक हथियारों और खास यूनिफॉर्म में दिखाया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, सात मिनट के इस वीडियो में, इन कमांडरों को भारी हथियारों और रॉकेट से पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाते देखा जा सकता है। वीडियो में सेनाके जवानों के शव भी दिखाए गए हैं। बीएलए के अनुसार,तीन सितंबर को फतेह स्क्वायड ने जियारत क्रॉस पशिन में पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस दौरान किला सैफुल्लाह स्काउट्स और एफसी 134 विंग की चार गाड़ियों पर हमला किया गया। हमले में आर्मी के एक ट्रक समेत दो गाड़ियां तबाह हो गईं। बीएलए के मुताबिक, हमले में 18 पाकिस्तानी आर्मी के जवान मारे गए और उनके सारे हथियार जब्त कर लिए गए। बीएलए के अनुसार, इसके बाद जियारत क्रॉस के पास खानीबाबा में एक निर्माण कंपनी की साइट पर कब्जा कर गाड़ियों समेत 14 भारी मशीनरी को नष्ट कर दिया। दोनों घटनाओं की पाकिस्तान की सेना पुष्टि कर चुकी है।

श्रीलंका में ग्रेनेड हमले में दो बच्चों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के पश्चिमी प्रांत के कोलंबो जिले के देहिवला माउंट लाविनिया के कावडान में आज सुबह सिरिसंगाबो रोड पर स्थित एक घर पर हुए हैंड ग्रेनेड हमले में दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने एक बच्चे की आयु 10 वर्ष और दूसरे की 14 वर्ष बताई है। द मिरर अखबार के अनुसार, पुलिस ने बताया कि 10 साल के बच्चे की मौत कलुबोविला टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती होने के कुछ ही देर बाद हो गई, जबकि उसके 14 साल के भाई की मौत इलाज के दौरान हुई। इस धमाके में उनके 52 साल के पिता और दो अन्य बच्चे भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि पिता का इलाज चल रहा है। ग्रेनेड हमले के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली आरपीएफ ने 55 आपराधिक मामलों में वांछित शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की दिल्ली मंडल टीम ने यात्रियों के सामान की चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 55 आपराधिक मामलों में वांछित एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत का आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन बरामद किया गया है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि 8 सितंबर को दिल्ली मंडल की 'थेफ्ट ऑफ पैसेंजर बिलॉन्गिंग्स' टीम अपराधियों के विरुद्ध अभियान चला रही थी। इसी दौरान बिरला साइडिंग, सब्जी मंडी स्टेशन के पास रेलवे लाइनों पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान सौरभ उर्फ

बंटी (23) पुत्र मुकेश, निवासी करोल बाग, महाराणा प्रताप कार मार्केट, दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपये बताई गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह मोबाइल कीर्ति नगर क्षेत्र से चोरी किया था। इसके बाद आरपीएफ टीम ने तत्काल कीर्ति नगर थाना पुलिस को सूचना दी और आरोपी तथा बरामद मोबाइल फोन को सीलबंद हालत में संबंधित जांच अधिकारी को सौंप दिया। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में पता चला कि उसके विरुद्ध दिल्ली के विभिन्न थानों में कुल 55 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चोरी, झपटमारी, चोरी की संपत्ति रखने, लूट, आर्म्स एक्ट तथा आईपीसी और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले शामिल हैं। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों के अनुसार इस प्रकार की कार्रवाई से रेलवे स्टेशनों, रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा यात्रियों के सामान की चोरी की घटनाओं में कमी आएगी।

नागपुर में मारबत-बड़गे महोत्सव का भव्य नजारा, काली-पीली मारबत के मिलन का साक्षी बना जनसैलाब

नागपुर। ढोल-नगाडो की गूंज... 'ले जा रे गे मारबत' के गगनभेदी जयघोष... गुलाल की बौछार और सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब... ऐसे उत्साहपूर्ण माहौल में नागपुर की करीब 150 वर्षों पुरानी ऐतिहासिक परंपरा मारबत और बड़गे महोत्सव इस वर्ष अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय रंग में नजर आया। नागपुर के इतवारी इलाके में स्थित नेहरू पुतला चौक पर काली मारबत और पीली मारबत का पारंपरिक मिलन हुआ। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए लाखों नागपुरवासी उमड़ पड़े और पूरा क्षेत्र जनसैलाब में तब्दील हो गया। नेहरू चौक के आसपास की इमारतों की छतों, गैलरियों और बालकनियों में बड़ी संख्या में नागरिक खड़े होकर मारबत के ऐतिहासिक मिलन का नजारा देखते रहे। ढोल-ताशों की गूंज और जोरदार जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। नागपुर की इस अनूठी लोक-सांस्कृतिक परंपरा का रोमांच देखते हुए लोगों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। इस ऐतिहासिक आयोजन का विशेष आकर्षण विदेशी मेहमान रहे। फ्रांस, इटली, फिनलैंड और नॉर्वे के वाणिज्य दूतों ने नेहरू चौक स्थित एक इमारत से मारबत शोभायात्रा का रोमांच देखा। उन्होंने नागपुर की सौ वर्ष से भी अधिक पुरानी इस लोकपरंपरा की जमकर सराहना की। इस अवसर पर प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक सुभाष घई, जय मेहता, अभिनेता जैकी श्रॉफ और अंकुश चौधरी तथा क्रिकेटर उमेश यादव की मौजूदगी भी आकर्षण का केंद्र रही। नागपुरवासियों के जबरदस्त उत्साह को देखकर ये दिग्गज भी अभिभूत नजर आए। मारबत शोभायात्रा में शामिल बड़गे इस बार भी सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों पर किए गए व्यंग्यात्मक कटाक्ष के कारण चर्चा में रहे। महंगाई, सामाजिक कुरीतियों, प्रशासनिक व्यवस्था और विभिन्न राजनीतिक घटनाक्रमों पर टिप्पणी करते बड़गों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

बैंक धोखाधड़ी के दो केस में सात राज्यों में छापा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज बैंक धोखाधड़ी और ऋण के कथित दुरुपयोग से जुड़े दो मामलों में बिहार, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में कई जगह छापा मारा है। ईडी के पटना जोनल कार्यालय ने बिहार के गया स्थित रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड से जुड़े मामले में पीएमएलए की धारा 17 के तहत गया, गुरुग्राम और नई दिल्ली में नौ जगह छापा मारा है। कोलकाता जोनल कार्यालय ने ओडिशा के एआरएसएस समूह और एएमआर/एएमआरएल समूह से जुड़े प्रवर्तकों तथा संबंधित संस्थाओं के ठिकानों पर कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में दबिश दी है।

ईडी दोनों मामलों में कथित तौर पर बैंक ऋण में धोखाधड़ी, धन के दुरुपयोग, ऋण की अदायगी में अनियमितता और लेनदेन के जरिए धन को इधर-उधर करने की जांच कर रहा है। पटना जोनल कार्यालय रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड के बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहा है। कंपनी गया में संचालित है और अखौरी गोपाल तथा उनके बेटों निशांत और नितेश के नियंत्रण में है। जांच के दौरान एजेंसी को पता चला कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह ने कंपनी को करीब 85 करोड़ रुपये का ऋण दिया था। आरोप है कि इसमें से करीब 58 करोड़ रुपये को फर्जी या जाली परियोजना पूर्णता रिपोर्ट के आधार पर दूसरी जगह भेज दिया गया। ये रिपोर्ट कंपनी के चार्टर्ड अकाउंटेंट की ओर से उपलब्ध कराए जाने की बात जांच में सामने आई है।

ईडी के अनुसार, उक्त ऋण के लिए अखौरी गोपाल और उनके परिवार के सदस्यों ने बैंकों को व्यक्तिगत गारंटी भी दी थी। संबंधित समूह की एक अन्य इकाई की देनदारी के बदले पांच संपत्तियां टाटा मोटर्स लिमिटेड के पास गिरवी या बंधक रखी गई थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, इन संपत्तियों को गिरवी या बंधक रखे जाने के बावजूद हाल में बेच दिया गया। बिक्री दस्तावेजों में इन संपत्तियों का मूल्य कथित तौर पर वास्तविक मूल्य से काफी कम दिखाया गया और बिक्री की रकम को नकद प्राप्ति के रूप में दर्ज किया गया। ईडी को कुछ खरीदारों की वित्तीय क्षमता पर भी संदेह है। एजेंसी के अनुसार, इनमें से कुछ खरीदार इतने बड़े मूल्य की संपत्तियां खरीदने के लिए आवश्यक रकम जुटाने में सक्षम नहीं दिखते। ऐसे में उनके अखौरी गोपाल के बेनामी या प्रॉक्सी होने की आशंका की जांच की जा रही है। ईडी को संदेह है कि संपत्तियों की बिक्री का उद्देश्य उन्हें एजेंसी की संभावित कार्रवाई से बचाने के लिए अलग करना हो सकता है। एजेंसी इस पूरे लेनदेन, संपत्तियों के वास्तविक मूल्य, बिक्री से प्राप्त रकम और खरीदारों के साथ कथित संबंधों की जांच कर रही है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के आरोपपत्र के अनुसार, इस मामले में अपराध से अर्जित संपत्ति की राशि करीब 131.79 करोड़ रुपये बताई गई है। यह राशि गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के मूल्य से संबंधित है। ईडी ने इस मामले में कुल नौ स्थानों पर छापा मारा है। इनमें गया में छह, गुरुग्राम में दो और नई दिल्ली में एक स्थान शामिल है। तलाशी पीएमएलए, 2002 की धारा 17 के तहत की जा रही है।

दूसरी कार्रवाई में ईडी के कोलकाता जोनल कार्यालय ने ओडिशा के एआरएसएस समूह और एएमआर/एएमआरएल समूह से जुड़े प्रवर्तकों तथा संबंधित संस्थाओं के परिसरों पर छापा मारा है। यह कार्रवाई एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड (एसआईएफएल) और एसआरईआई इक्विपमेंट फाइनेंस लिमिटेड (एसईएफएल) से कथित धोखाधड़ी या अनियमित तरीके से लिए गए ऋण और बाद में उनका भुगतान नहीं किए जाने से जुड़ी जांच के तहत की जा रही है।

ईडी के अनुसार, एआरएसएस समूह के पूर्व प्रवर्तक और निदेशक परिवार के सदस्यों अनिल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल और सुभाष अग्रवाल तथा एएमआर/एएमआरएल समूह से जुड़े प्रवर्तक महेश कुमार रेड्डी अल्थुरु से संबंधित परिसरों की तलाशी ली जा रही है। जांच एजेंसी के अनुसार, ऋण राशि को पुराने ऋण की अदायगी के लिए नए ऋण के जरिए बनाए रखने, धन के कथित दुरुपयोग, एक इकाई से दूसरी इकाई और फिर वापस धन पहुंचाने तथा अन्य वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच की जा रही है। एजेंसी यह भी पता लगा रही है कि ऋण से प्राप्त धन का वास्तविक इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया और क्या उसे संबंधित संस्थाओं के बीच कथित तौर पर घुमाया गया। इस मामले में कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में विभिन्न परिसरों पर छापा मारा गया है।

कारोबारी की हत्या में पुलिस का ट्रैफिक सार्जेंट और सिविक वॉलंटियर गिरफ्तार

एजेंसी, कोलकाता

झारखंड के कारोबारी की हत्या की जांच के सिलसिले में झारखंड पुलिस ने कोलकाता पुलिस के ट्रैफिक सार्जेंट और सिविक वॉलंटियर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार पुलिस अधिकारी की पहचान अयन गुप्ता के रूप में हुई है। वह बेलेघाटा ट्रैफिक गार्ड में तैनात था। उसके साथ चावलपट्टी रोड निवासी ट्विंकल दास को भी गिरफ्तार किया गया है। ट्विंकल सिविक वॉलंटियर के तौर पर कार्यरत थी।

झारखंड पुलिस की टीम ने गुरुवार को दोनों को लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय में तलब किया था। वहां लालबाजार के खुफिया विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में झारखंड पुलिस के अधिकारियों ने दोनों से देर शाम तक पूछताछ की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। शुक्रवार सुबह झारखंड पुलिस ने

दोनों की गिरफ्तारी की जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गत 24 अगस्त को चांडिल थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-33 के किनारे एक होटल के सामने निखार सबलोक नामक कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच में सामने आया कि कारोबारी की हत्या के लिए सुपारी दी गई थी। हमलावरों ने नौ राउंड गोलियां चलाई थीं। कारोबारी के कंधे, पीठ और गले में गोलियां लगी थीं। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें जमशेदपुर के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में हत्या के पीछे कारोबारी प्रतिद्वंद्विता की आशंका जताई गई थी।

शुभेंदु की चेतावनी के बाद कार्रवाई, बागेश्वर धाम प्रमुख की तस्वीर जलाने के आरोप में कांग्रेस नेता गिरफ्तार

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की विधानसभा में दी गई चेतावनी के अगले ही दिन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तस्वीर जलाने के आरोप में कांग्रेस नेता को गिरफ्तार कर लिया। भवानीपुर थाने की पुलिस ने दक्षिण कोलकाता जिला कांग्रेस के महासचिव अतनु दास को शुक्रवार तड़के टॉलीगंज स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इस महीने की शुरुआत में कोलकाता आए । इस दौरान उन्होंने दुर्गापूजा के दौरान मांसाहारी भोजन करने को लेकर टिप्पणी की थी। उनके बयान को लेकर राज्यभर में विवाद खड़ा हो गया । यहां तक कि भाजपा के कई नेताओं ने भी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की टिप्पणी से असहमति जताई। इसी के विरोध में कांग्रेस नेताओं

ने भवानीपुर थाने के सामने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तस्वीर जलाकर प्रदर्शन किया था। इस कार्यक्रम का नेतृत्व अतनु दास ने किया था। तस्वीर जलाने की घटना पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया।

विधानसभा में गुरुवार को मुख्यमंत्री ने इस मामले का उल्लेख करते हुए कोलकाता पुलिस आयुक्त को संबंधित लोगों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया । उन्होंने कहा था, "मैंने भवानीपुर थाने के सामने कुछ लोगों को तस्वीर जलाते देखा है। मैं पुलिस आयुक्त से कह रहा हूं कि इन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए। हमारे राज्य में यह सब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

मुख्यमंत्री की चेतावनी के बाद पुलिस ने रात कार्रवाई शुरू कर दी। भवानीपुर थाने की पुलिस ने टॉलीगंज स्थित अतनु दास के घर पर छापेमारी की। उस समय कांग्रेस नेता घर पर ही मौजूद थे। पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर भवानीपुर थाने ले आई। शुक्रवार को उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस घटना में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में भी छापेमारी कर रही है।

अतनु दास की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस नेताओं में नाराजगी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने मुख्यमंत्री के गिरफ्तारी संबंधी बयान के विरोध में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने कांग्रेस के लोकतांत्रिक मूल्यों और विरोध के अधिकार का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने अपने जन्म से लेकर आज तक किसी भी अन्याय के सामने सिर नहीं झुकाया है और कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोध के रास्ते से पीछे नहीं हटे हैं।

सेना के चोरी हुए हथियार हुए जब्त कैंटोनमेंट का एक कर्मचारी अरेस्ट

♦ 2 रूम के ताले तोड़ चुराए थे हाईटेक वेपंस

एजेंसी, हैदराबाद

तेलंगाना पुलिस ने शुक्रवार को सिकंदराबाद कैंटोनमेंट से चोरी हुए सेना के सभी हथियार जब्त कर लिए हैं। पुलिस के मुताबिक, कैंटोनमेंट में काम करने वाले एक शख्स की मदद यह चोरी की गई थी। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, जांच में सामने आई अन्य जानकारियां अभी शेयर नहीं की गई हैं।

चोरी का मामला 31 अगस्त को तब सामने आया था, जब मद्रास रेजिमेंट के एक लेफ्टिनेंट कर्नल ने हैदराबाद के बोलाराम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, लगभग 40 मीटर की दूरी पर स्थित दो शस्त्रागार रूम के ताले तोड़कर बड़ी संख्या में हाईटेक वेपंस चोरी कर लिए गए थे।

कई महीनों से मेंटेन नहीं किए जा रहे थे रजिस्टर: जांच के दौरान 20 मद्रास रेजिमेंट की एक यूनिट के सीनियर ऑफिसर से भी पूछताछ की गई थी। इसकी एक वजह यह थी कि आर्मरी के रजिस्टर कई महीनों से मेंटेन नहीं किए जा रहे थे। वहीं, सिक्युरिटी गार्ड ने किसी तरह की जबरन घुसपैठ से इनकार किया था।

इसीलिए जांच टीम को शुरुआत से ही शक था कि यह मामला 'इनसाइड जॉब' है। यानी कि वारदात में कैंटोनमेंट के अंदर का कोई कर्मचारी शामिल था। जांच में स्थानीय पुलिस, सैन्य खुफिया और केंद्रीय एजेंसियों को शामिल किया गया। शुरू में 10 कर्मियों से पूछताछ की गई, जिसके बाद मुख्य संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया गया।एक कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और इस तरह चोरी का खुलासा हो गया। आरोपी की शिनाख्त पर हैदराबाद की एक जगह से ये सभी हथियार जब्त कर लिए गए। जांच टीम अब हथियारों को ले जाने, उन्हें छिपाने, हथियारों के खरीददार समेत इस पूरे नेटवर्क में शामिल लोगों की तलाश में जुटी है। सेना के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस मामले में जल्द ही अधिकारी मीडिया को विस्तृत रिपोर्ट देंगे।

बैंक में कर्मचारियों पर मिर्च डालकर 4.53 लाख लूटे

एजेंसी, नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में बैंक में लूट का मामला सामने आया है। यहां एक 28 साल के युवक ने कर्मचारियों की आंखों में लाल मिर्च पाउडर डालकर उनसे 4.53 लाख रुपए लेकर भाग गया। इसके बाद आरोपी मौके से भागने लगा, लेकिन बैंक कर्मचारियों ने उसका पीछा किया। पुलिस की मदद से उसे करीब एक किमी दूर पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटी गई पूरी 4.53 लाख रुपए की रकम बरामद कर ली है।

घटना नागपुर के भांडे प्लॉट इलाके में गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे हुई। बैंक कर्मचारी ATM से कैश लेकर SBI ब्रांच लौट रहे थे। पूरी घटना बैंक के CCTV में रिकॉर्ड हो गई है। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है।

कर्मचारियों ने शोर मचाकर पीछा किया: कैश लेकर भाग रहे आरोपी को देखकर बैंक कर्मचारियों ने शोर मचाया और उसका पीछा किया। इसी दौरान गश्त कर रहे बीट मार्शल और पुलिसकर्मियों ने भी आरोपी को भागते देखा और उसके पीछे दौड़ पड़े। बैंक कर्मचारियों और पुलिस की मदद से आरोपी को करीब 30 मिनट के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी B.Sc. ग्रेजुएट, फिलहाल बेरोजगार: गिरफ्तार आरोपी की पहचान 28 साल के सूरज भोजराज बोरकर के रूप में हुई है। वह नागपुर ग्रामीण के भिवापुर तहसील के तातोली गांव का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, सूरज B.Sc. ग्रेजुएट है और फिलहाल बेरोजगार है। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि नौकरी नहीं मिलने और आर्थिक परेशानी के चलते उसने लूट की होगी।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में पता लगाया जा रहा है कि उसने अकेले वारदात की या कोई और भी शामिल था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसे कैश की जानकारी कैसे मिली।

दिल्ली मंडल पर परिचालन कारणों से कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली मंडल पर परिचालन संबंधी कारणों से रेलवे ने कुछ रेल सेवाओं के संचालन में अस्थायी परिवर्तन किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, इसके चलते उत्तर पश्चिम रेलवे की कुछ रेल सेवाएं आंशिक रूप से रद्द रहेंगी, जबकि कुछ ट्रेनों का संचालन परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा। गाड़ी संख्या 14737 भिवानी-तिलकब्रिज रेलसेवा 12 एवं 13 सितंबर को भिवानी से प्रस्थान कर शकूरबस्ती तक ही संचालित होगी। इसके चलते शकूरबस्ती-तिलकब्रिज के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14738 तिलकब्रिज-भिवानी रेलसेवा 12 और 13 सितंबर को तिलकब्रिज के बजाय शकूरबस्ती से संचालित होगी। इस कारण तिलकब्रिज-शकूरबस्ती के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

गाड़ी संख्या 14727 श्रीगंगानगर-तिलकब्रिज रेलसेवा 13 सितंबर को श्रीगंगानगर से प्रस्थान कर नई दिल्ली तक ही संचालित होगी। नई दिल्ली-तिलकब्रिज के बीच इसका संचालन आंशिक रूप से रद्द रहेगा। इसी तरह गाड़ी संख्या 15307 तिलकब्रिज-सिरसा रेलसेवा 11 और 12 सितंबर को तिलकब्रिज के बजाय नई दिल्ली से संचालित होगी। इस कारण तिलकब्रिज-नई दिल्ली के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14030 मेरठ कैंट-श्रीगंगानगर रेलसेवा 13 सितंबर को मेरठ कैंट से प्रस्थान करेगी और परिवर्तित मार्ग साहिबाबाद, दिल्ली शाहदरा, दिल्ली जंक्शन तथा दिल्ली किशनगंज होकर संचालित होगी।

बच्चों को अवैध दत्तक ग्रहण से बचाने के लिए पूरे बाल संरक्षण तंत्र में जागरूकता व सतर्कता बेहद जरूरी: कारा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) की सीईओ भावना सक्सेना ने कहा कि बच्चों को अवैध दत्तक ग्रहण से बचाने के लिए पूरे बाल संरक्षण तंत्र में जागरूकता और सतर्कता बेहद जरूरी है। प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य और कानून का संरक्षण मिलना चाहिए। भावना सक्सेना ने अवैध तरीके से बच्चों को गोद लेने पर रोक लगाने और बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा को मजबूत करने को लेकर गुरुवार शाम को दिल्ली सचिवालय में आयोजित दत्तक ग्रहण जागरूकता कार्यशाला में यह बात कही। उन्होंने कहा कि दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया में किसी भी तरह का शॉर्टकट नहीं हो सकता और इच्छुक दत्तक माता-पिता को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का ही पालन करना चाहिए।

कार्यशाला में बाल संरक्षण और दत्तक ग्रहण व्यवस्था से जुड़े करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें स्वास्थ्य और पुलिस विभाग

के अधिकारी, बाल कल्याण समितियां, जिला बाल संरक्षण इकाइयां, दत्तक ग्रहण एजेंसियां, अस्पताल एवं नर्सिंग होम से जुड़े प्रतिनिधि, एएनएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित विभिन्न हितधारक शामिल रहे। कार्यक्रम में कारा की सीईओ भावना सक्सेना, दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव रश्मि सिंह, दिल्ली पुलिस की डीसीपी नेहा यादव, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका भारद्वाज, दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ओपी व्यास और आउटर नॉर्थ जिले के सीएमओ डॉ. अनिल यादव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दिल्ली सरकार की सचिव रश्मि सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य और पुलिस विभाग से लेकर एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, जिला बाल संरक्षण इकाइयों और बाल कल्याण समितियों तक सभी संबंधित पक्षों की भागीदारी व्यापक जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सामूहिक प्रयास बच्चों के सुरक्षित और संरक्षित बचपन के लिए संस्थागत प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। कार्यशाला में अवैध दत्तक ग्रहण की रोकथाम और उससे निपटने के उपायों पर तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र में अवैध दत्तक ग्रहण के उभरते रुझान, चुनौतियां और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई पर चर्चा हुई। दूसरे सत्र में अस्पतालों, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य व्यवस्था, पुलिस और न्यायपालिका की भूमिका पर विचार किया गया। तीसरे सत्र में कानूनी पहलुओं पर विचार किया गया। जागरूकता अभियान के तहत कार्यशाला में कानूनी दत्तक ग्रहण पर आधारित एक फिल्म भी जारी की गई। फिल्म के माध्यम से अधिकृत दत्तक ग्रहण प्रक्रिया का पालन करने के महत्व और अवैध दत्तक ग्रहण से जुड़े जोखिमों को सरल एवं प्रभावी तरीके से समझाने का प्रयास किया गया।

Rashtria Mukhyadhara

वियतनाम ओपन में तन्वी शर्मा ने मालविका बंसोड़ को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेंसी, हो ची मिन्ह सिटी

शीर्ष वरीय तन्वी शर्मा ने शुक्रवार को हमवतन सातवीं वरीय मालविका बंसोड़ को कड़े मुकाबले में हराकर वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व की 27वें नंबर की तन्वी ने मालविका को 21-18, 15-21, 21-14 से शिकस्त दी। तीसरी वरीय ईशारानी बरुआ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पिंग को 21-15, 21-18 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

मालविका ने पहले गेम में तेज शुरुआत की और तन्वी के खिलाफ 13-6 की आरामदायक बढ़त बना ली। इसके बाद तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए अगले 13 में से 10 अंक हासिल किए और स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए तन्वी ने पहला गेम 21-18 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और बढ़त लगातार बदलती रही। हालांकि, इस बार मालविका ने अंतिम चरण में बेहतर खेल दिखाया और 21-15 से गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन मध्यांतर के बाद तन्वी ने अपनी गति बढ़ाई और बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने मालविका को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमीफाइनल में तन्वी का सामना थाईलैंड की टोनरुग साहेंग और सारुनराक वितिदसर्न के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। ईशारानी का सामना रक्षिता श्री या मानसी सिंह में से किसी एक से होगा।

आईएसएसओ शतरंज खेलों का अहमदाबाद में आगाज, प्रज्ञानानंद और हर्ष सांघवी ने युवा खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

एजेंसी, अहमदाबाद

अदाणी इंटरनेशनल स्कूल, अहमदाबाद में आईएसएसओ शतरंज खेलों का शुक्रवार को आगाज हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर के 102 इंटरनेशनल स्कूलों के 427 युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 11 और 12 सितंबर को आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में लड़कों और लड़कियों के अलग-अलग मुकाबले हो रहे हैं। इन खेलों के जरिए विद्यार्थियों को देशभर के अपने हमउम्र खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। उद्घाटन के मौके पर भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद भी मौजूद रहे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें आत्मविश्वास तथा उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रज्ञानानंद के साथ गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने भी प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और युवा प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। हर्ष सांघवी ने कहा, "प्रतिभाओं की शुरुआती पहचान करना और स्कूल स्तर पर उन्हें निखारने तथा विकसित करने के लिए सही मंच उपलब्ध कराना भारत के खेल भविष्य के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। आईएसएसओ शतरंज खेल जैसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने, अनुभव हासिल करने और अपने खेल सफर में अगले कदम की ओर बढ़ने का अवसर देती हैं।" ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने कहा, "यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि देशभर के स्कूलों से इतने युवा खिलाड़ी एक साथ आए हैं और उन्हें इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल रहा है। इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को दबाव में अपना खेल विकसित करने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को ढालने में मदद करती हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी खिलाड़ी इस अनुभव का आनंद लेंगे, हर मुकाबले से सीखेंगे और कड़ी मेहनत करते हुए शतरंज के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाएंगे। मैं यहां उनका उत्साह बढ़ाने के लिए आकर खुश हूं और सभी को शुभकामनाएं देता हूं।"

यूएस ओपनः राइबाकिना ने गॉफ को हराया, सबालेंका से होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी, न्यूयॉर्क

कजाखस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेना राइबाकिना ने शुक्रवार को कड़े मुकाबले में घरेलू पसंदीदा कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। दूसरी वरीय राइबाकिना इस जीत के साथ यूएस ओपन के बाद दुनिया की नई नंबर एक खिलाड़ी बनना सुनिश्चित कर चुकी हैं। उन्होंने सबालेंका को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। हालांकि, अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए उन्हें फाइनल में सबालेंका की चुनौती से पार पाना होगा। राइबाकिना ने मैच के बाद कहा, "मुझे पहले सेट में लगा कि यह बहुत अच्छी शुरुआत थी और सिर्फ एक ब्रेक का अंतर था, लेकिन निश्चित रूप से दबाव था। कोको शानदार खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। रैलियों को नियंत्रित करना बहुत कठिन होता है। मैंने बस गहरी सांस ली और खुद से सकारात्मक बातें कीं, ताकि अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश कर सकूं।" गॉफ ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और कजाख खिलाड़ी पर दबाव बनाए रखा। छठे गेम में उन्होंने राइबाकिना की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में गॉफ का स्तर थोड़ा गिरा और उनकी कुछ गलतियों का राइबाकिना ने फायदा उठाया।

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिपः सृष्टि अरोड़ा और मनीष नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता कांस्य

एजेंसी, चांगवोन । भारतीय जोड़ी सृष्टि अरोड़ा और पेरिस पैरालंपिक के पदक विजेता मनीष नरवाल ने शुक्रवार को चांगवोन में चल रही डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीत लिया। फाइनल में सृष्टि ने 195.3 अंक का स्कोर किया, जबकि मनीष ने 208.7 अंक हासिल किए। भारतीय जोड़ी का कुल स्कोर 404.0 रहा और उसने तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की डांग युहोंग और हुआंग शिंग की जोड़ी ने 472.1 अंक के संयुक्त विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की मून एइक्युंग और जो जियोंगदू ने 466.0 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले सृष्टि और मनीष ने क्वालीफिकेशन में कुल 565 अंक हासिल कर फाइनल में जगह बनाई थी। सृष्टि ने 279 अंक, जबकि मनीष ने 286 अंक का योगदान दिया। एक अन्य भारतीय जोड़ी भक्ति शर्मा और रुद्रांश खंडेलवाल क्वालीफिकेशन में 557 अंक के साथ 10वें स्थान पर रही और फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी।

यूएस ओपनः सबालेंका ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया, लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सबालेंका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में गुरुवार को तीसरी वरीय पेगुला को 7-5, 6-2 से शिकस्त दी और लगातार चौथे वर्ष खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। सबालेंका इस जीत के साथ लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को भी बरकरार रखने में सफल रहीं। हालांकि, खिताब जीतने की स्थिति में भी वह दुनिया की नंबर एक रैंकिंग बरकरार नहीं रख पाएंगी और उनकी जगह एलेना राइबाकिना शीर्ष स्थान हासिल करेंगी। 28 वर्षीय सबालेंका ने मुकाबले में सात ऐस समेत 29 विनर्स लगाए। उनकी ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने पेगुला लगातार दबाव में रहीं। सबालेंका अब शनिवार को होने वाले फाइनल में दूसरी वरीय राइबाकिना और चौथी वरीय कोको गॉफ के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेंगी। सबालेंका ने जीत के बाद कहा, "मैं बेहद खुश हूं कि मैं इस तरह का टेनिस खेल सकी। मैं जीत के लिए बेताब थी। मैं इसे बहुत बुरी तरह जीतना चाहती थी।" पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार सर्विस की और मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सबालेंका पेगुला की सर्विस के खिलाफ ज्यादा मौके नहीं बना पा रही थीं और उनकी निराशा भी नजर आई।

आईसीसी के अगस्त माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए रॉबिन्सन, सोनल और हसन महमूद हैं दावेदार

ICC International Cricket Council

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगस्त महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए इंग्लैंड के ऑली रॉबिन्सन, श्रीलंका के सोनल दिनुशा और बांग्लादेश के हसन महमूद के नाम तय किये हैं। इस पुरस्कार का चयन वैश्विक क्रिकेट प्रशंसकों की वोटिंग के जरिये किया जाता है। इसके लिए आईसीसी ने अपनी फैन वोटिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन दावेदारों में श्रीलंका के 25 वर्षीय बल्लेबाज सोनल दिनुशा भी हैं। दिनशा ने दूसरे टेस्ट में शतक लगाकर भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था। दिनुशा सीरीज के शीर्ष स्कोरर बनकर उभरे। उन्होंने चार पारियों में अविश्वसनीय 140 के औसत से कुल 420 रन बनाए। उनकी चार पारियों में तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल था। वहीं, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑली रॉबिन्सन ने पाकिस्तान के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में अपना प्रभाव दिखाया है। अब तक पूरी सीरीज में उन्होंने 21 विकेट लिए हैं। चुके हैं। शुरुआती दो टेस्ट मैचों में ही उन्होंने 16 विकेट लिए थे। रॉबिन्सन की घातक गेंदबाजी का ही परिणाम रहा कि पाकिस्तान की टीम सीरीज में एक भी पारी में 200 रनों तक नहीं पहुंच सकी। उनकी धारदार गेंदबाजी ने इंग्लैंड को सीरीज में मजबूत बढ़त दिलाई है। इसके अलावाव बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में कुल 9 विकेट लेकर बांग्लादेश को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार था जब बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी अपनी धरती पर टेस्ट मैच में हराया था, और महमूद ने इस यादगार जीत में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन तीनों खिलाड़ियों ने अगस्त माह में अपनी-अपनी टीमों के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और अब देखना यह है कि किसे प्रशंसकों के सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं और वह आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताव हासिल करता है।

बांग्लादेश को 40 रन से हराकर भारत 10वीं बार एशिया कप फाइनल में

एजेंसी, दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 40 रन से हराकर 2026 महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के फाइनल में 10वीं बार प्रवेश किया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 149 रन बनाए। टीम की ओर से शेफाली वर्मा ने सर्वाधिक 64 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 40 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके और तीन छक्के लगाए। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 24, ऋचा घोष ने 21, प्रतिका रावल ने 20 और दीप्ति शर्मा ने 13 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना केवल दो रन बना सकीं, जबकि भारती फुलमाली बिना खाता खोले रन आउट हो गईं। बांग्लादेश की ओर से सुल्ताना खातून ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने लगातार विकेट गंवाती रही और 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन ही बना सकी। शोर्ना अख्तर ने 22 रन बनाकर टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी खेली। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 21, कप्तान निगरा सुल्तान ने 19 और शोभना मोस्तरी ने 18 रन बनाए।

भारत की गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा सबसे प्रभावी रहीं। उन्होंने तीन विकेट लेकर बांग्लादेश की रन गति पर अंकुश लगाए रखा। अब भारतीय टीम की नजरें खिताबी मुकाबले में अपना शानदार अभियान पूरा कर एशिया कप ट्रॉफी जीतने पर होंगी।

बीसीसीआई ने फिजियो कमलेश को हटाया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम फिजियो कमलेश जैन को हटा दिया है। बोर्ड ने कमलेश का अनुबंध समाप्त कर दिया है। कमलेश पिछले करीब दो साल से भारतीय टीम ने जुड़े थे पर उनके कार्यकाल में टीम फिटनेस समस्याओं से ग्रस्त रही जिसके बाद से ही उन्हें हटाये जाने की संभावनाएं जतायी जा रही थीं। उनके कार्यकाल में खिलाड़ी लगातार चोटिल होते रहे हैं। जिससे टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित रहा। कमलेश जून 2022 में भारतीय टीम से जुड़े थे और तभी से भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। कई प्रमुख खिलाड़ियों का चोटिल होना और महत्वपूर्ण समय पर अनुपलब्ध रहना टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, जिसके लिए फिजियोथेरेपी विभाग की भूमिका पर सवाल उठ रहे थे। उन्हें हटाने का फैसला बोर्ड की ओर से आया है। वह कोच और टीम प्रबंधन के निशाने पर थे। वहीं कुछ अन्य रिपोर्टें बताती हैं कि फिजिसये ने स्वयं ही व्यस्त कार्यक्रम और लगातार यात्रा के कारण परिवार को पर्याप्त समय न दे पाने की वजह से इस्तीफा दिया है। हालांकि, बोर्ड की ओर से इस पूरे मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। चेन्नई के रहने वाले कमलेश ने नितिन पटेल की जगह भारतीय टीम के फिजियो का पद संभाला था। नितिन पटेल बाद में बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में चले गए थे और फिर आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस से जुड़ गए। भारतीय टीम के साथ जुड़ने से पहले, जैन आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा थे। हेड कोच राहुल द्रविड़ की देखरेख में उन्होंने पिछले कुछ वर्षों से खिलाड़ियों के साथ काम किया।

डी कॉक, बटलर और धोनी हैं टी20 के शीर्ष तीन विकेटकीपर

एजेंसी, मुम्बई

विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक विकेटकीपर हुए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, से लेकर भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। वहीं अगर टी20 प्रारुप की बात करें तो डी कॉक टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज़्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की सूची में नंबर एक पर हैं। वही इंग्लैंड के बटलर दूसरे और धोनी तीसरे स्थान पर हैं। डी कॉक ने अपने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर (2012-2026) में 110 मैचों की 109 पारियों में विकेटकीपिंग करते हुए कुल 117 शिकार किए हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। इनमें 98 कैच और 19 स्टंपिंग शामिल हैं। उनकी प्रति पारी 1.073 शिकार की औसत और एक पारी में अधिकतम चार कैच लपकने की क्षमता उनकी फुर्ती का प्रमाण है, जिसने दक्षिण अफ्रीकी टीम को कई बार जीत मिली। वहीं इंग्लैंड के बटलर दूसरे स्थान पर हैं। साल 2011 से 2026 तक के अपने लंबे टी-20 करियर में, बटलर ने 130 पारियों में विकेटकीपर के रूप में 109 शिकार किए हैं, जिनमें 87 कैच और 22 स्टंपिंग शामिल हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.838 रहा है, जो उनकी निरंतरता को दिखाता है। एक पारी में अधिकतम पांच शिकार (चार कैच और एक स्टंपिंग) उनके नाम है। वहीं भारत के धोनी ने साल 2006 से 2019 के बीच 97 पारियों में 91 शिकार किए और इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, उनका सबसे बड़ा प्रभाव 34 स्टंपिंग के विश्व रिकॉर्ड में दिखता है, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। 57 कैच के साथ, तेजी से स्टंपिंग करने में उनका कोई जवाब नहीं था। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.938 रहा और उन्होंने एक पारी में अधिकतम पांच कैच भी लपके थे। इसके अलावा एसोसिएट देशों के विकेटकीपरों ने भी अपने असाधारण प्रदर्शन से दुनिया को हैरान किया है। केन्या के इरफ़ान करीम ने केवल 62 पारियों में 90 शिकार किये हैं।

रोहित का लक्ष्य एशियाई खेलों में पदक जीतना

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के युवा भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव का लक्ष्य अब 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। रोहित के अनुसार वह नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में देश के लिए पदक जीतकर उनकी कमी पूरी करना चाहते है। नीरज फिट नहीं होने के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गये हैं। ऐसे में रोहित का लक्ष्य पोडियम पर पहुंचकर देश के लिए पदक जीतना है। गौरतलब है कि इस साल, रोहित का प्रदर्शन ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में अच्छा नहीं रहा था, जहां वह केवल 81.56 मीटर का थ्रो किया था पर इसके बाद 22 अगस्त को भुवनेश्वर में आयोजित विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर सिल्वर मीट में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 87.68 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। रोहित को पूरा भरोसा है कि वह एशियाई खेलों में अपने इस प्रदर्शन को और बेहतर कर सकते हैं। रोहित ने कहा, मैं कोई दबाव नहीं ले रहा हूं, हालांकि मुझे पता है कि लोगों को मुझसे काफी उम्मीदें हैं। नीरज का यहां नहीं होना निराशाजनक है पर हमें इसे स्वीकार करना होगा। नीरज का पदक शत प्रतिशत पक्का माना जा रहा था पर मैं उनकी जगह भरने की कोशिश करूंगा। मुझे पता है कि मैं उनकी जगह नहीं ले सकता पर मैं पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करूंगा। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने की कोशिश करूंगा जिससे पदक जीतने वालों में शामिल हो सकूं। रोहित ने नीरज की उपलब्धियों को सराहा। उन्होंने कहा, नीरज का स्थान अलग है। उन्होंने देश के लिए इतिहास बनाया है और दुनिया में हर तरह के पदक जीते हैं। मैं भी उनकी उपलब्धियों जैसा प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगा, ताकि देश को मुझ पर गर्व हो। अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए रोहित का मानना है कि उन्हें डायमंड लीग जैसी शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की जरूरत है। अगर मैं ऐसा कर पाया तो इससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। मेरा लक्ष्य अगले साल सभी बड़ी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना है, ताकि जिससे के स्तर तक पहुंच सकूं और भारत को गौरवान्वित कर सकूं। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद अपनी तैयारी के बारे में रोहित ने बताया कि उन्होंने अपनी तकनीक में कोई खास बदलाव नहीं किया, बल्कि अपनी लय और मानसिकता पर काम किया। रोहित किसी खास दूरी को लक्ष्य नहीं बना रहे हैं। उनका एकमात्र लक्ष्य एशियाई खेलों में पोडियम पर पहुंचकर पदक जीतना है।

Rashtria Mukhyadhara

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक

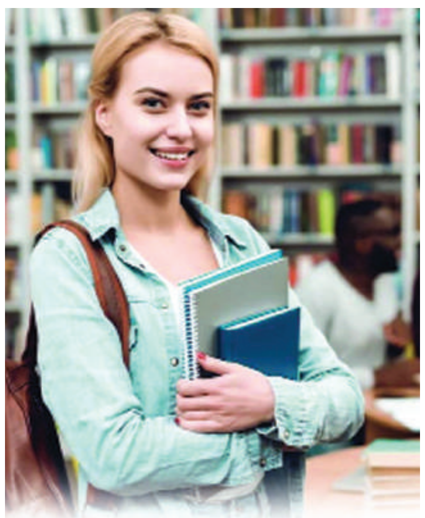

ऑनलाइन बिजनेस को सफल बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

आज के समय में ऑनलाइन बिजनेस करना बहुत आसान है। वहीं ऑनलाइन बिजनेस को अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए सही प्लानिंग और स्ट्रेटजी की जरूरत होती है। वहीं सक्सेस पाने के लिए आप सही बिजनेस आइडिया चुनने से लेकर सोशल मीडिया के सही इस्तेमाल तक की जरूरत होती है। डिजिटल जमाने में सोशल मीडिया का इस्तेमाल सिर्फ चिट-चैट के लिए नहीं बल्कि अन्य तमाम कामों के लिए भी हो रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए लोग ऑनलाइन बिजनेस का सहारा ले रहे हैं। क्योंकि इसमें निवेश और जोखिम अधिक नहीं होता है। अगर आप भी घर बैठे अपनी स्किल्स और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके पैसा कमाना चाहते हैं, तो आप भी ऑनलाइन बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

फील्ड रिसर्च

किसी भी बिजनेस को शुरू करने से पहले आपको मार्केट की रिसर्च जरूर करना चाहिए। ऐसे इसलिए जरूरी होता है, जिससे आपको मार्केट की डिमांड और उसमें किस तरह से प्रोडक्ट फिट होगा, इस बारे में जानकारी मिलती है।

बिजनेस प्लान

बिजनेस शुरू करने से पहले उसकी प्लानिंग करना जरूरी होता है। इससे आपको अपनी काबिलियत के साथ-साथ प्रॉफिट, मार्केटिंग स्ट्रेटेजी और टारगेट ऑडियंस पर फोकस करें।

बिजनेस रजिस्टर करें

बिजनेस की प्लानिंग के बाद आपको बिजनेस का रजिस्ट्रेशन जरूर कराएं। इसके लिए सबसे पहले बिजनेस स्ट्रक्चर बनाएं और जरूरी लाइसेंस के लिए अप्लाई करें।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर अपना डालने के साथ ही आप खुद का भी ऑनलाइन पेज क्रिएट करें। आप यूजर फ्रेंडली वेबसाइट बनाने के साथ शॉपिफाई और वर्डप्रेस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग

जब तक आप प्रोडक्ट की मार्केटिंग नहीं करेंगे, तब तक आपका प्रोडक्ट बिकेगा नहीं। क्योंकि आज का समय टेक्नोलॉजी का है, इसलिए मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से अच्छा ऑप्शन कुछ नहीं है। इसलिए आप अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग करने के लिए फेसबुक, ईमेल मार्केटिंग, सोशल मीडिया, डिजिटल मार्केटिंग और इन्फ्लुएंसर्स के कैंपेन की भी सहायता ले सकते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2028 तक भारत का हेल्थकेयर सेक्टर करीब 280 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल लगभग 40 लाख लोगों को इसमें रोजगार मिला हुआ है। उम्मीद है कि सन् 2028 तक इस सेक्टर का वर्कफोर्स करीब 74 लाख के आसपास पहुंच जाएगा। हेल्थकेयर में एफडीआई के आने से मेडिकल टूरिज्म जैसे नए सेक्टर्स उभरकर सामने आए हैं। टेलीमेडिसिन का बाजार भी तेजी से विकसित हो रहा है।

नए अवसर सृजित कर रहे हैं ऑनलाइन हेल्थकेयर स्टार्ट-अप्स

ऑनलाइन हेल्थकेयर स्टार्ट-अप्स में नए अवसर सृजित हो रहे हैं। तकनीकी विकास के कारण टेक्निकली स्किल्ड प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है। स्पेशलाइज्ड डॉक्टर्स के अलावा पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स, लैब टेक्निशियंस आदि को हाथो-हाथ लिया जा रहा है। इसी तरह डायग्नोस्टिक्स और पैथोलॉजिकल लैब्स की संख्या बढ़ने से प्रशिक्षित टेक्निशियंस की काफी मांग देखी जा रही है। मेडिकल फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स के जरिए जानते हैं इस फील्ड में विभिन्न करियर ऑप्शंस के बारे में।

होम्योपैथी

डॉ. नीतू कहती हैं कि भारत में करियर के लिहाज से होम्योपैथी बेशक स्टूडेंट्स की पहली चॉइस नहीं बनती लेकिन इस पद्धति में लोगों का विश्वास बढ़ता जा रहा है। बात चाहे सरकारी क्षेत्र में जॉब की हो या प्राइवेट प्रेक्टिस की, अगर आपने सही तरीके से पढ़ाई की है और नए घटनाक्रम से अपडेटेड रहते हैं, तो पहचान बनाने में देर नहीं लगती।

वेटरनरी साइंस

डॉ. तीस्ता वाइल्डलाइफ एसओएस के साथ जुड़ी हैं। वे कहती हैं कि वेटरनरी साइंस के क्षेत्र में काफी फील्ड वर्क होता है। इसलिए जो विद्यार्थी इसमें करियर बनाना चाहते हैं, उन्हें टेक्निकली साउंड होने के अलावा मानसिक रूप से भी मजबूत होना चाहिए। सरकारी क्षेत्र के अलावा एनजीओ, वन्यजीवों के लिए काम करने वाली संस्थाओं और प्राइवेट सेक्टर में वेटरनरी डॉक्टर्स की अच्छी मांग है। मगर कहीं भी नौकरी करने से पहले ट्रायल बेसिस पर वर्क एक्सपीरियंस हासिल करना बेहतर रहता है। विदेशों में वेटरनरी डॉक्टर्स को रिसर्च से लेकर तमाम तरह के आइडियाज और कॉन्सेप्ट्स पर काम करने का मौका मिलता है।

फिजियोथैरेपी

आजकल अक्सर लोग पीठदर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, स्पॉन्डिलाइटिस, स्लिप डिस्क आदि की शिकायत करते हैं। खिलाड़ियों को भी गाहे-बगाहे चोट लगती रहती है। ऐसे में फिजियोथैरेपिस्ट की मांग दिनो-दिन बढ़ रही है। फिजियोथैरेपिस्ट प्रियंका तिवारी बताती हैं कि विद्यार्थी 12वीं के बाद बीपीटी या डिप्लोमा जैसा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद सरकारी व प्राइवेट हॉस्पिटल्स में ढेर सारे अवसर हैं।

फार्मेसी

एक निजी अस्पताल में फार्मेसी के हैड अमित गुप्ता के अनुसार, फार्मेसी फील्ड में युवाओं के लिए बहुत अवसर हैं। विज्ञान से 12वीं पास युवा बी फार्मा, एम फार्मा या डिप्लोमा करके फार्मा सेक्टर, हॉस्पिटल्स, रिटेल फार्मासिस्ट, क्लिनिकल फार्मासिस्ट, एमआर या मटेरियल मैनेजर जैसे पदों पर जॉब हासिल कर सकते हैं।

लैब टेक्निशियन

अगर आपने केमिस्ट्री में बीएससी/ एमएससी या फिर लैब टेक्निशियन से संबंधित कोई डिप्लोमा किया है, तो आपके लिए स्कोप की कमी नहीं है। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में लैब असिस्टेंट प्रभात सेमवाल कहते हैं कि किसी भी शोध संस्थान, प्राइवेट या सरकारी लैब, फार्मा कंपनी के फार्मा केमिस्ट्री/ बायोकेमिस्ट्री विंग में असिस्टेंट, टेक्निशियन, इंचार्ज, लैब इंस्ट्रक्टर या मैनेजर के तौर पर अच्छा पैकेज और ग्रोथ पा सकते हैं। हां, इस फील्ड में काम करने के लिए इसमें रुचि होना बहुत जरूरी है क्योंकि यह टेक्निकल वर्क है।

कई कोर्स, कई रास्ते

मेडिकल फील्ड में प्रवेश के लिए एमबीबीएस के अलावा बीडीएस (डेंटल), बीएचएमएस (होम्योपैथी), बीएएमएस (आयुर्वेद) जैसे परंपरागत डिग्री कोर्स हैं। इनके अलावा, विद्यार्थी 12वीं के बाद पैरामेडिकल के तहत विभिन्न कोर्स कर सकते हैं, जो डिग्री से लेकर डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और शॉर्टटर्म कोर्सेज के रूप में ऑफर किए जाते हैं। देश के सरकारी और प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए ऑल इंडिया या स्टेट लेवल पर होने वाले मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम्स क्लियर करने होते हैं। वहीं एम्स, एएफएमसी आदि अलग से प्रवेश परीक्षा आयोजित करते हैं। कई प्राइवेट यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी अपनी प्रवेश परीक्षा लेते हैं।

ऑक्यूपेशनल थैरेपी

मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की की है। अब सेरिब्रल पाल्सी, ऑटिज्म, डाउन्स सिंड्रोम जैसी जेनेटिक बीमारियों के शिकार लोगों के लिए भी विशेषज्ञ मौजूद हैं, जिन्हें ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट कहते हैं। ऐसे ही ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट कपिल कुमार कहते हैं कि इस बीमारी की वजह से शरीर का कोई भी हिस्सा जब काम करना बंद कर देता है, तो इस थैरेपी की मदद से उसे सामान्य बनाया जाता है। आज जो भी युवा इस फील्ड में आना चाहते हैं, वे यह सोचकर आएं कि आने वाले वक्त में उन्हें किसी की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

आयुर्वेद

आयुर्वेद में एक बीमारी के लिए सैकड़ों औषधियां हैं। एमबीबीएस की तरह आयुर्वेद का कोर्स भी साढ़े पांच साल का होता है, जिसमें साढ़े चार साल एकेडमिक्स और एक साल की इंटर्नशिप होती है। प्रोफेशनल्स के सामने सरकारी, प्राइवेट नौकरी से लेकर अपनी निजी प्रेक्टिस करने का विकल्प खुला होता है। वे कहते हैं कि सरकार अगर आयुर्वेद को वैकल्पिक चिकित्सा के तहत प्रोत्साहन, ग्रेजुएट्स को वाजिब स्टाइपेंड दे, तो अच्छे टैलेंट को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

ब्रिज मेंटरशिप से मिलेगी सफलता की नई राह

अधिक एक्सपीरियंस वाले व्यक्ति को मेंटर कहा जाता है। आमतौर पर मेंटर अपने कॅरियर या शिक्षा में आगे होते हैं। ऐसे में वह नए लोगों को अपने अनुभव के आधार पर मोटिवेट कर उनका मोटिवेट करते हैं और रोल मॉडल के रूप में अपना काम कर सकते हैं।

आज के युग में प्रतिस्पर्धा चल रही है, फिर चाहे आप स्टूडेंट हों या फिर नौकरी की तलाश कर रहे हों। हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है। ऐसे में सभी को किसी न किसी मेंटर की जरूरत होती है। मेंटरशिप में एक से अधिक एक्सपीरियंस व्यक्ति किसी अन्य पेशेवर के साथ बुद्धिमत्ता और ज्ञान साझा करते हैं। जिससे कि उनको आगे बढ़ने में सहायता मिल सके। अधिक एक्सपीरियंस वाले व्यक्ति को मेंटर कहा जाता है। आमतौर पर मेंटर अपने कॅरियर या शिक्षा में आगे होते हैं। ऐसे में वह नए लोगों को अपने अनुभव के आधार पर मोटिवेट कर उनका मोटिवेट करते हैं और रोल मॉडल के रूप में अपना काम कर सकते हैं।

ब्रिज मेंटरशिप

एक रिसर्च से पता चलता है कि 71% मेंटर अपने ही पेशे वाले कर्मचारियों का मार्गदर्शन करना पसंद करते हैं। इस अवधारणा को ब्रिज मेंटरशिप कहा जाता है। जहां पर मेंटर और मेटी नियमित रूप से आमने-सामने मिलते हैं। जिससे के दोनों तरफ से साझेदारी बनाई जा सके। इस प्रोसेस के दौरान मेंटी को मेंटर के दृष्टिकोण, अनूठे अनुभवों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की गहरी समझ हासिल करने में सहायता मिलती है। यह प्रक्रिया प्रशिक्षण के साथ सहानुभूति और अंतर-सांस्कृतिक संचार को बढ़ावा देती है।

खुली बातचीत को करें प्रोत्साहित

अधिकतर मेंटरशिप की तरह ही ब्रिज मेंटरशिप के अपने कुछ दिशा-निर्देश होते हैं। जिनमें मेंटी और मेंटर दोनों की तरफ से विश्वास और गोपनीयता शामिल है। इस आधार पर एक सहायक और सेफ वातावरण बनता है। जिससे दोनों तरफ से खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलता है। यह प्रोसेस दोनों पक्ष के स्तर पर विजय पाने में सहायता करती है। वहीं सभी लोगों के लिए एक सांस्कृतिक रूप से समक्ष कार्य का वातावरण का निर्माण करती है।

कार्यक्रमों में लें हिस्सा

आप अपने क्षेत्र या अपने विशिष्ट समुदायों के भीतर संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से ब्रिज मेंटरशिप के लिए आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने नेटवर्क को बढ़ा सकते हैं। इससे आपको उन लीडर्स तक पहुंचने में सहायता मिलेगी, जोकि उच्च पदों पर कार्यरत हैं। साथ ही आपकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भी भलीभांति परिचित हैं।

खोजें ऐसे सेंटर

बता दें कि आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे प्लेटफॉर्म खोज सकते हैं, जो मेंटर से मिलाने पर फोकस करते हैं। वहीं आप अपने संगठन के अंदर एक ऐसी परियोजना में हिस्सा ले सकते हैं, जिसमें तमाम विभागों या फिर कार्यात्मक क्षेत्रों के लोग एक साथ मिलकर काम करते हैं। इसके अलावा दूसरे विभागों के लीडर्स से भी मिल सकते हैं। ब्रिज मैटरशिप के लिए आपको सुरक्षित क्षेत्र से बाहर निकलना होता है। जहां पर आप संभावित सेंटरों से मिलने के लिए कह सकते हैं, जिससे कि आप उनके विचारों को जान सकें। साथ ही यह भी कि क्या वह इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

Rashtria Mukhyadhara

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवक्ता

सोहेल खान के डायरेक्टोरियल डेब्यू का हिस्सा बने सलमान

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान जल्द ही बतौर हीरो बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। सलमान खान अपने भतीजे की इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। जाहिर है, फिल्म में सलमान की मौजूदगी से अरहान के डेब्यू को बड़ा सपोर्ट मिल सकता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने अपने परिवार के किसी सदस्य के करियर को सपोर्ट करने के लिए फिल्मों में काम किया हो। सोहेल खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हो या उनका डायरेक्शन में कमबैक, सलमान ने दोनों मौकों पर भाई का साथ दिया और उनकी फिल्मों में लीड रोल कर कमान संभाली। वहीं, जब अरबाज खान की बतौर लीड एक्टर फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं, तब सलमान ने उन्हें अपनी फिल्मों में काम दिया और बाद में प्रोडक्शन और डायरेक्शन की दूसरी पारी में भी उनका साथ दिया। इतना ही नहीं, सलमान ने अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा के पति आयुष शर्मा और बहन अलविरा अग्निहोत्री की बेटी अलिजेह अग्निहोत्री को भी अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए लॉन्च किया।

सोहेल खान ने साल 1997 में फिल्म 'औजार' से बतौर डायरेक्टर करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में सलमान खान ने लीड रोल निभाया था। करीब 5 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी। इसके बाद सोहेल खान ने साल 1998 में 'प्यार किया तो डरना क्या' डायरेक्ट की। इस फिल्म में भी सलमान खान लीड रोल में नजर आए। सोहेल ने फिल्म की कहानी लिखने के साथ-साथ इसे प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

सलमान की फिल्मों में सोहेल बने प्रोड्यूसर

सोहेल खान ने डायरेक्शन से ब्रेक के दौरान बतौर प्रोड्यूसर भी काम किया। वह सलमान खान की कई फिल्मों से प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े रहे। इनमें 'लकी: नो टाइम फॉर लव', 'मैंने प्यार क्यों किया?', 'पार्टनर', 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो', 'मैं और मिसेज खन्ना' और 'रेडी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इस तरह सलमान की फिल्मों के जरिए सोहेल का प्रोडक्शन करियर भी लगातार चलता रहा।

ईशा रिखी ने बताई बिग बॉस 20 में आने की वजह

मशहूर रैपर बादशाह से अलग होने के बाद अभिनेत्री ईशा रिखी की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। निजी जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखने वाली ईशा अब 'बिग बॉस 20' के घर में अपने बारे में खुलकर बात कर रही हैं। अब वह अपने अतीत को बार-बार याद करने के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहती हैं। यही वजह है कि उन्होंने उस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया। बातचीत में ईशा ने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 'बिग बॉस' का हिस्सा बनूंगी। मैं काफी निजी स्वभाव की रही हूं और मुझे लगा करता था कि शो का माहौल और तरीका मेरी जिंदगी से बिल्कुल अलग है। जब मुझे शो का ऑफर मिला तो मैंने तुरंत हां नहीं की। मैंने काफी सोचा और अपनी उन झिझक पर भी विचार किया, जिसकी वजह से मैं इस शो से दूर रहना चाहती थीं। आखिरकार मैंने तय किया कि अब डर और हिचक को पीछे छोड़ने का समय है और फिर शो में जाने का फैसला किया।'' ईशा रिखी ने कहा, ''जिंदगी में कुछ बड़ा झेलने के बाद ही कई बार इंसान को अपनी असली ताकत का पता चलता है। मुझे भी अब लगता है कि मैं इस शो में खुद को संभाल सकती हूं और यहां टिक सकती हूं। मैंने जितना समय फिल्मी दुनिया में बिताया है, उसे देखते हुए मुझे हमेशा लगता था कि मैं 'बिग बॉस' जैसे शो के लिए सही नहीं हूं लेकिन धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि अगर इंसान के भीतर आत्मविश्वास है तो जगह मायने नहीं रखती। मैं कहीं भी जाऊं, अपनी पहचान बना सकती हूं।''

ईशा ने आगे कहा, ''यह शो मेरे लिए खुद को लोगों के सामने अपने तरीके से रखने का मौका है। ऑफर मिलने के बाद मेरे मन में यह भी था कि शो के जरिए दर्शकों को पता चल सकेगा कि मैं असल जिंदगी में कैसी हूं और मेरा स्वभाव कैसा है। एक कलाकार के लिए अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना आसान नहीं होता। लोगों की राय, चर्चाएं और तरह-तरह की बातें कई बार काम पर भी असर डालती हैं। मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है और कभी

किसी दौड़ का हिस्सा बनने की कोशिश नहीं की।'' निजी जिंदगी से जुड़े सवालों पर भी ईशा ने कहा, ''आगे जो भी स्थिति आएगी, मैं उसे उसी समय संभालूंगी। मैं अब ऐसी बातों पर अपनी ज्यादा एनर्जी नहीं लगाना चाहतीं, जिनके बारे में मैं खुद बात नहीं करना चाहतीं। मैं हर किसी को सफाई नहीं दूंगी। जो बातें मैं साझा नहीं करना चाहती, उन्हें अपने तक ही रखूंगी।'' शो के अंदर होने वाले झगड़ों को लेकर भी ईशा ने कहा, ''घर में लड़ाई-झगड़े होना कोई नई बात नहीं है। असल जिंदगी में भी परिवार और दोस्तों के बीच मतभेद होते हैं, लेकिन 'बिग बॉस' के घर में यह सब किस स्तर तक जाएगा, इसका अंदाजा मुझे अभी नहीं है।'' 'बिग बॉस 20' में ईशा की एंट्री ऐसे समय हुई है, जब उनकी निजी जिंदगी पहले से ही चर्चा में है। बादशाह और ईशा ने हाल ही में आपसी सहमति से अलग होने की जानकारी साझा की थी।

आम्रपाली दुबे ने बताया अपना स्टारडम का राज

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। शो में आने के बाद उनके करियर और अब तक के सफर को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। आम्रपाली उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि, आम्रपाली का कहना है कि उनका स्टारडम सिर्फ उनकी लोकप्रियता की वजह से नहीं आया, बल्कि उनकी एक्टिंग ने उन्हें वह सम्मान दिलाया, जो एक अभिनेत्री के तौर पर उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि भोजपुरी और क्षेत्रीय सिनेमा में फीमेल एक्टर्स को अक्सर ऐसे किरदारों तक सीमित कर दिया जाता है, जिनमें उनके पास परफॉर्म करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता। आईएएनएस ने जब आम्रपाली से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें एक एक्ट्रेस के तौर पर पर्याप्त सम्मान दिया या फिर उनकी स्टार पावर को ज्यादा महत्व मिला। इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे अपनी एक्टिंग स्किल्स की वजह से बहुत ज्यादा सम्मान मिला। महिला कलाकारों को उनकी एक्टिंग के लिए इतना सम्मान मिलना क्षेत्रीय सिनेमा में आम बात नहीं है, क्योंकि अक्सर फीमेल एक्टर्स को सीमित और सिर्फ सजावटी तरह के किरदारों में देखा जाता है।''

आम्रपाली ने कहा, ''एक महिला कलाकार के लिए रीजनल सिनेमा में कई बार ऐसे रोल की सीमा तय कर दी जाती है, जिनमें वह सिर्फ फिल्म की खूबसूरती बढ़ाने तक रह जाती है। लेकिन मैं खुद को इस मामले में काफी लकी मानती हूं। मुझे लगातार ऐसे फिल्मों और प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला, जिनकी कहानियां और कॉन्सेप्ट अलग थे। इन फिल्मों में मेरे किरदार भी एक जैसे नहीं थे और हर बार मुझे कुछ नया करने का मौका मिला।''

अपने करियर में निभाए गए किरदारों का जिक्र करते हुए आम्रपाली ने कहा, ''मैंने एक पाकिस्तानी लड़की का रोल भी किया है। मैं पर्दे पर एक हैदराबादी लड़की का किरदार भी निभा चुकी हूं। भोजपुरी इंडस्ट्री में मुझे कई अलग-अलग तरह के रोल करने का मौका मिला और दर्शकों ने भी मेरे हर अंदाज को पसंद किया। पहले लोगों ने मेरे किरदारों और एक्टिंग को पसंद किया और उसके बाद ही मुझे स्टार का खिताब मिला।'' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

दानिश पंडोर के हाथ लगी बड़ी फिल्म

आमिर के साथ निभाएंगे अहम किरदार

अभिनेता दानिश पंडोर को फिल्म 'धुरंधर' में उनके किरदार उजैर बलोच के लिए काफी पसंद किया गया था। अब एक्टर जल्द आमिर खान की फिल्म 'ललकारा' में अभिनय करते दिखेंगे। जानें एक्टर की अगली फिल्म के बारे में... दानिश पंडोर ने रणवीर सिंह अभिनीत स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' से अपनी असल पहचान बनाई थी।

बातचीत में उन्होंने बताया कि वह जल्द आमिर खान के साथ उनकी फिल्म 'ललकारा' में दिखाई देंगे। हालांकि पंडोर को कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिले। मगर उन्होंने आमिर की फिल्म साइन कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह आमिर खान के दोस्त का किरदार निभाएंगे।

फिल्म के लिए चल रही ट्रेनिंग

फिल्म 'ललकारा' के लिए आमिर खान, सिद्धांत गुप्ता, दानिश पंडोर तीनों ही क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रहे हैं। अपने-अपने किरदारों के लिए एक्टर्स अपनी फिजीक में काफी बदलाव कर रहे हैं। फिल्म में आमिर खान स्वतंत्र भारत के पहले क्रिकेट कप्तान, क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी अब तक नहीं मिली है।

फिल्म 'ललकारा' भारत के पहले क्रिकेट कप्तान लाला अमरनाथ के जीवन पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। फिल्म को पियूष गुप्ता और नीरज सिंह ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की एक्सेल एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म के बैनर तले हो रहा है। फिल्म की शूटिंग नवंबर 2026 से शुरू हो सकती है।

कौन हैं दानिश पंडोर

दानिश पंडोर ने साल 2025 में फिल्म 'धुरंधर' और 2026 में 'धुरंधर 2' में अभिनय किया था। इस फिल्म में उन्होंने उजैर बलोच का किरदार निभाया, इस किरदार में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। पिछले दिनों वह इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में भी नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अफजल का किरदार निभाया था। फिल्मों में आने से पहले दानिश ने कई हिंदी टीवी सीरियल किए थे, जिनके जरिए उन्हें अच्छी-खासी पहचान मिली।

'द रिवोल्यूशनरीज' उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है जिनके बारे में कम चर्चा हुई

वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' आजादी की लड़ाई के उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है, जिनके बारे में कम चर्चा हुई। यह सीरीज संजीव सान्याल की किताब 'रेवोल्यूशनरीज: द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' पर आधारित है। बातचीत में डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने बताया कि 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के बाद उन्हें लगा कि ऐसी कहानियों में यूथ का नजरिया मिसिंग था। उन्होंने प्रतिभा रांटा की तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह शो के लिए मना कर देतीं तो उनका दिल टूट जाता। निखिल ने मनोज बाजपेयी का किस्सा भी सुनाया, जिन्होंने 25 साल बाद साथ काम करने पर पूछा था- 'अब आए हो?'

'द रिवोल्यूशनरीज' में ऐसा क्या था, जो आपको पहले की कहानियों में मिसिंग लगा?

मुझे लगा कि यूथ मिसिंग था। हमने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, ऊधम सिंह और जलियांवाला बाग के बारे में बहुत पढ़ा है। लेकिन इनसे करीब 10 साल पहले भी एक समानांतर कहानी चल रही थी। रिसर्च करते हुए मुझे लगा कि इन युवाओं की कहानी भी बतानी चाहिए। उस समय के क्रांतिकारियों में एक अलग तरह का जुनून था। उन्होंने तय कर लिया था कि अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना है। कैसे करेंगे, यह बाद की बात थी। यही जुनून मुझे इस कहानी में सबसे ज्यादा आकर्षित करता है।

प्रतिभा रांटा में आपको वह प्रतिभा कब नजर आई, जो इस किरदार के लिए जरूरी थी?

मेरे लिए किसी एक्टर के पास जाना सिर्फ कास्टिंग नहीं है। मैं किसी कलाकार के पास तब तक नहीं जाना चाहता, जब तक मेरे पास उसके लिए ऐसा कुछ न हो, जिसमें वह पूरी तरह डूब सके। प्रतिभा के मामले में भी ऐसा ही था। मुझे पता था कि वह बहुत अच्छी एक्टर हैं, लेकिन यह समझना भी जरूरी था कि वह किरदार को किस तरह अपने अंदर उतारेंगी। हमने कई सीन्स पर महीनों चर्चा की। एक-एक लाइन पर बात की कि इसका मतलब क्या है और इसे किस तरह करना है। अगर प्रतिभा ने इस शो के लिए मना कर दिया होता, तो मैं सच में मेरा दिल टूट हो जाता। क्योंकि उन्होंने इस किरदार के लिए जो दिया है, वह बहुत खास है। मैं हमेशा मानता हूं कि एक एक्टर के अंदर यह चुनौती होनी चाहिए कि क्या मैं इस सीन को और बेहतर कर सकता हूं? क्या मैं इसे पेपर पर लिखे हुए सीन से आगे ले जा सकता हूं? अगर यह चुनौती नहीं है तो काम बोरिंग हो जाता है।

आपने कहा कि आप किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नहीं लेते कि वह बड़ा नाम है। मनोज बाजपेयी का 25 साल वाला किस्सा क्या है?

मनोज बाजपेयी मुझसे करीब 25 साल से कहते रहे थे कि मेरे साथ काम करना है। जब मैं आखिरकार उनके पास 'सत्यमेव जयते' लेकर गया तो उन्होंने मुझसे कहा- 'अब आए हो?'

मैं किसी बिजी स्टार के पीछे भागने में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए जरूरी है कि मेरे पास उस कलाकार के लिए सही किरदार हो। मैं किसी एक्टर के पास सिर्फ इसलिए नहीं जाता कि वह बड़ा नाम है। मुझे ऐसा किरदार लेकर जाना होता है, जिसमें वह अपने दांत गड़ा सके और पूरी तरह डूब सके।

क्या 'द रिवोल्यूशनरीज' जैसी कहानी पर फिल्म भी बनाई जा सकती है?

बिल्कुल बनाई जा सकती है। लेकिन मुझे सीरीज का फॉर्मेट पसंद है, क्योंकि इसमें किरदारों को ज्यादा गहराई से एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है। इसमें रोमांस है, एक्शन है और कई किरदारों की अपनी अलग परतें हैं। अगर यह फिल्म होती तो भी मैं इन्हीं कलाकारों के साथ काम करता। मैंने रोहित, प्रतिभा और बाकी कलाकारों को इसलिए चुना क्योंकि वे मेरे दिमाग में मौजूद किरदारों के लिए बिल्कुल सही थे। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि फॉर्मेट ओटीटी है या फिल्म। सही कलाकार और सही किरदार सबसे ज्यादा जरूरी हैं।

Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara Rashtria Mukhyadhara